https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, बुधवार 16 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण 06, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 99 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	36.2	20.4
डालटनगंज	40.8	20.1
धनबाद	38.6	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

‘गगन’ जीतकर लौटे शुभांशु शुक्ला

समंदर में स्प्लैशडाउन...18 दिन बाद धरती पर रखा कदम

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती पर लौट आए हैं. वह एक्सिओम-4 मिशन पूरा करके साढ़े 22 घंटे की यात्रा के बाद पृथ्वी पर आए हैं. उनकी वापसी का इंतजार पूरे देश को बेसब्री से है. केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पोस्ट करके शुभांशु को वापसी के लिए बधाई दी. शुभांशु शुक्ला भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री हैं, जो स्पेस मिशन पूरा करके वापसी किए हैं. वह एक्सिओम-4 मिशन पर गए थे. इस मिशन के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रयोग भी किए. एक्सिओम-4 मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के साथ कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन एक्सपर्ट पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल हैं. ये ड्रैगन ‘ग्रेस’ अंतिरक्ष यान भारतीय समयानुसार सोमवार शाम 4:45 बजे अंतरिक्ष स्टेशन से अलग हो गया था.

लैंडिंग का रोमांच

ग्रेस यान की लैंडिंग से पहले एक जोरदार सोनिक बूम सुनाई दिया, जो इसकी तेज गति का संकेत था. लैंडिंग के दौरान संचार कुछ देर के लिए रुका, क्योंकि प्लाज्मा की परत सिग्नल को ब्लॉक कर रही थी. लेकिन रिकवरी टीम नौकाएं और हेलीकॉप्टर तुरंत कार्रवाई में आए. शुभांशु समेत एएक्स-4 क्रू को सुरक्षित बाहर निकाला. इस टीम में पैगी व्हिटसन (कमांडर), स्लावोश उज़नांस्की-विस्निव्स्की (पोलैंड), और टिबोर कपु (हंगरी) भी शामिल थे.

सफर और लौटने की तैयारी

- 15 जुलाई, दोपहर 3 :00 बजे वह पल आया जब भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 18 दिन की आईएसएस यात्रा के बाद धरती पर लौट आए. यह उनकी पहली अंतरिक्ष यात्रा थी, जो एक्सिओम मिशन 4 का हिस्सा थी. शुभांशु स्पेसएक्स के ग्रेस यान से लौटे और कैलिफोर्निया तट के पास प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग की.
- 14 जुलाई को शाम 4 :45 बजे ग्रेस यान आईएसएश से अलग हुआ. पृथ्वी की ओर बढ़ा. लैंडिंग से पहले, कई चरणों से गुजरा...
- डीऑर्बिट बर्न : यान ने कक्षा से बाहर निकलने के लिए इंजन जला कर गति कम की.
- वायुमंडल में प्रवेश : 27,000 किमी/घंटा की रफ्तार से प्रवेश के दौरान तापमान 1,600 डिग्री तक पहुंचा, जिसे हीट शील्ड ने सहन किया.
- पैराशूट तैनात : वायुमंडल से बाहर निकलने पर पैराशूट खुल कर यान को धीमा किया.
- स्प्लैशडाउन : 15 जुलाई को दोपहर 3 :00 बजे आईएसटी, यान प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरा.

पीएम नरेंद्र मोदी ने दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

शुभांशु शुक्ला की वापसी पर पीएम मोदी ने खुशी जताई और इस्तकबाल किया है. पीएम ने एक्स लिखा, मैं देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौटे हैं. स्पेस स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, शुभांशु ने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है.

ब्रीफ न्यूज

एक्टर और प्रोड्यूसर धीरज का निधन

मुंबई। बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया के एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर धीरज कुमार का निधन हो गया है. उन्हें 3 दिन पहले कोकिला बेन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था. 79 साल के धीरज एक्यूट निमोनिया से पीड़ित थे जिसके चलते उन्होंने अब दुनिया को अलविदा कह दिया. धीरज कुमार बीती रात से ही वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे. धीरज कुमार के एक करीबी ने बताया, वो बीते शनिवार को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराए गए थे.

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को उड़ाने की धमकी

मुंबई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के ई-मेल पर मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी अज्ञात शख्स ने दी. जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज परिसर की गहन छानबीन की. एक्सचेंज को मिले धमकी भरे ई-मेल में दावा किया गया था कि बीएसई टावर की इमारत में चार आरडीएक्स आईईडी बम लगाए गए हैं और ये दोपहर 3 बजे फटेंगे. यह धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले शख्स ने अपना नाम कॉमरेड पिनाराई विजयन बताया था.

नक्सलियों ने माना, मारे गए 357 साथी

बीजापुर। सालभर में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 357 नक्सली मारे गए हैं. नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने मंगलवार को जारी बुकलेट में यह स्वीकार किया है. मंगलवार को नक्सलियों ने 24 पेज का गोंडी बोली और अंग्रेजी में बुकलेट भी जारी किया. बुकलेट में लिखा है कि सालभर में नक्सलियों के पोलित ब्यूरो मेंबर और नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू समेत सेंट्रल कमेटी के 4 सदस्य, स्टेट कमेटी के 16 सदस्य मारे गए हैं.

आप को महंगी दवाओं से अब मिलेगी राहत

नयी दिल्ली। जब बीमारी दस्तक देती है, तो इलाज की चिंता के साथ दवा की कीमतें भी जेब पर बोझ बन जाती हैं. खासकर गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, डायबिटीज के इलाज में दवाएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाती हैं. लेकिन अब केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है जो मरीजों को बड़ी राहत देगा. सरकार ने 71 दवाओं की कीमत तय करने का फैसला लिया है. इसमें कैंसर, डायबिटीज और इंफेक्शन जैसी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख दवाएं शामिल हैं.

हजारीबाग में करंट लगने से दो बच्चे मरे

हजारीबाग। जिले के विष्णुगढ़ के कुसुंबा पंचायत के डूमरडीहा गांव में दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई. सीओ ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध रूप से ईंट भट्ठा का संचालन हो रहा था जिसमें अनाधिकृत रूप से बिजली की तार बिछाई गयी थी. इस तार की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक और 12 वर्षीय बालिका की मौत हो गई. दोनों पास के खेत में घूमने गए थे. इसी दौरान दोनों बच्चे करंट की चपेट में आ गए जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई.

एसआईआर: एनडीए के घटक टीडीपी ने चुनाव आयोग को धर्मसंकट में डाला, कहा

सबूत देने की जिम्मेदारी वोटर की नहीं

एजेंसियां। नयी दिल्ली

तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने मंगलवार को चुनाव आयोग (ईसी) से अपील की कि आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और यह प्रक्रिया किसी बड़े चुनाव से छह महीने पहले तक न कराई जाए. टीडीपी ने कहा कि जो लोग पहले से ही ताजा वोटर लिस्ट में शामिल हैं, उन्हें दोबारा अपनी पहचान या पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए. यह मांग ऐसे समय में आई है जब बिहार में इसी तरह की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है. वहां विपक्षी दलों ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव से ठीक पहले की जा रही इस प्रक्रिया में नए वोटरों पर सबूत देने की जिम्मेदारी डाल दी गई है, जिससे भ्रम और असंतोष फैल रहा है.

टीडीपी ने चुनाव आयोग से कर दी बड़ी मांग... पुराने वोटरों की दोबारा पहचान न कराएं

विशेष सघन पुनरीक्षण का मकसद साफ हो : टीडीपी ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य केवल वोटर लिस्ट में सुधार और नए नाम जोड़ना होना चाहिए, न कि नागरिकता की जांच. इसके लिए फील्ड अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं.

वोटर लिस्ट में नाम है तो पात्रता साबित क्यों करें : अगर कोई व्यक्ति पहले से वोटर लिस्ट में दर्ज है, तो उसे दोबारा अपनी पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, जब तक कोई ठोस वजह न हो. सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा कि नाम हटाने से पहले जांच जरूरी है और सबूत देने की जिम्मेदारी वोटर की नहीं, बल्कि अधिकारी या आपत्ति करने वाले की होनी चाहिए.

वक्त से पहले एसआईआर की शुरुआत हो : चूंकि आंध्र प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव 2029 में है, इसलिए विशेष सघन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाए, ताकि पर्याप्त समय मिल सके और पारदर्शी तरीके से काम हो सके.

माइग्रेशन को ध्यान में रखा जाए : राज्य में बड़ी संख्या में लोग खासकर ग्रामीण और तटीय इलाकों से अन्य जगहों पर जाते हैं. ऐसे में मोबाइल बीएलओ टीमें लगाई जाएं और अस्थायी पते वाले लोगों को भी वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए.

नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी हो : अगर किसी का नाम हटाना है, तो उसका कारण साफ बताया जाए और उस व्यक्ति को जवाब देने का मौका दिया जाए.

राष्ट्रीय स्तर पर टीडीपी ने दिए ये सुझाव

हर साल सीएजी के तहत तीसरे पक्ष द्वारा वोटर लिस्ट का ऑडिट हो. एआई टूल्स का इस्तेमाल कर डुप्लीकेट नामों को रीयल टाइम में पकड़ा जाए. ईपीआईसी कार्ड की डुप्लीकेसी खत्म करने के लिए आधार कार्ड का इस्तेमाल किया जाए और एक व्यक्ति को एक यूनिक वोटर आईडी दी जाए. स्याही आधारित सत्यापन की जगह बायोमेट्रिक मॉडल अपनाया जाए. हर इलाके में स्थानीय स्तर पर शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो. बीएलए सभी मान्यता प्राप्त पार्टियों से नियुक्त किए जाएं ताकि पारदर्शिता बनी रहे. जिला स्तर पर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने की जानकारी सार्वजनिक की जाए और एक रियल-टाइम डैशबोर्ड बनाया जाए. हर महीने राजनीतिक दलों के साथ बैठकें हों, खासकर डीईओ और ईआरओ स्तर पर. प्रवासी मजदूरों, आदिवासी समुदायों, बुजुर्गों और बेघर लोगों के लिए विशेष नामांकन अभियान चलाए जाएं. अस्थायी पते पर भी वोटर लिस्ट में नाम जुड़ सके, इसके लिए मूल दस्तावेजों के आधार पर अनुमति दी जाए.

जेडीयू की सफाई : जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए. जो भी नाम हटाए जाएं, उनका सार्वजनिक तौर पर ब्यौरा होना चाहिए. लोग देखें कि उनका नाम क्यों हटा. जिन्हें नाम हटाने पर आपत्ति है, वे अपनी बात रखें. दूसरी बात कि दस्तावेज अनिवार्य नहीं होने चाहिए. जन्म प्रमाण पत्र या आधार देना अनिवार्य नहीं है. इस प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है. बीएलओ को यह साफ निर्देश होना चाहिए कि दस्तावेज मांगना अनिवार्य नहीं है. पर जमीनी स्तर पर बीएलओ दस्तावेज मांग रहे हैं. तीसरी बात यह कि चुनावी प्रक्रिया के अंतिम समय में इतनी जल्दबाजी क्यों हो रही है?

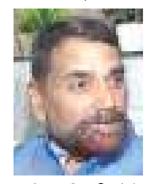

विपक्ष का हमला : माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि यह कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं है. हमें इसकी जानकारी तब मिली, जब बीएलओ घर-घर जाकर दस्तावेज मांगने लगे. आधार, जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का नाम और उनके दस्तावेज भी मांगे जा रहे हैं. पूरे बिहार में इस प्रक्रिया के कारण दहशत का माहौल है.

चुनाव आयोग की सफाई : चुनाव आयोग की तरफ से कहा गया है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसमें किसी को डरने की जरूरत नहीं है. दस्तावेज देना अनिवार्य नहीं है. लेकिन जब आयोग कहता है कि दस्तावेज अनिवार्य नहीं हैं, और बीएलओ दस्तावेज मांग रहे हैं, तो लोगों को भ्रम होता है. इसमें आयोग की जवाबदेही बनती है कि वह अपने कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दे और राज्य सरकार से भी कहे कि बीएलओ की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता हो.

गुरुजी से मिलने अस्पताल पहुंचे गडकरी

सीएम हेमंत सोरेन से ली स्वास्थ्य की जानकारी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संरक्षक शिबू सोरेन इन दिनों अस्वस्थ हैं और उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है. मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अस्पताल पहुंच कर शिबू सोरेन से मुलाकात की और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. नितिन गडकरी ने शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उनके परिवार को ढांढस बंधाया. इस दौरान उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन से भी बातचीत की और परिवार की स्थिति को समझा. उन्होंने काफी देर तक हेमंत सोरेन के साथ गुरुजी के स्वास्थ्य को चर्चा की. गडकरी ने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश की राजनीति के एक मजबूत स्तंभ रहे हैं और उनके बेहतर स्वास्थ्य की सबको चिंता है.

झारखंड की कोल परियोजना का मामला

भ्रष्टाचार में सीसीएल के मैनेजर समेत 4 गिरफ्तार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

झारखंड के हजारीबाग में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के गिद्दी-ए कोलियरी प्रोजेक्ट से जुड़े मैनेजर, दो क्लर्क और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर कोयला उठाने और उसके परिवहन में रिश्वत लेकर फायदा पहुंचाने का आरोप है.

सीबीआई की ओर से इसी साल 6 मार्च को संयुक्त आकस्मिक जांच के बाद यह मामला दर्ज किया गया था. जांच में सामने आया था कि आरोपितों ने निजी लाभ के लिए कई कोयला उठाने वालों को अवैध तरीके से मदद दी. इस मामले में कुछ अज्ञात सरकारी और निजी लोगों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है. गिरफ़्तार किए लोगों में अयोध्या करमाली (मैनेजर), मुकेश कुमार (क्लर्क), प्रकाश महली (क्लर्क) और विजय कुमार सिंह शामिल हैं, चारों आरोपितों को रांची में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा. सीबीआई की तरफ से बताया गया है कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही है.

निमिषा को राहत, टल गई सजा-ए-मौत सजा

नयी दिल्ली। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बड़ी राहत मिली है. भारत सरकार के प्रयासों के चलते फिलहाल स्थानीय प्रशासन ने उनकी सजा को टाल दिया है. निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया है कि वे मृतक तलाल अबदो मेहदी के परिवार से डील कर सकें. उन्हें ब्लड मनी लेने के लिए राजी कर सकें ताकि निमिषा प्रिया की सजा माफ हो जाए. मंगलवार सुबह 10:30 बजे मीटिंग थी, जिसके बाद यह फैसला हुआ है. इस मीटिंग में केरल के एक मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दोस्त शेख हबीब उमर भी मौजूद थे. अब तक यमन की अदालत पर तय था कि निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जाएगी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है.

झारखंड में चतुर्थ वर्गीय पदों की नियुक्ति पर लगी रोक

- बिहार की नियुक्ति नियमावली पर चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति की जा रही थी. बिहार की नियुक्ति नियमावली 1975 की बनी हुई है, जिसमें 1980 में आंशिक संशोधन किया गया था.

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने पूरे राज्य में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति पर रोक लगा दी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग इससे संबंधित आदेश जारी करने जा रहा है. फिर राज्य के सभी 24 जिलों को इस आदेश से अवगत कराया जाएगा. पलामू में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति को लेकर उठे विवाद के बाद राज्य सरकार ने यह फैसला किया है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार 11 जुलाई को कैबिनेट की बैठक में पलामू में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति संबंधी विवाद पर लंबी चर्चा हुई. उसमें विचार-विमर्श के बाद चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति के लिए नयी नियमावली का गठन होने तक पूरे राज्य में नियुक्ति पर रोक लगाने का फैसला किया गया. कैबिनेट की बैठक में अन्यान्य में लिए गए फैसले से अब कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को अवगत करा दिया गया है.

जानकारी के अनुसार झारखंड अलग राज्य बनने के बाद से यहां बिहार की नियुक्ति नियमावली पर चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति की जा रही थी. बिहार की नियुक्ति नियमावली 1975 की बनी हुई है, जिसमें 1980 में आंशिक संशोधन किया गया था. उसी संशोधित नियुक्ति नियमावली के आधार पर झारखंड में भी नियुक्ति की जा रही थी. पलामू में भी चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया उसी नियमावली के तहत जारी थी. नियमावली में मैट्रिक परीक्षा में अभ्यर्थी को आए अंक के आधार पर मेरिट लिस्ट बनाने का प्रावधान था. लेकिन कैबिनेट की बैठक में बिहार की नियुक्ति नियमावली को झारखंड के अनुरूप नहीं मानते हुए नये सिरे से नियुक्ति नियमावली बनाने का फैसला किया गया और नियमावली बनने तक नियुक्ति पर पूरी तरह रोक लगाने का सरकार ने आदेश दिया है.

नयी नियुक्ति नियमावली में कई तरह के प्रावधान होंगे

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को दिए गए निर्देश में अन्य राज्यों की चतुर्थ वर्गीय पदों पर होनेवाली नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी लेने और उसके बाद झारखंड के अनुरूप नियुक्ति नियमावली बनाने का आदेश दिया गया है. नयी नियुक्ति नियमावली में अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट की जगह लिखित और शारीरिक परीक्षा के प्रावधान किए जा सकते हैं. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अब नयी नियुक्ति नियमावली का क्या स्वरूप होगा, यह बनने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा. इसके बाद ही नई नियुक्तियां की जाएंगी.

दिल का रोग : अध्ययन में हृदय रोगों के ‘हिडेन रिस्क’ का खुलासा

डायबिटीज से पीड़ित महिलाएं हो जाएं सावधान

शुभम संदेश डेस्क

हृदय रोगों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. यहां तक कि हाल के वर्षों में 20 से कम उम्र के लोगों में न सिर्फ हार्ट अटैक बल्कि इससे मौत के मामले भी बढ़े हैं. इन जोखिमों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सावधान रहने की सलाह देते हैं. लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी हृदय रोगों का प्रमुख कारण है. इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी स्थितियां भी आपमें हृदय संबंधित समस्याओं के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं. अध्ययनकर्ता बताते हैं, जिन लोगों को पहले से डायबिटीज की समस्या रही है उन्हें हृदय स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहना चाहिए. एक हालिया शोध की रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं में हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा पुरुषों की तुलना में अधिक होता है, ऐसी महिलाओं को विशेष सावधान रहना चाहिए.

डायबिटीज और हृदय रोगों का कनेक्शन

डॉक्टर बताते हैं, डायबिटीज केवल ब्लड शुगर बढ़ने से जुड़ी बीमारी नहीं है, बल्कि ये पूरे शरीर को प्रभावित करती है, खासकर दिल को. कई शोध बताते हैं कि डायबिटीज से ग्रसित लोगों में दिल की बीमारियों का खतरा सामान्य लोगों के मुकाबले 2 से 4 गुना ज्यादा होता है. ये सिर्फ हार्ट अटैक या स्ट्रोक तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और रक्त नलिकाओं से जुड़ी समस्याएं भी इसमें शामिल हैं. पर सवाल है, ऐसा क्यों होता है? इसका जवाब छिपा है हमारे शरीर के अंदर चल रही सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में.

- असल में जब शरीर में शुगर ज्यादा समय तक बढ़ा रहता है, तो ये रक्त धमनियों की दीवारों को नुकसान पहुंचाने लगता है. इससे धमनियां सख्त और संकरी हो जाती हैं, जो दिल तक ऑक्सीजन की सप्लाई को रोकती हैं.
- इसके अलावा टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है. इससे धमनियों में प्लाक जमने लगता है, जो हार्ट अटैक कारण बन सकता है.

क्या कहते हैं अध्ययनकर्ता : अध्ययनकर्ता बताते हैं, रिपोर्ट से स्पष्ट होता है हृदय संबंधी जोखिमों के आकलन के तरीके पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता निष्कर्षों के भविष्य की रोकथाम रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं.

सुप्रीम कोर्ट का नियामक को निर्देश

पैकेटबंद खाने पर पोषण लेबल कीजिए अनिवार्य

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को पैक्ड खाद्य पदार्थों पर फ्रंट-ऑफ-पैक न्यूट्रिशन लेबल लागू करने का निर्देश दिया है. शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा, जो संसद की अधीनस्थ विधायी समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने जानकारी एक्स पर साझा की. एफएसएसएआई स्वायत्त निकाय है, जो भारत में खाद्य सुरक्षा और मानकों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह सुनिश्चित करता है कि देश में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थ सुरक्षित और स्वस्थ हैं. फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबल, खाद्य पदार्थों के पैकेज के सामने की तरफ दी गई जानकारी है, जो यह समझने में मदद करती है कि कोई उत्पाद कितना स्वस्थ है. यह जानकारी सरल, संक्षिप्त और ग्राफिक प्रारूप में प्रस्तुत की जाती है.

भारतीय सेना पर टिप्पणी का मामला

लखनऊ कोर्ट में राहुल ने किया सरेंडर, मिली बेल

एजेंसियां। लखनऊ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई. कोर्ट में सरेंडर करने के बाद कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत लिया. इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हुई. सुनवाई के बाद 20-20 हजार की दो मुचलकों पर उन्हें बेल दे दी गई. यह केस भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में केस चल रहा है. विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल को आरोपी के रूप में तलब किया. कांग्रेस नेता ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली. बता दें कि यह मानहानि की शिकायत बीआरओ के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दायर की थी. शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी. यह टिप्पणी 9 दिसंबर को भारत-चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी. राहुल गांधी ने बार-बार जोर देकर कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा.

मारवाड़ी कॉलेज, रांची में पांचवें ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन

जीवन में सिर्फ डिग्री नहीं, दिशा और दृष्टि भी जरूरी होती है : राज्यपाल

शुभम संदेश। रांची

मारवाड़ी कॉलेज, रांची में मंगलवार को आयोजित पांचवें ग्रेजुएशन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, विनम्रता और सेवा भावना के साथ आगे बढ़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि जीवन में सिर्फ डिग्री नहीं, दिशा और दृष्टि भी ज़रूरी होती है. राज्यपाल ने समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई

देते हुए कहा कि डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि यह परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है और जीवन के नए अध्याय की शुरुआत है. उन्होंने कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है. इसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे ज्ञान को केवल नौकरी पाने का जरिया न मानें, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनाएं.

राज्यपाल ने यह भी बताया कि वे राज्य के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं.उन्होंने यह भी साझा किया कि पिछले एक साल में उन्होंने कई दीक्षांत समारोहों में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया है. उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की प्रतिभा की सराहना की. राज्यपाल ने बेटियों की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए कहा कि बेटियां गोल्ड मेडल जीतने में आगे हैं, जो नए भारत की तस्वीर दिखाता है. समारोह में रांची विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार और अन्य शिक्षक एवं गणमान्य लोग मौजूद थे.

समारोह में कुल 128 गोल्ड मेडल दिए गए और लगभग 11,000 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं. डिग्री प्राप्त करनेवालों में स्नातक सत्र 2016-19, 2017-20, 2018-21 और स्नातकोत्तर सत्र 2017-19, 2018-20, 2019-21 के छात्र शामिल थे.

एक नजर

इंद्रजीत महथा को रांची रेंज के डीआईजी का अतिरिक्त प्रभार लंबित मामलों के समाधान के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई

रांची। झारखंड कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी इंद्रजीत महथा को रांची रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. इस आशय का एक आधिकारिक आदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देश के बाद डीआईजी (कार्मिक) द्वारा जारी किया गया. वर्तमान में इंद्रजीत महथा झारखंड जगुआर में डीआईजी के पद पर कार्यरत हैं. उन्हें यह अतिरिक्त जिम्मेदारी रांची रेंज में डीआईजी का पद रिक्त होने और इससे संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक मामलों के लंबित रहने के कारण सौंपी गयी है. इन लंबित मामलों में पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की प्रोन्नति, एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन (एसीपी), मॉडिफायड एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन (एमएसीपी) तथा अन्य प्रशासनिक निर्णय शामिल हैं, जो समय पर निपट नहीं पा रहे थे. जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जब तक रांची रेंज में डीआईजी के पद पर नियमित नियुक्ति नहीं होती, तब तक इंद्रजीत महथा इस पद की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे. यह कदम रांची रेंज के अंतर्गत आने वाले जिलों में पुलिस व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के उद्देश्य से उठाया गया है.

झारखंड के 19 प्रशासनिक अफसर बनेंगे आईएएस, केंद्र ने मांगी नामों की सूची

रांची। झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में प्रोन्नति मिलेगी. इस संबंध में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से पात्र अधिकारियों की सूची भेजने को कहा है. भारत सरकार के अवर सचिव संजय कुमार चौरसिया ने राज्य की मुख्य सचिव को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है. प्रोन्नति एक जनवरी 2014 से दिसंबर 2024 के बीच रिक्त हुए पदों के विरुद्ध की जाएगी. इन 19 रिक्त पदों के लिए राज्य सरकार 57 अधिकारियों के नाम भेजेगी, क्योंकि एक पद के लिए तीन नामों का पैनल भेजने का प्रावधान है. राज्य सरकार ने विभागों से सूची मंगवाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. हाल ही में ओडिशा से 15, राजस्थान से 16 और गुजरात से 15 अधिकारियों को आईएएस कैडर में प्रोन्नत किया गया है. अब झारखंड से नामों की प्रतीक्षा की जा रही है.

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को मिले भारत रत्न सम्मान : अजय

रांची। अंतरिक्ष में 18 दिन के ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन को सफलतापूर्वक पूर्ण कर पृथ्वी पर लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है. एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि शुभांशु शुक्ला ने भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है. यह मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को सर्वोच्च सम्मान देकर देश की नई पीढ़ी को विज्ञान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा सकता है. संघ ने शुभांशु को भारत का गौरव और युवाओं की प्रेरणा बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

राज्य सरकार पर बरसे भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव

विकास कार्यों में लापरवाही और सनातन विरोध का लगाया आरोप

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव द्वारा मंगलवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला और विभिन्न विभागों में जारी अव्यवस्था, खाली पदों और विकास कार्यों की सुस्ती को लेकर सरकार को घेरा. प्रतुल शाहदेव ने कहा कि हेमंत सरकार लगभग 6 साल पूरे करने जा रही है, लेकिन राज्य में विकास कार्यों की हालत बदतर है. पथ निर्माण विभाग में अभियंता प्रमुख का पद लंबे समय से खाली पड़ा है, जिससे कई योजनाएं बाधित हैं. जल संसाधन विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग में भी पिछले 4 वर्षों से पद रिक्त है. यही हाल भवन निर्माण विभाग का भी है, जहां कई प्रमुख पद खाली हैं.

हेमंत सरकार को तमाशा देखने वाली सरकार कहा: उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज स्थिति यह हो गई है कि चूहे शराब पी जा रहे हैं और सरकार तमाशा देख रही है. उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 5 करोड़ से अधिक की लागत वाले कई

टेंडर आज तक डिस्पोजल नहीं हो सके हैं, जिससे सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठते हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि धर्म निभाना अच्छी बात है, लेकिन इसके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी होनी चाहिए. प्रवक्ता ने सरकार पर सनातन विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि जमशेदपुर के दालमा पहाड़ स्थित शिव मंदिर में जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं से 5 रुपये टैक्स वसूलना पूरी तरह आस्था का अपमान है. प्रेस वार्ता के अंत में प्रतुल शाहदेव ने मांग की कि सरकार तत्काल रिक्त पदों को भरे, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाए और जनता की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करे.

झारखंड में शराब कारोबार में बड़ा बदलाव!

1 सितंबर से नई नीति लागू होगी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य में शराब कारोबार को लेकर बड़ा फैसला लिया है. 1 सितंबर 2025 से झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू हो जाएगी, जिसके तहत अब खुदरा शराब दुकानों का संचालन निजी हाथों में सौंपा जाएगा. इसके लिए उत्पाद विभाग ने शराब दुकानों की बंदोबस्ती की प्रक्रिया की समय-सीमा तय कर दी है.

28 अगस्त तक सभी दुकानों को जेएसबीसीएल वॉलेट से जोड़ा जाएगा : 28 अगस्त तक झारखंड स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) द्वारा खुदरा दुकानों के लाइसेंस को जेएसबीसीएल वॉलेट से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसके बाद 1 सितंबर तक राज्य की सभी शराब दुकानें कार्यशील कर दी जाएंगी.

सभी जिलों में खुलेंगे जेएसबीसीएल गोदाम : नई नीति लागू होने से पहले, सभी जिलों में जेएसबीसीएल के गोदाम खोले जाएंगे और कर्मियों की पदस्थापन प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

30 जून के बाद खत्म हुआ प्लेसमेंट एजेंसी का कार्यकाल : ज्ञात हो कि झारखंड सरकार ने मई में नई उत्पाद नीति को कैबिनेट की मंजूरी दी थी. 30 जून तक प्लेसमेंट एजेंसियों को खुदरा बिक्री का कार्यकाल दिया गया था, लेकिन अब सभी पुराने आदेश निरस्त कर दिए जाएंगे. जब तक नई नीति पूरी तरह लागू नहीं होती, जेएसबीसीएल ही अस्थायी तौर पर खुदरा शराब दुकानों का संचालन करेगा.

ऑनलाइन लॉटरी 26 जुलाई से 8 अगस्त तक

राज्य में खुदरा शराब दुकानों के आवंटन के लिए 26 जुलाई से 8 अगस्त तक ऑनलाइन लॉटरी आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. ई-लॉटरी का परिणाम 12 अगस्त को घोषित किया जाएगा. इसके बाद सफल आवेदकों को 20 अगस्त तक लाइसेंस जारी कर दिए जाएंगे.

श्रावणी मेले के लिए चार सहायक नगर आयुक्तों की प्रतिनियुक्ति

रांची। राजकीय श्रावणी मेले के सफल आयोजन और नागरिक मूलभूत सुविधाओं को बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर विकास विभाग ने चार सहायक नगर आयुक्तों की प्रतिनियुक्ति की है. इसकी अधिसूचना विभाग के उप सचिव राजकुमार ने मंगलवार को जारी की है. अधिसूचना के अनुसार रांची नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त सूरज प्रकाश चौधरी, चन्द्रदीप कुमार, धनबाद नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त मोटाय बानरा और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र के सहायक नगर आयुक्त अरविन्द तिर्की को देवघर श्रावणी मेले के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है. ये सभी अधिकारी तत्काल प्रभाव से देवघर नगर निगम में अपना योगदान समर्पित करेंगे. जिन अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है उनसे सम्बंधित नगर निकायों के प्रमुखों को अविलम्ब विरमित करने का निर्देश दिया गया है. प्रतिनियुक्त अधिकारियों के आवास की व्यवस्था देवघर नगर निगम की ओर से की जाएगी. यह आदेश श्रावणी मेले के अंत तक प्रभावी रहेगा.

निराश्रित के आधार-पहचान में मदद करेगा डालसा : कपिलदेव

शुभम संदेश। रांची

झालसा के निर्देश पर और डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देख-रेख में लांदुपडीह पंचायत भवन, ओरेदारू सोनाहातू में दिव्यांगों के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया. इस अवसर पर डालसा टीम के सदस्यों में पीएलवी रामेश्वर चौधरी, कपिलदेव प्रसाद, रूप नारायण मुंडा, भोलानाथ महतो, आशिकराज महतो, कुमारी इंदूबाला, आरती कमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम में कपिलदेव प्रसाद ने दिव्यांगों के अधिकारों के बारे में संवैधानिक प्रावधान पर फोकस किया. उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को एक ऐसी शक्ति ईश्वर ने दी है, जो किसी सामान्य बच्चों को नहीं प्राप्त है. दिव्यांग बच्चे कभी अपने आप को असहाय, असहज महसूस न या हिन भावना से ग्रसित न समझें, क्योंकि वे भी समाज के एक हिस्सा हैं. रामेश्वर प्रसाद ने कहा कि दिव्यांगजनों को किसी भी सहायता की आवश्यकता है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार में अपना आवेदन पीएलवी के माध्यम से दे सकते हैं. उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें मदद पहुंचाना ही डालसा का उद्देश्य है.

दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम की दी जानकारी : भोलानाथ महतो और आशिकराज महतो ने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम-2016 के बारे में दिव्यांगों को बताया. उन्होंने कहा संविधान के आर्टिकल-21 ए में शिक्षा का अधिकार दिया हुआ है, चाहे समाज के किसी भी तबके के किसी भी तरह के लोग हो उनको निशुल्क शिक्षा मिलनी ही चाहिए.

रांची के सिल्ली स्टेशन पर खड़गपुर-रांची ट्रेन में चढ़ा लंगूर

विंडो सीट पर बैठकर आम यात्रियों के साथ शांतिपूर्वक यात्रा की

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में एक अनोखा और मजेदार नजारा देखने को मिला, जब इंसानों की तरह एक लंगूर लोकल ट्रेन में सफर करता नजर आया. यह घटना सिल्ली रेलवे स्टेशन की है, जहां से एक लंगूर खड़गपुर-रांची लोकल ट्रेन में चढ़ गया और बाकायदा विंडो सीट पर बैठकर आम यात्रियों के साथ शांतिपूर्वक यात्रा की. मजेदार बात यह रही कि लंगूर ने न तो किसी यात्री को नुकसान पहुंचाया

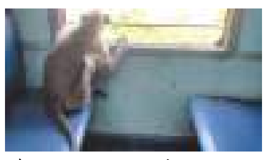

और न ही किसी को डराया. वह शांतिपूर्वक विंडो सीट पर बैठा रहा, जैसे कि कोई रोजाना सफर करने वाला यात्री हो. यात्रियों के अनुसार, लंगूर ने ट्रेन में चढ़ने के बाद खिड़की वाली सीट चुनी और पूरा सफर उसी पर बैठ कर किया. ट्रेन जैसे ही रांची स्टेशन पहुंची, लंगूर ने बिना किसी अफरा-तफरी के ट्रेन से उतर कर वहां से रुखसत ले लिया. इस पूरे घटनाक्रम ने यात्रियों को चौंका तो जरूर दिया, लेकिन साथ ही सबके चेहरों पर मुस्कान भी बिखेर दी. ट्रेन में सफर कर रहे कई यात्रियों ने लंगूर के इस अंदाज को मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. इस घटना के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग दिलचस्प और मजेदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

सहायक आचार्य नियुक्ति में नॉर्मलाइजेशन पर हाईकोर्ट सख्त

याचिकाकर्ताओं से 17 जुलाई तक मांगा पूरा विवरण

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन फार्मूला लागू करने के खिलाफ दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई. जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने पाया कि कुल 103 याचिकाकर्ताओं में से केवल दो का ही पूरा विवरण याचिका में दर्ज है. इस पर अदालत ने सभी याचिकाकर्ताओं को 17 जुलाई तक अपना विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया है. यह याचिका गिरिधर राउत, रश्मि कुमारी समेत 101 अन्य की ओर से दाखिल की गई है, जिसमें कहा गया है कि जेएसएससी द्वारा अपनाया गया नॉर्मलाइजेशन फार्मूला गलत और नियमों के विरुद्ध है, इसलिए परीक्षा परिणाम रद्द कर नए सिरे से जारी किए जाएं.

वहीं, जेपीएससी के अधिवक्ता ने दलील दी कि जब तक सभी याचिकाकर्ताओं का विवरण उपलब्ध नहीं होता, तब तक इस पर सुनवाई नहीं होनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्मलाइजेशन की जानकारी पहले ही विज्ञापन में दी गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी करने का आदेश दिया है, ऐसे में प्रक्रिया पर रोक लगाना अदालत की अवमानना के दायरे में आएगा.

विकास विरोधी मानसिकता वाली भाजपा दे रही है झूठे बयान : विनोद कुमार पांडेय

हेमंत सरकार के कार्यकाल में झारखंड ने विकास की नई ऊंचाइयां छूईं, भाजपा सिर्फ जनता को गुमराह कर रही है

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा के आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और नकारात्मकता की राजनीति कर रही है. पांडेय ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं और भाजपा के नेताओं को यह पच नहीं रहा. रांची में हाल में तैयार हुए एलिवेटेड कॉरिडोर पर सरपट दौड़ते वाहन भाजपा को खूब दिख रहे होंगे. हेमंत सरकार विकास के प्रति गंभीर है और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है. ये सब भाजपा को न तो पचेगा और न ही भाजपा इतने बड़े फलक पर कभी काम कर पाएगी. वैसे भी भाजपा को जातीय भेदभाव की राजनीति करने में महारत हासिल है, लेकिन भाजपा का ये गंदा खेल को भी झारखंड की जनता ने पूरी तरह विफल कर दिया है.

पांडेय ने कहा कि यह वही भाजपा है, जिसके शासनकाल में झारखंड की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई थीं और सिंचाई परियोजनाएं सिर्फ फाइलों में चलती थीं. हेमंत सरकार ने लंबित परियोजनाओं को गति दी है, सड़कें चौड़ी हो रही हैं, पुल-पुलियों का निर्माण तेजी से हो रहा है और गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंच रही है. जहां तक अभियंताओं की नियुक्तियों का सवाल है, सारी प्रक्रिया चल रही है. भाजपा जानबूझकर तथ्य छिपा रही है.

भाजपा का सवाल हास्यप्रद : दलमा में सावन महीने के दौरान लगाए गए शुल्क पर भी विनोद पांडेय ने भाजपा को आड़े हाथों लिया. कहा कि भाजपा जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है. हेमंत सरकार आस्था का सम्मान करती है और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दलमा क्षेत्र में रास्तों का विकास, पानी और स्वास्थ्य की व्यवस्था कर रही है.पांडेय ने कहा कि भाजपा के पास झारखंड में कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे विकास के कार्यों पर सवाल उठाकर और सनातन धर्म के नाम पर राजनीति कर जनता को गुमराह करना चाहते हैं.

हेमंत सरकार विकास और न्याय के रास्ते पर है. भाजपा पर व्यंग्य करते हुए कहा कि कफन और पूजा सामग्री पर टैक्स लगाने वाले और जनता से तरह - तरह के कर वसूलने वाले लोग किस मुंह से सवाल कर रहे हैं, ये हास्यास्प्रद है. भाजपा को याद रखना चाहिए कि जनता ने 2019 में उनके झूठ और अहंकार को नकार दिया था. अब वे फिर वही पुरानी रणनीति अपना रहे हैं, लेकिन झारखंड की जनता जागरूक है और इस बार भी उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी.

दिल्ली में हुई बैठक में बोले राहुल गांधी-मंत्री खुद को स्पेशल न समझें

शुभम संदेश। रांची/नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में सोमवार को झारखंड के कांग्रेस मंत्रियों, विधायकों और सांसदों की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ एक अहम बैठक हुई. झारखंड सरकार में शामिल सभी कांग्रेस मंत्री और विधायक इस बैठक में मौजूद रहे, जिसमें राज्य के हालात, विभागीय कार्यों और पार्टी-संगठन की स्थिति पर खुलकर चर्चा की गई.

बैठक में राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर कहा— आप विधायक से मंत्री बने हैं, इसलिए खुद को स्पेशल न समझें. उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे व्यक्तिगत महत्व से ऊपर उठकर संगठित रूप में काम करें और जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें. उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड

सरकार में कांग्रेस की भूमिका महत्वपूर्ण है और इसे जनसेवा से साबित किया जाना चाहिए.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विशेष रूप से स्वास्थ्य और कृषि विभाग का उल्लेख करते हुए कहा कि ये मंत्रालय सीधे लोगों से जुड़े हैं, इसलिए इन क्षेत्रों में काम की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने की जरूरत है. उन्होंने सभी मंत्रियों से कहा कि वे सरकार की नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने में सक्रिय रहें. बैठक के बाद मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि सभी मंत्रियों ने अपने विभागों के कार्यों की जानकारी साझा की और यह बताया कि राज्य सरकार जनता से जुड़े मुद्दों को कैसे प्राथमिकता दे रही है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने इस कार्यशैली की सराहना की और सभी को आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ काम करने का संदेश दिया.

इस बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बैठक के बाद कहा— बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की उपस्थिति में हुई. यह बैठक झारखंड की परिस्थितियों और पार्टी की भूमिका को लेकर थी, जिसमें सभी ने अपने विचार साझा किए. बैठक को संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है, जो आनेवाले समय में झारखंड कांग्रेस की कार्यक्षमता को और धार दे सकती है.

उपलब्धि अब आपके राज्य में शुरू हुआ नए तरह का इलाज

रिम्स में डेंटल ऑपरेशन थिएटर और 24 घंटे सेंट्रल लैब शुरू

शुभम संदेश। रांची

राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) ने मरीजों के हित में दो नई स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ की हैं. पहली सेवा के अंतर्गत डेंटल कॉलेज में ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सुविधा शुरू की गई है, जिससे अब दांत संबंधी जटिल सर्जरियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकेगा. इस नई सुविधा के साथ 22 बेड का वार्ड भी शुरू किया गया है और जल्द ही 3 बेड के आईसीयू की भी शुरुआत की जाएगी. दूसरी बड़ी पहल के रूप में सेंट्रल लैब को अब 24 घंटे शुरू कर दिया गया है. इससे मरीजों को अब सभी प्रकार की जांच सुविधाएं दिन-रात उपलब्ध रहेंगी. लैब के संचालन को

और अधिक सुविधाजनक बनाने हेतु इंडोर मरीजों के लिए 4 काउंटर तथा आउटडोर मरीजों के लिए 6 काउंटर स्थापित किए गए हैं. मरीज अब एक ही स्थान पर सैंपल जमा करने से लेकर रिपोर्ट प्राप्त करने तक की सभी सेवाएं पा सकेंगे, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा.

रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राजकुमार ने बताया कि, इस व्यवस्था से मरीजों को दलालों से भी राहत मिलेगी, क्योंकि अब जांच कराने की जिम्मेदारी संबंधित डॉक्टरों पर होगी। यह पहल पारदर्शिता और मरीजों की सुविधा दोनों को बढ़ावा देगी. अभी मरीज हित में सेवाएं शुरू कर दी गई हैं लेकिन दोनों स्थानों का विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व अपर मुख्य सचिव का समय मिलने पर करवाया जाएगा. मौके पर डीन डॉ शशिबाला सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ हिरेंद्र बिरुआ, डीन छात्र कल्याण डॉ शिवप्रिय, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, उपाधीक्षक डॉ राजीव रंजन व डॉ अजय कुमार, जीन एवं जीनोमिक्स विभागाध्यक्ष डॉ अनूपा प्रसाद, सेंट्रल लैब इंचार्ज डॉ अमित कुमार, डेंटल कॉलेज प्राचार्य डॉ जयप्रकाश एम बी, सब डीन डॉ प्रशांत गुप्ता, ओरल और मैक्सिकोफेशल सर्जरी विभाग से डॉ वी के प्रजापति, डॉ अजय शाही, डॉ ओम प्रकाश, पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालक अभियंता श्री दीपक महतो, कनीय अभियंता कृष्ण मुरारी तथा अन्य चिकित्सक और पदाधिकारी मौजूद थे.

रांची-भागलपुर-रांची श्रावणी मेला के मार्ग समयसारणी और परिचालन दिवस में परिवर्तन

शुभम संदेश। रांची

श्रावणी मेला के अवसर पर चलने वाली ट्रेन संख्या 08610/08609 रांची - भागलपुर - रांची श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन के मार्ग, समयसारणी, परिचालन दिवस एवं भागलपुर -रांची श्रावणी मेला स्पेशल के ट्रेन संख्या में परिवर्तन किया गया है, अब ये ट्रेनें नई समयसारणी के अनुसार परिचालित होंगी. ट्रेन संख्या 08610 रांची – भागलपुर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन 11 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को रांची से प्रस्थान करेगी व मूरी, धनबाद, जसीडीह, किउल, सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर जाएगी. यह स्पेशल ट्रेन कुल 10 ट्रिप चलेगी. ट्रेन का रांची प्रस्थान 23:00 बजे, मुरी आगमन 00:05 बजे व प्रस्थान

00:07 बजे, बोकारो स्टील सिटी आगमन 01:15 बजे व प्रस्थान 01:20 बजे, धनबाद आगमन 04:05 बजे व प्रस्थान 04:15 बजे, जसीडीह आगमन 07:20 बजे प्रस्थान 07:30 बजे, किउल आगमन 09:55 बजे प्रस्थान 10:20 बजे, सुल्तानगंज आगमन 11:57 बजे प्रस्थान 12:02 बजे एवं भागलपुर आगमन 13:00 बजे होगा. इन ट्रेनों में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 03 कोच एवं द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 09 कोच, कुल 14 कोच होंगे.

ट्रेन संख्या 08689 भागलपुर -रांची श्रावणी मेला स्पेशल 12 अगस्त तक प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को भागलपुर से प्रस्थान करेगी व देवघर, जसीडीह, किउल, कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना मूरी होते हुए रांची आएगी.यह ट्रेन भी कुल 10 ट्रिप करेगी. ट्रेन का भागलपुर से प्रस्थान 13:50 बजे, देवघर आगमन 16:20 बजे व प्रस्थान 16:25 बजे,जसीडीह आगमन 16:35 बजे प्रस्थान 16:45 बजे, किउल आगमन 19:20 बजे व प्रस्थान 19:25 बजे, कोडरमा आगमन 23:20 बजे व प्रस्थान 23:25 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 00:40 बजे व प्रस्थान 00:42 बजे, बरकाकाना आगमन 02:15 बजे व प्रस्थान 02:25 बजे और मूरी आगमन 03:58 बजे प्रस्थान 04:00 बजे एवं रांची आगमन 05:45 बजे होगा.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, बुधवार 16 जुलाई 2025, श्रावण कृष्ण 06, संवत 2082

पेज 07

राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान का दावा , नमक की वजह से भारत में तेजी से फैल रही हैं कई जानलेवा बीमारियां

साइलेंट किलर बना नमक : कम सोडियम युक्त नमक बचाएगी जान

एजेंसी। नई दिल्ली

नमक हमारे खाने का जरूरी हिस्सा है. इसके बिना खाना फीका लगता है. लेकिन अगर नमक जरूरत से ज्यादा खाया जाए, तो ये टेस्ट धीरे-धीरे बीमारी का कारण भी बन सकता है. अगर हम जरूरत से ज्यादा नमक खाएं तो यही नमक धीरे-धीरे हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. आजकल लोग चिप्स, नमकीन, पैकेट वाला खाना और प्रोसेस्ड फूड बहुत खाते हैं. इनमें छुपा हुआ नमक बहुत ज्यादा होता है, जो हमारी सेहत के लिए एक साइलेंट किलर बनता जा रहा है. आईसीएमआर-एनआईई (राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान) के मुताबिक, भारत में लोगों की ज्यादा नमक खाने की आदत अब एक साइलेंट सॉल्ट एपिडेमिक बन गई है. इसके कारण भारत में तेजी से गंभीर बीमारी फैल रही है.चलिए जानते हैं कि नमक कैसे अब साइलेंट किलर बनता जा रहा है और इससे क्या बीमारियां होती हैं.

ये है साइलेंट सॉल्ट एपिडेमिक

आईसीएमआर और एनआईई जैसे वैज्ञानिक संस्थानों ने चेतावनी दी है कि भारत में लोगों को नमक खाने की आदत अब साइलेंट सॉल्ट एपिडेमिक यानी बन चुकी है.

इसका मतलब है कि लोग बिना समझे इतने ज्यादा नमक खा रहे हैं कि यह धीरे-धीरे हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट की बीमारियां और ब्रेन स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का कारण बनता जा रहा है.

एक स्टडी में पता चला कि भारत के ज्यादातर लोग रोजाना जरूरत से ज्यादा नमक खा रहे हैं. डब्ल्यूएचओ कहता है कि एक व्यक्ति को दिन में 5 ग्राम से कम नमक खाना चाहिए. लेकिन ज्यादातर इलाकों में लोग करीब 9 .2 ग्राम नमक रोज खा रहे हैं. वहीं कई गांवों में भी औसतन 5 .6 ग्राम नमक रोज खाया जा रहा है. स्टडी के अनुसार, यह आपकी हेल्थ के लिए सही नहीं माना जाता है और ये एक गंभीर बीमारी का कारण बन जाता है.

ऐसे करें बचाव

वैज्ञानिकों ने लोगों को जागरूक करने, इस खतरे को कम करने के लिए और उनकी आदतें सुधारने के लिए एक खास तरीका बताया है.

इसमें लोगों को लो सोडियम सॉल्ट यानी ऐसा नमक यूज करने की सलाह दी जा रही है, जिसमें सोडियम कम होता है और पोटेशियम या मैग्नीशियम जैसे अच्छे मिनरल्स ज्यादा होते हैं. अगर लोग रोज के खाने में लो सोडियम नमक का यूज करें तो ब्लड प्रेशर को 7/4 mmHg तक कम किया जा सकता है, इससे हार्ट हेल्थ भी बेहतर होती है और हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए यह बहुत फायदेमंद हो सकता है. इसके अलावा आप ज्यादा नमक खाने से होने वाली बीमारियों से बचाव करने के लिए खाने में नमक की मात्रा पर ध्यान दें, लो सोडियम नमक यूज करने की कोशिश करें. साथ ही पैकेट वाले और प्रोसेस्ड खाने से बचें.

ब्रीफ खबरें

देवज्योति हत्याकांड : पुलिस ने करवाया क्राइम सीन

कुल्टी। देवज्योति सिंह हत्या कांड में पकड़े गए मुख्य आरोपी राहुल माझी के पकड़े जाने के बाद कुल्टी थाना के नियामतपुर पुलिस ने आरोपी को लेकर घटना का क्राइम सीन करवाया. देवज्योति सिंह को कैसे रोका, स्कूटी से घटना को अंजाम देकर कैसे फरार हुआ आदि सीन को पुलिस ने समझा. बता दें कि कुल्टी थाने के नियामतपुर पुलिस ने 4 जून को कुल्टी थाने के एतोड़ा रोड पर देवज्योति सिंह (23) नामक युवक का कटा हुआ शव बरामद किया था, इस घटना से सनसनी फैल गई थी.

स्नान घाट निर्माण में अनियमितता का आरोप

कालूबथान। केलियासोल प्रखंड अंतर्गत आंखद्वारा ग्राम पंचायत में दुर्गा बांध तालाब के सीढ़ी/स्नान घाट निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता बरते जाने का मामला सामने आया है. इसको लेकर पंचायत की मुखिया जुनाकी सिंह ने बीडीओ को पत्र लिखकर निर्माण कार्य की जांच कर कार्रवाई की मांग की है. मुखिया ने बताया कि निर्माण कार्य पूर्व विधायक, निरसा विधानसभा क्षेत्र के मद से किया जा रहा है. लेकिन निर्माण कार्य में घटिया सामग्री जैसे बंगाल ईंट और सीमेन्ट ईंट का उपयोग किया जा रहा है तथा बिना ढलाई के जोड़ाई की जा रही है. साथ ही मिट्टी भरकर कार्य को पूरा किया जा रहा है, जिससे घाट के कभी भी धंसने का खतरा बना हुआ है.

कर्माटांड़ में सोती महिला को सांप ने डसा

धनबाद। गिरिडीह जिले के पुखरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्माटांड़ गांव में मंगलवार अहले सुबह एक महिला को सांप ने डस लिया, जिससे उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. पीड़िता शांति देवी अपने मिट्टी के घर में जमीन पर सो रही थीं, तभी करीब सुबह 3 बजे एक जहरीले काले सांप ने उनके घुटने के ऊपर काट लिया. सांप के डसते ही महिला की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उन्हें तुरंत शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल धनबाद लेकर पहुंचे. वहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. महिला के पति संग्राम मुर्मू ने बताया कि पत्नी की हालत नाजुक बनी हुई है.

एक्सक्लूसिव : बाघमारा के दरिदा मौजा में जमीन कब्जा का मामला गरमाया

ढुलू महतो के कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराएं : राजस्व सचिव

विधायक सरयू राय के पत्र पर भूमि सुधार विभाग ने धनबाद उपायुक्त को अतिक्रमण मुक्त कराने का दिया निर्देश

खास बातें

- बाघमारा सीओ की जांच में सिद्ध हो चुका है अतिक्रमण
- 200 एकड़ जमीन पर कब्जे की है ग्रामीणों की शिकायत

अमित सिन्हा

धनबाद। झारखण्ड सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने धनबाद उपायुक्त को बाघमारा अंचल के दरीदा मौजा में सरकारी गैरआबाद जमीन, सर्वसाधारण जमीन, आम रास्ता, आम रैयती जमीन, और सीएनटी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाने और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. यह निर्देश पूर्वी सिंहभूम के विधायक सरयू राय द्वारा 7 जुलाई को लिखे गए पत्र के आधार पर जारी किया गया है. विधायक सरयू राय ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि बाघमारा अंचल के दरीदा मौजा के स्थानीय रैयतों और ग्रामीणों ने उन्हें एक अभ्यावेदन सौंपा था, जिसमें सरकारी और रैयती जमीनों पर अतिक्रमण की शिकायत की गई थी. इस मामले को उन्होंने 25 अप्रैल 2024 को झारखण्ड के राज्यपाल को पत्र के माध्यम से उठाया था. इसके परिणामस्वरूप, राज्यपाल सचिवालय ने 24 मई 2024 को मुख्य सचिव और धनबाद उपायुक्त को जाँच और कार्रवाई का निर्देश दिया था. पत्र के अनुसार, विधायक ने इस मुद्दे को पंचम और षष्ठम झारखण्ड विधान सभा के विभिन्न सत्रों में भी उठाया था. राजस्व विभाग द्वारा गठित जाँच समिति ने अतिक्रमण क्षेत्र की जाँच की, लेकिन जाँच प्रतिवेदन के आधार पर की गई कार्रवाई की स्थिति अभी तक स्पष्ट नहीं है. इसके बाद, विधायक के अनुरोध पर राजस्व विभाग के सचिव ने धनबाद उपायुक्त को यथाशीघ्र जाँच प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई करने और अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराने का निर्देश दिया है.

ग्रामीणों का आरोप, जमीन पर सांसद ढुलू ने किया अवैध कब्जा

बाघमारा अंचल के दरीदा मौजा में सरकारी गैरआबाद, सर्वसाधारण और रैयती जमीन पर कथित तौर पर धनबाद सांसद ढुलू महतो द्वारा अवैध कब्जा किया गया है. इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने 26 जून 2025 को धनबाद उपायुक्त को पत्र लिखकर लगभग 200 एकड़ जमीन पर जबरन घेराबंदी और कब्जे की शिकायत की थी. ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बाघमारा अंचल अधिकारी की जांच में अतिक्रमण सिद्ध होने के बाद 16 दिसंबर 2022 को उपायुक्त को कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन भेजा गया, लेकिन कोई कदम नहीं उठा. अतिक्रमणकारियों ने सरकारी सूचना बोर्ड को भी दो बार उखाड़ फेंका. ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक सरयू राय के हस्तक्षेप और राज्यपाल सचिवालय के 24 मई 2024 के निर्देश के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई. झारखंड विधानसभा में मामला उठने और दोबारा जांच में अतिक्रमण सिद्ध होने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. ग्रामीणों ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और गरीब ग्रामीणों को न्याय दिलाने के लिए उचित कार्रवाई करें.

कई गांवों में घुसा पुनासी डैम का पानी, मची दहशत

- डैम का स्पिलवे टूटने की चर्चा प्रशासन ने संभाला मोर्चा
- कई गांवों का संपर्क टूटा, ग्रामीणों का आवागमन बाधित

शुभम संदेश। देवघर

जसीडीह थाना क्षेत्र स्थित पुनासी डैम का स्पिलवे जल निकासी द्वार टूट जाने से हड़कंप मच गया है. स्पिलवे टूटने के कारण डैम का पानी कई गांवों में प्रवेश कर गया और उन गावों की दिनचर्या प्रभावित हुई है. डैम के आसपास के कई गांवों का सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है. जिससे इन गावों के ग्रामीणों की आवाजाही और दैनिक जीवन पर गंभीर असर पड़ा है. मौके पर जेसीबी मशीनें और कर्मियों की तैनाती की गई है ताकि पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सके और आगे की क्षति से बचा जा सके. जलस्तर के अचानक बढ़ने से पुनासी, छोटकी खड़खाड़, पंडरिया, जमुनियाटांड़, ग्वाल बढ़िया, बाधमारी समेत कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. प्रभावित ग्रामीणों ने बताया कि रात को तेज आवाज सुनकर वे घबराकर घरों से बाहर निकले. देखते ही देखते खेतों और रास्तों में पानी भर गया,जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, काम पर जाने वाले लोगों और बीमार व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी हो रही है. वहीं कई लोगों ने बताया कि डैम का एक हिस्सा जो कच्चा था, वो टूटकर गिरा है और पानी इसी रास्ते से बहकर गांवों में प्रवेश किया है. फिलहाल खबर पाकर प्रशासन सक्रिय हो गया है.

पक्के मकान के लिए शबर जनजाति का परिवार लगाता रहा गुहार

मकान धंसने से तीन की मौत

शुभम संदेश। पुरुलिया

सरकार से पक्के मकान की आस लगाए शबर जनजाति के एक परिवार के लिए सोमवार की रात काल बनकर आया. में पुरुलिया ब्लॉक 1 के भंडार पुयारा-चिपिदा इलाके के क्षेरबोन गाँव में सोमवार की रात सोते समय मिट्टी की दीवार गिरने से शबर जनजाति के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई. जबकि तीन अन्य घायल हो गए. उन्हें देवेन महतो सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार सोमवार को भारी बारिश के बीच रात में घर की कच्ची दीवार सात सदस्यों वाले शबर परिवार पर गिर गई. इनमें मिनती शबर, रिमझिम शबर और गौतम तांती की मौत गई. बताया जा रहा है कि सुबह स्थानीय लोगों ने दबे लोगों को उठाकर चाकलतोड़ प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया. जांच के बाद माणिक शबर (40), दलू शबर (65) और एक सात साल के बच्चे को गंभीर हालत में पुरुलिया देवन महतो मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. जबकि तीन को मृत घोषित कर दिया गया. परिवार का आरोप है कि उन्होंने आवास योजना के लिए कई बार आवेदन किया, लेकिन उन्हें पक्का मकान नहीं मिला. पंचायत ने सिर्फ़ आश्वासन ही दिया है. घटना के बाद प्रशासन भी उदासीन हो गया है.

दिलीप ज्वेलर्स से दो लाख के आभूषण की चोरी

चासनाला (शुभम संदेश)। सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरसा पुल के समीप स्थित भौरा निवासी शंभू कुमार वर्मा की स्वर्णाभूषण दुकान दिलीप ज्वेलर्स में चोरी की घटना सामने आई है. अज्ञात चोरों ने दुकान की छत की अलवेस्टर सीट तोड़कर दुकान में घुसकर लगभग दो लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए. दुकान संचालक शंभू कुमार वर्मा ने बताया कि रविवार की शाम वे रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे. सोमवार को स्वास्थ्य जांच के लिए डॉक्टर के पास जाने के कारण वे दुकान नहीं जा सके. मंगलवार सुबह जब वे दुकान पहुंचे, तो देखा कि छत की अलवेस्टर सीट टूटी हुई थी, दुकान के अंदर बारिश का पानी भरा हुआ था और सामान बिखरे पड़े थे. इसके बाद उन्होंने देखा कि कई कीमती आभूषण गायब हैं, जिनकी कीमत उन्होंने करीब दो लाख रुपये बताई है.

जसीडीह में कांवरियों का वाहन पलटा, दो दर्जन से अधिक घायल

- जसीडीह के रमलडीह की घटना, सभी जख्मी खतरे से बाहर

शुभम संदेश। देवघर

जसीडीह थाना अंतर्गत रमलडीह के पास बाबाधाम से जलाभिषेक कर अपने घर लौट रहे कांवरियों के वाहन पलटने से दो दर्जन से ज्यादा कांवरिए घायल हो गए. सभी घायल कांवरियों की चिकित्सा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह में किया गया. जानकारी के अनुसार देवघर में जलाभिषेक के बाद बासुकीनाथ में पूजा उपरांत पिकअप वैन से कांवरिया वापस लौट रहे थे, इसी क्रम में किसी राहगीर के कहने पर उन्होंने गलत रास्ता पकड़ लिया किंतु जब गलती का एहसास हुआ तो वापस लौटने के लिए वैन को पीछे कर रहे थे, तेज गति के कारण वैन असंतुलित होकर पलट गई. हादसे चपेट में आने से दो दर्जन से ज्यादा कांवरिए घायल हो गए.घायलों में महिला कांवरियों की संख्या ज्यादा है. इनमें हेमंती कुमारी 22 बर्ष,बेबी कुमारी 15 साल, तीस्ता कुमारी 27 बर्ष,सुनीता देवी 40 वर्ष, सुरजी देवी 30 बर्ष,मनीष कुमार 10 बर्ष, सीताराम मुखिया, जागेश्वर मुखिया 50 वर्ष, प्रमिला कुमारी 17 बर्ष, खुशी कुमारी 17 बर्ष,बबलू मुखिया 15 बर्ष सहित अन्य शामिल हैं. सभी घायल रोसड़ा,समस्तीपुर के रहने वाले हैं. घायलों के चिकित्सा कर रहे प्रभारी डॉ विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एंबुलेंस भेजकर त्वरित उन्हें हॉस्पिटल लाया गया. घायलों में कुछ को ज्यादा चोटें आई है किंतु उनकी स्थिति खतरे से बाहर है. घायलों की चिकित्सा में डॉ विश्वनाथ चौधरी के अतिरिक्त अनूप झा, राखी कुमारी,रेखा कुमारी सहित अन्य शामिल थे.

फैक्ट चेक में फर्जी निकला सोशल मीडिया में इन फूड प्रोडक्ट पर जारी चेतावनी का संदेश

समोसा, जलेबी और लड्डू जी भर कर खाएं

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ कार्यस्थलों पर जागरुकता बोर्ड लगाने की सलाह दी

एजेंसी। नई दिल्ली

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया था कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने समोसा, जलेबी और लड्डू जैसे खाद्य उत्पादों पर चेतावनी लेबल जारी करने का निर्देश दिया है. मगर पीआईबी फैक्ट चेक ने इस दावे को फर्जी बताया है. पीआईबी फैक्ट चेक ने कहा कि ये मीडिया रिपोर्ट्स भ्रामक, गलत और निराधार हैं. फैक्ट चेक में बताया गया है कि स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइन में विक्रेताओं को बेचे जाने वाले खाद्य उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाने का निर्देश नहीं दिया गया है. इसमें विभिन्न कार्यस्थलों जैसे लॉबी, कैंटीन, कैफेटेरिया, मीटिंग रूम आदि में बोर्ड लगाने की सलाह दी गई है ताकि विभिन्न खाद्य पदार्थों में मौजूद अतिरिक्त वसा और चीनी के सेवन से होने वाले हानिकारक परिणामों के बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके.

मीडिया रिपोर्ट में किया गया था ये दावा

मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया था कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने समोसा, जलेबी और लड्डू जैसे तले हुए और मीठे व्यंजनों को लेकर एक नई पहल शुरू की है. मंत्रालय ने एआईआईएमएस नागपुर को निर्देश दिए हैं कि वे कैफेटेरिया और समोसे-जलेबी वाली दुकानों के पास चेतावनी बोर्ड लगाएं. बोर्डों पर इन खाद्य पदार्थों में शुगर और फैट की जानकारी होगी, ताकि लोग अपने खानपान के स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति जागरूक हों. रिपोर्ट में आगे बताया गया कि यह कदम बढ़ते मोटापे और इससे जुड़ी बीमारियों, जैसे मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप, को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है. मंत्रालय के अनुसार, 2050 तक भारत में 44 .9 करोड़ लोग मोटापे या अधिक वजन से प्रभावित हो सकते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि ये चेतावनी बोर्ड, सिगरेट की तरह, लोगों को सोच-समझकर खाने के लिए प्रेरित करें. हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया था कि यह खबर फर्जी हो सकती है और मंत्रालय ने ऐसी कोई आधिकारिक एडवाइजरी जारी नहीं की. इसकी पुष्टि के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट या बयान की जांच करना उचित होगा.

कतरी नदी से मिला शव, छाया मातम

कतरास (शुभम संदेश)। रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत कतरी नदी में मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ देखा गया. सबसे पहले नदी किनारे मौजूद कुछ महिलाओं ने शव को देखा, जिसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों को इसकी सूचना दी. देखते ही देखते घटना की खबर इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई और मौके पर भीड़ उमड़ पड़ी. स्थानीय लोगों की सूचना पर रामकनाली ओपी पुलिस मौके पर पहुँची और शव को नदी से बाहर निकालकर पंचनामा किया. इसी दौरान कतरास के टंडा बस्ती निवासी हीरालाल महतो रामकनाली थाना पहुँचे और शव की पहचान अपने 36 वर्षीय भतीजे मधुलाल महतो के रूप में की. हीरालाल महतो ने बताया कि मधुलाल मजदूरी का काम करता था, विवाहित था और उसके तीन बेटियाँ व एक बेटा है.

आईआईटी धनबाद

पेट्रोलियम प्रोडक्शन की चुनौतियों पर प्रशिक्षण

शुभम संदेश। धनबाद

आईआईटी धनबाद के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग में पेट्रोलियम प्रोडक्शन – ऑपरेशनल चुनौतियाँ और उनके समाधान विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है. यह शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम 14 से 19 जुलाई तक चल रहा है, जिसे एमएमटीटीपी के अंतर्गत, यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है. कार्यक्रम का उद्देश्य फैकल्टी सदस्यों और इंडस्ट्री विशेषज्ञों को तेल और गैस उत्पादन में आने वाली नई चुनौतियों और तकनीकों से अवगत कराना है. यह प्रशिक्षण शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को इंडस्ट्री से जोड़ने और शिक्षण गुणवत्ता में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है. प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर चर्चा हो रही है, जैसे – प्रोडक्शन डेटा निगरानी, एआई/एमएल का उपयोग, शेल गैस व इओआर तकनीक, ग्रीन टेक्नोलॉजी, ऑफशोर फैसिलिटीज, गैस हाइड्रेट्स, कोल बेड मीथेन और वेल स्टिमुलेशन तकनीकें. प्रतिभागियों को रिजर्वायर इंजीनियरिंग, फॉर्मेशन डैमेज मैनेजमेंट और बायोमास ऊर्जा उपयोग जैसे मुद्दों पर भी जानकारी दी जा रही है. कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो. अर्चना और को-कोऑर्डिनेटर प्रो. तरुण कुमार नाइया ने आयोजन की रूपरेखा और तकनीकी सत्रों की योजना बनाई.

▼ ब्रीफ खबरें

आरपीएफ ने रामाकुंडा में चलाया जागरुकता अभियान

गोमो। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमो की ओर से मंगलवार को रामाकुंडा ग्राम पंचायत में रेलवे सुरक्षा और जागरूकता अभियान चलाया गया. यह अभियान गोमो और मतारी रेलवे स्टेशन के बीच स्थित रामाकुंडा गांव में आयोजित किया गया, जिसमें पंचायत मुखिया पूर्णिमा देवी के प्रतिनिधि अमृत रजक सहित स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया. अभियान के दौरान आरपीएफ पदाधिकारियों और जवानों ने ग्रामीणों को रेलवे लाइन से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, बिना फाटक या ओवरब्रिज के रेल लाइन पार नहीं करने, साइकिल या मोटरसाइकिल से पटरी पार नहीं करने, और रेल संपत्ति की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए. लोगों को कोयला या लोहा चोरी नहीं करने, रेलवे ट्रैक पर पत्थर नहीं रखने, महिला बोगियों में केवल महिलाएं सफर करें, टिकट लेकर यात्रा करें, और ट्रेनों पर पत्थरबाजी नहीं करने की सलाह दी गई. ग्रामीणों से अपील की कि रेलवे आपकी संपत्ति है, इसे सुरक्षित रखें और खुद भी सुरक्षित रहें. रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर रेलवे एक्ट के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. अभियान में उप निरीक्षक आलोक आनंद, उप निरीक्षक राधा कुमारी, प्रधान आरक्षी जावेद खान समेत अन्य जवान शामिल थे. ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और रेलवे सुरक्षा में सहयोग का आश्वासन दिया.

लेडीडुमर में प्रशिक्षित युवाओं को मिला सम्मान

बरोरा (शुभम संदेश)। लेडीडुमर स्थित पूना महतो सेवा संस्थान में मंगलवार को महेंद्रा स्किल ट्रेनिंग डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड शाखा द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेहराकुदार पंचायत के मुखिया जालिम रजक और निचितपुर पंचायत 1 के मुखिया प्रतिनिधि राम चंद्र दास थे. विशिष्ट अतिथियों में रामबालक सिंह, मनोज सिंह, सुभाष सिंह और कयामुद्दीन अंसारी शामिल हुए. कार्यक्रम में सिलाई, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर, ब्यूटीशियन और एफटीओएचए जैसे कोर्सेज में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए. इसके साथ ही, रोजगार प्राप्त कर चुके एक दर्जन से अधिक युवाओं को भी सम्मानित किया गया. संस्थान द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को भी पुरस्कार दिए गए. वहीं कुछ प्रशिक्षित युवाओं को रेंजर कंपनी द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किए गए.

बीसीसीएल कर्मी को विधायक ने दी श्रद्धांजलि

बरोरा। मुराईडीह निवासी सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी बिक्रम यादव का सोमवार की देर रात निधन हो गया. निधन की खबर पाकर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मृतक के आवास पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना व्यक्त की. कतरास माँ लिलोरी मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार हुआ. मौके पर संजय मुखिया सुरेश साव, नवीन सिंह,राजू मिश्रा ,सुनील यादव, गोपाल यादव, सुनील पांडेय ,गौरव शर्मा, विदेशी कर्मकार, हरिकृष्ण यादव शशि यादव अन्य लोग मौजूद थे.

शहीद लोकन साव का 53वां शहादत दिवस

महुदा। मंगलवार को कैशरगढ़ा कोलियरी कार्यालय चौक स्थित शहीद लोकन साव की शहीद वेदी पर उनका 53वां शहादत दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया. सैकड़ों लोगों ने उनकी शहादत को याद करते हुए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य एवं बीसीकेयू केंद्रीय उपाध्यक्ष हलधर महतो ने कहा कि लोकन साव ने रंगदारी, महाजनी प्रथा, शोषण और अन्याय के खिलाफ एके रॉय के नेतृत्व में 15 जुलाई 1973 को विशाल रैली में भाग लिया था. उस आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी. इसी दौरान, कंपनी के रंगदारों ने उन्हें धोखे से घेरकर बेहरमी से मार डाला. लोकन साव, हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ के निवासी थे, जो केलियरी में नौकरी के लिए आए थे. उन्होंने लाल झंडे के नेतृत्व में चल रहे आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी की और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई. इस अवसर पर उनके पुत्र टेकलाल साव, पोते चंदु साव, कॉमरेड शंकर रजक, सीताराम कर्मकार, धनंजय महतो, सरजू सिंह, महेश महतो, झारखंडी रजक, टेकलाल रजक, किशोर रजक, पुरन महतो, शेख रहीम, तथा झामुमो नेता दयाल महतो सहित कई लोग उपस्थित थे.

चार दिन बाद भी कोयला जब्त हाइवा पर कार्रवाई नहीं

विधायक अरुप व बीजेपी नेता मधुरेन्द्र ने डीसी को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

शुभम संदेश। निरसा

11 जुलाई शनिवार को निरसा थाना द्वारा जब्त चार हाइवा के खिलाफ चार दिन बीत जाने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं होने के विरोध में निरसा विधायक अरुप चटर्जी एवं निरसा बीजेपी नेता व व्यापार मंडल के निदेशक मधुरेंद्र गोस्वामी ने उपयुक्त धनबाद से मिलकर लिखित शिकायत देकर एवं वस्तु स्थिति से अवगत कराया है. पत्रकारों को जानकारी देते हुए विधायक अरुप चटर्जी एवं मधुरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि रैक के माध्यम से कोयले की बड़ी मात्रा की हेरा-फेरी एमपीएल में हुई है. पूर्व में आठ हाईवा एमपीएल में खाली हुई है, चार हाईवा पकड़े जाने के चार दिन बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है. उन्होंने बताया कि मेसस गननायक कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी रांची को बालीडीह रेलवे यार्ड से कोयल एमपीएल पहुंचना था. जबकि उनके द्वारा ऐसा नहीं करके पाथरडीह के एक भट्ठा से मिट्टी पत्थर की आपूर्ति की जा रही थी, यह राष्ट्रीय संपत्ति की लूट है और इस लूट में एमपीएल के अधिकारियों की मिलीभगत है. उन्होंने उपायुक्त से पकड़े गए चार हाईवा पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने, ट्रांसपोर्टिंग कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने एवं इस पूरे मामले की व्यापक जांच के लिए भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय को सूचित करने की लिखित शिकायत की.

मुगमा के भट्ठे से 35 टन कोयला जब्त

निरसा बाजार । मुगमा डॉन बोस्को के बगल में मुंडा धौडा के पास एसीएफ भट्ठे में पिछले तीन महीनों से स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से अवैध कोयले का खेल जारी था. गोपनीय सूचना के आधार पर जिले के वरीय पुलिस अधिकारी ने निरसा पुलिस को अविलंब कार्रवाई का निर्देश दिया. इसके बाद मंगलवार की रात मुगमा में चल रहे कोयले के अवैध कारोबार पर छापेमारी कर लगभग 35 टन पोड़ा लगा कोयला जप्त किया गया. उक्त टीम कोयला खुले आकाश के नीचे पोड़ा कोयला बनाया जा रहा था. सूत्र के अनुसार एक शसक्त संगठन द्वारा अवैध कोयले के धंधे को संचालित किया जा रहा था. स्थानीय लोंगों का कहना है कि स्थानीय पुलिस के संरक्षण में धंधा बेखोफ संचालित था .छापेमारी के बाद पुलिस आगे की करवाई में जुट गई है सूत्र बताते हैं कि भट्ठा का संचालन बिक्की, पिंटू, दिनेश और विश्जीत मिलकर संचालित कर रहे हैं.

अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त

निरसा बाजार। झारखंड सरकार पूरी तरह बालू उठाव व परिचालन एनजीटी के माध्यम से सितंबर माह तक बालू उठाव और परिचालन पर रोक लगाई थी, मगर स्थानीय बालू माफियाओं में भय देखने को नहीं मिल रहा है. निरसा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पंडरा बेजरा में बालू का स्टॉक देख जा सकता है. यहां से 407 गाड़ियों से लगभग 500 गाड़ियां पर अवैध बालू धनबाद भेजा जाता है. वही लगभ 100 से 200 ट्रैक्टर, रात्री में हाईवे पर 100-150 बालू लदे वाहन देखने को मिलते है. पूर्वी टुंडी, गोविंदपुर रोड और निरसा इनके सेफ जोन बने हैं. निरसा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर ट्रैक्टरों और हाईवे के द्वारा अवैध बालू गाड़ी चलते है. निरसा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तेतुलिया से दो अवैध लदे ट्रैक्टर को जप्त कर लिया है. चर्चा है कि इस खेल में निरसा थाना के एक बॉडीगार्ड और बालू तस्कर मिली भगत से यह कार्य का अंजाम दिया जा रहा है.

हिलटॉप आउट सोर्सिंग विवाद में अब जलेश्वर भी कूदे

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश भी पहले से हैं मोर्चाबंदी में

शुभम संदेश। मधुबन

गोविंदपुर एरिया तीन अंतर्गत मधुबन थाना एवं धर्माबांध ओपी सीमा क्षेत्र में प्रस्तावित हिलटॉप आउटसोर्सिंग कम्पनी में रैयतों, ग्रामीणों व विस्थापितों को रोजगार सुनिश्चित करने एव क्षेत्र में पानी बिजली उनका हक दिलाने के लिए सांसद ढुल्लू महतो व चंद्रप्रकाश चौधरी के बाद अब एक तीसरा फ्रंट भी खुलकर अब सामने आ गया है. कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और झारखण्ड के पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, खरखरी निवासी कांग्रेस युवा नेता शेख गुड्डू, शेख डब्लू ,चंडी ग्याली सहित दर्जनों नेता भी मैदान में उतर गए हैं.

मंगलवार को गोविंदपुर एरिया तीन के कार्यालय के समक्ष पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रैयतों ग्रामीण और विस्थापितों को रोजगार मुआवजा तथा कंपनी के द्वारा मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया. जिसमें झारखण्ड के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता जलेश्वर महतो ने साफ शब्दों में बीसीसीएल प्रबंधन से कहा है कि आप लोगों को सबसे पहले यहां के रैयतों ग्रामीणों और विस्थापितों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करनी होगी, तभी कंपनी यहां सुचारू रूप से चल पाएगी. यहां की जमीन हमारी है, जमीनों से निकलने वाला खनिज संपदा पर हमारा खुद का अधिकार होना चाहिए. हम लोग अपनी जमीन बीसीसीएल प्रबंधन को दे दें और फिर रोजगार तलाशने के लिए दूसरे राज्यों में जाकर मार खाएं.

ऐसा अब होने वाला नहीं है उन्होंने महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद पर भी दो टूक कहा कि महाराष्ट्र में लोगों को रोजगार से इसलिए वंचित किया जा रहा है कि सिर्फ इसलिए कि उन्हें मराठी बोलना नहीं आता है. यहां तो हम लोग अपनी रोजी-रोटी की लड़ाई लड़ रहे हैं. बीसीसीएल प्रबंधन ने बिना चरित्र सर्टिफिकेट लिए दागी आदमी को काम करने का ठेका दिया, जिसके कारण इतनी बड़ी घटना घटित हुई.हम लोग अब इस तरह की घटना की पूर्णावृत्ति नहीं चाहते हैं. उन्हीं लोगों को रोजगार दिया जाए जो इसके सच्चे अधिकारी हैं.

माफियाओं से डरने वाले नहीं हैं : शेख गुड्डू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के युवा नेता शेख गुड्डू ने कहा कि कोलांचल की धरती पर शुरू से माफियाओं का राज रहा है परंतु अब यहां उनकी चलने वाली नहीं है. हम लोगों ने हमेशा गरीबों के सहयोग एवं उनके हक अधिकार के लिए लड़ाइयां लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे. बिना नाम लिए उन्होंने इशारों ही इशारों में कहा कि एक परिवार ने बाघमारा को गुलाम बनाने की मंशा पाल रखी है. वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता चंडी ग्याली ने भी कहा कि जमीन के बदले मुआवजा रोजगार तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाया जाए. चंडी ग्याली ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि यदि हमारे द्वारा दिए गए आवेदन पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती है तो हम सभी आंदोलन करने के लिए तैयार हैं. कंपनी को हर हाल में रैयतों को हक अधिकार देने होगा नहीं तो ईंट से ईंट बजा दिया जाएगा. मौके पर कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष बलराम महतो, पूर्व मुखिया जावेद अंसारी, चंडी ग्याली,रोबिन पाल,शेख डब्लु, सन्नी पासवान, शेख अफसार, सुनिल बाउरी, अनील रजवार, निताई सिंह, गोर सिंह आदि सैंकड़ो लोग उपस्थित थे.

नहीं बंद होने देंगे मधुबन कोल वाशरी: शत्रुघ्न महतो

वाशरी चालू रखने के लिए प्रबंधन से विधायक की वार्ता

शुभम संदेश। बरोरा

बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने मधुबन कोल वाशरी के प्रबंधन के साथ संवाद में स्पष्ट किया कि वे किसी भी कीमत पर वाशरी को योजनाबद्ध तरीके से बंद नहीं होने देंगे. उन्होंने कहा कि वाशरी का बंद होना क्षेत्र के श्रमिकों और स्थानीय लोगों के हितों के लिए हानिकारक होगा. विधायक ने प्रबंधन से आग्रह किया कि वाशरी को चालू रखने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं और श्रमिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए. शत्रुघ्न महतो ने संयुक्त मोर्चा की मांगों को नियमित और व्यवस्थित तरीके से प्रबंधन के समक्ष रखा. इन मांगों में स्वतंत्र परियोजना पदाधिकारी की नियुक्ति, बेल्ट रोलर की व्यवस्था, कोयला चोरी पर रोक, मैनपावर की पूर्ति, और सीआईएसएफ जवानों की तैनाती जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि वे श्रमिकों और स्थानीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे. यह मुद्दा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. विधायक के इस रुख से श्रमिकों में उम्मीद जगी है कि मधुबन कोल वाशरी का संचालन जारी रहेगा.

बिजली संकट से परेशान लोगों का पाथरडीह में विरोध प्रदर्शन

- ठीकेदार पर मनमानी का आरोप

शुभम संदेश। चासनाला

पाथरडीह पुराना बस स्टैंड में बिजली नहीं रहने से त्रस्त लोगों ने ठीकेदार पर मनमानी करने का आरोप लगाया. बताते चले कि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा पाथरडीह में पुराने खुले तारों को हटाकर नई केबल लाइन बिछाने का काम ठीका कंपनी के द्वारा हो रहा है. ठीकेदार द्वारा केबल लाइन बिछाने मे मनमाना रवैया अपनाने के विरोध में पाथरडीह के ग्रामीणों ने विरोध जताया. ग्रामीणों के अनुसार ठीकेदार ने पुराना कनेक्शन काटकर नया केबल कनेक्शन जोड़ने की बात कही थी. देर रात में जब बिजली नहीं आयी तो लोगों द्वारा पूछने पर सुबह देखने की बात कही. आरोप है कि इसके बाद ठीकेदार सुबह का शाम और शाम का सुबह करने लगा. बिजली नहीं रहने से परेशानी बढ़ गयी है. बच्चे बूढ़े रोगी सभी ज्यादा परेशान है. लोगों का आरोप है कि ठीकेदार मनमानी पर उतर आया है. अब ठीकेदार कहता है कि हमारा काम सिर्फ केवल बिछाने का था, लाइन किसका आया किसका नहीं, ये नहीं जानते. जिसके घर बिजली नहीं है वे खुद से जोड़वा लो या बिजली विभाग से मिस्त्री से जुड़वाएं. ठीकेदार की हरकत से परेशान ग्रामीण विरोध प्रदर्शन किया. मौके पर दर्जनों की संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल थे.

लापरवाही किसकी? गोशाला अंडरपास बना स्विमिंग पूल

राजगंज-बोकारो फोरलेन स्थित गोशाला अंडरपास में जलजमाव में फंसी गाड़ियाँ

शुभम संदेश। कतरास

मंगलवार को हुई बारिश ने राजगंज-बोकारो फोरलेन स्थित गौशाला अंडरपास की पोल खोल दी. भारी बारिश के कारण अंडरपास में इतना पानी भर गया कि वह स्विमिंग पूल जैसा नजर आने लगा. स्थिति इतनी खराब हो गई कि दर्जनों वाहन बीच रास्ते में फंस गए और राहगीरों को घंटों तक भारी परेशानी झेलनी पड़ी. अंडरपास में जलजमाव से कई कारों के इंजन में पानी घुस गया, जिससे वे बंद हो गईं.

वाहन मालिक अपनी गाड़ियों को धक्का मारकर किसी तरह बाहर निकालते नजर आए. अंडरपास के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया. गंभीर सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बना यह अंडरपास, जो जनता की सुविधा के लिए तैयार किया गया था, वह अब लापरवाही और तकनीकी खामियों के कारण सिरदर्द बन गया है. अंडरपास के दोनों छोर पर जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति दोहराई जाती है. अब सवाल उठता है कि इस समस्या की जवाबदेही किसकी है? क्या यह निर्माण एजेंसी की गलती है, या संबंधित विभागीय अधिकारियों की अनदेखी का नतीजा? जवाब भले ही किसी के पास न हो, लेकिन परेशान जनता अब जवाब और समाधान दोनों चाहती है.

न्यूज अपडेट

महुदा कॉलेज परिसर स्थित छात्रावास कल्याण गुरुकुल को सौंपे जाने के निर्णय से हड़कंप

महुदा (शुभम संदेश)। महुदा इंटर महाविद्यालय परिसर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के लिए निर्मित 100 शैय्या वाले छात्रावास को अब जिला कल्याण विभाग द्वारा प्रज्ञा फाउंडेशन के माध्यम से संचालित कल्याण गुरुकुल को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है. धनबाद उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया. डीसी को दिए रिपोर्ट में बाघमारा बीडीओ ने बताया कि वर्तमान में छात्रावास में सिर्फ 12 छात्र रह रहे हैं. इन छात्रों के लिए तीन कमरे सत्र समाप्ति तक आवंटित किए जाएंगे, जबकि शेष कमरे खाली या बंद हैं. जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि छात्रावास का पूर्ण उपयोग नहीं हो रहा है. इससे पहले भी जिले में मैथन स्थित छात्रावास को आईएसएम धनबाद को सौंपा गया था. झारखंड सरकार के कल्याण विभाग से अनुमति लेकर ही यह प्रक्रिया शुरू की गई है. सभी संबंधित विभागों को पत्र भी भेजा जा चुका है. प्रज्ञा फाउंडेशन द्वारा संचालित कल्याण गुरुकुल अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य करता है. ऐसे में स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं को इसका लाभ मिल सकता है. इस निर्णय से महुदा कॉलेज प्रबंधन में हड़कंप मच गया है. कॉलेज के सचिव, प्राचार्य एवं छात्रावास अधीक्षक इस निर्णय को रोकने के लिए टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो से मिलकर हस्तक्षेप की अपील की है. कॉलेज शासी निकाय के सचिव प्रो. दीपनारायण शर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी.

जय धरती मां फाउंडेशन ने विद्यालयों में किया पौधरोपण

तेतुलमारी (शुभम संदेश)। नेहरू महाविद्यालय तेतुलमारी में मंगलवार को जय धरती मां फाउंडेशन का पौधरोपण अभियान के तहत उत्क्रमित मध्य विद्यालय धारजोरी, नेहरू बालिका उच्च विद्यालय तेतूलमारी, गांधी स्मारक उच्च विद्यालय सिजुआ, पीएम बीटीएम उच्च विद्यालय मालकेरा में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर जय धरती मां फाउंडेशन के संस्थापक रवि कुमार निषाद ,सह संस्थापक रंजीत कुमार, सामुदायिक विकास कार्यक्रम पदाधिकारी शमशेर अली उर्फ राजू, जिला सचिव सहदेव महतो, उत्क्रमित मध्य विद्यालय धारजोरी के प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार बरनवाल, नेहरू बालिका उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य सीमा मिश्रा, गांधी स्मारक उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक शांति भूषण, शिक्षक विनोद कुमार दास एवं पीएम बीटीएम उच्च विद्यालय मलकेरा के प्रधानाध्यापक उत्तम कुमार मंडल आदि उपस्थित थे. पौधरोपण के बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पौधे को बचाने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण किया. उन्होंने कहा कि हम धरती को हरा-भरा बनाए रखने में हमेशा मदद करेंगे. पर्यावरण संरक्षण के लिए वह सारे कार्य करेंगे जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान ना हो.

बाघमारा कॉलेज में शौचालय निर्माण का शिलान्यास

बाघमारा (शुभम संदेश)। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने मंगलवार को बाघमारा कॉलेज परिसर में शौचालय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इस महत्वपूर्ण अवसर पर उन्होंने कॉलेज का दौरा कर संस्थान की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया. कॉलेज प्रशासन, प्राचार्य, शिक्षकों व छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की. इस दौरान उन्होंने कॉलेज की आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझा तथा इनके समाधान के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया. शिलान्यास समारोह में विधायक महतो ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छता और शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है. बाघमारा कॉलेज में शौचालय निर्माण का यह कार्य न केवल स्वच्छता के स्तर को बेहतर करेगा, बल्कि छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक यात्रा में बेहतर सुविधाएं भी प्रदान करेगा. शिक्षा और स्वच्छता का यह संगम युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगा. कॉलेज के समग्र विकास के लिए हर स्तर पर सहायता प्रदान करेंगे. इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और छात्रों ने विधायक के इस प्रयास की सराहना की और इसे कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया.

तोपचांची के किसानों को मिली 5 यूनिट गाय

गोमो (शुभम संदेश)। तोपचांची प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत गव्य विकास विभाग धनबाद के द्वारा स्वीकृत पांच किसानो के बीच गाय वितरण किया गया. पावापुर के मालो देवी, चितरपुर के हेमंती देवी को वर्ष 23-24 योजना के तहत दो गाय स्वीकृत हुई. हरिहरपुर गांव के ललिता देवी को स्वीकृत दो गायों में एक गाय दिया गया. तोपचांची के नमिता देवी को पांच गायों की स्वीकृति हुई है जिसमें दो गाय दिए गए. टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के हाथों किसानों के बीच गायों का वितरण हुआ. सरकार द्वारा गाय पालकों को अनुदान राशि पर दिया गया. विधायक मथुरा ने कहा कि इससे गाय पालको को स्वरोजगार का अवसर प्राप्त होगा. किसानों ने सरकार को आभार जताया. कार्यक्रम में बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी, प्रमुख आनंद कुमार, बीडीओ एजाज हुसैनअंसारी, उप प्रमुख हेम लाल महतो, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डा. राजेन्द्र प्रसाद मोदी, , प्रधान लिपिक महेंद्र कुमार, मुखिया सरवर खान, मुखिया प्रतिनिधि लाल चंद महतो, जितेन्द्र कुमार पाण्डेय उपस्थित थे.

चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का अभिनंदन समारोह

महुदा (शुभम संदेश)। बाघमारा प्रखण्ड क्षेत्र के अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की और से मंगलवार को देवघरा बस्ती में सम्मान सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में जिलाध्यक्ष बिनोद रवानी, जिला महामंत्री संतोष कुमार रवानी एवं जिप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष रवानी को पुष्प गुच्छ देकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. जिलाध्यक्ष विनोद ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को जागरुक रहने की बात कही. सभी जनप्रतिनिधियों ने हमारे समाज को सिर्फ ठगने का काम किया है. चंद्रवंशी समाज में सभी भाई, बहनों एवं युवाओं को उच्च शिक्षा एवं रोजगार दिलाने पर ध्यान देना है. कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्गा प्रसाद रवानी व संचालन मथुरा प्रसाद रवानी ने किया. समारोह में मुखिया मीना देवी, दीपक कुमार रवानी, धिरेन रवानी, कैलाश रवानी, पंसस नंदलाल रवानी, पंसस रूपदेव रवानी, हुलास रवानी, प्रेम कुमार रवानी, गणेश रवानी, जितेंद्र रवानी, अजय रवानी, चंदना कुमारी रवानी, पारूवाला देवी, कांती देवी, कुंती देवी आदि मौजुद थे.

बोकारो उपायुक्त ने वज्रपात से बचने को लेकर की अपील, जारी किए जरूरी निर्देश

बारिश के दौरान सावधानी जरूरी, ऊंचे पेड़ों और बिजली के पोल से रहें दूर

शुभम संदेश। बोकारो

मानसून के इस मौसम में वज्रपात से जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिलावासियों से सावधानी बरतने की अपील की है. मंगलवार को जारी अपील में उपायुक्त ने कहा कि भारी बारिश और आकाशीय बिजली के समय बाहर निकलने से बचें. अत्यधिक जरूरी होने पर ही घर से निकलें और सुरक्षित स्थानों का चयन करें. आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर चेतावनी जारी की जाती है, बावजूद इसके जानकारी के अभाव में कई बार जान-माल की हानि हो जाती है. उपायुक्त ने कहा कि इस आपदा से बचाव का सबसे बेहतर उपाय लोगों की सतर्कता और समय पर सावधानी है. उन्होंने पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार, पोस्टर-बैनर एवं माइकिंग के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं.

वज्रपात से बचने के उपाय

- बिजली गिरने के दौरान पक्का मकान सबसे सुरक्षित होता है, इसलिए यथासंभव घरों में ही रहें.
- घरों में तड़ित चालक अवश्य लगवाएं.
- बिजली से चलने वाले उपकरणों को बंद कर दें और मोबाइल फोन का प्रयोग न करें.
- पेड़, बिजली के पोल, टावर, तालाब या गीली जगहों से दूर रहें. छतरियों का उपयोग वज्रपात के दौरान न करें.
- अगर खेतों में रोपनी या हल चला रहे हैं, तो बारिश या बिजली कड़कने पर सूखी जमीन की ओर चले जाएं.
- नंगे पैर गीली जमीन या फर्श पर खड़े होने से बचें.
- बादल गरजने की स्थिति में छतों पर चढ़ना या खुले स्थानों पर रहना खतरनाक हो सकता है.

तिसरी में भारी बारिश से नदियों में आया भयंकर उफान

तिसरी (शुभम संदेश)। तिसरी प्रखंड में बीते कुछ दिनों से जारी लगातार भारी बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी है, वहीं दूसरी ओर यह बारिश कई इलाकों के लिए आफत बनकर भी आई है. सोमवार रात से हो रही तेज बारिश के कारण क्षेत्र की प्रमुख नदियों – कलवा नदी, संकरी नदी और गुमगी नदी – में जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है. प्रखंड के विभिन्न इलाकों में नदियों का पानी पुलों के समानांतर बहने लगा है. कलवा नदी में बारिश के कारण बिजली का खंभा भी गिर गया है, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है. वहीं चंदौरी गांव से गुजरने वाली संकरी नदी का पानी पुल से सटकर बह रहा है. इस खतरनाक दृश्य को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. कई लोगों ने इस दृश्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है. नदियों में पानी के तीव्र बहाव के कारण पैदा हुए शोर को दूर से ही सुना जा सकता है. ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई वर्षों में उन्होंने इस तरह का नजारा नहीं देखा था. कई लोग बारिश में भीगते हुए भी इस दृश्य को देखने पहुंचे और प्राकृतिक शक्ति के इस रूप को देखकर आश्चर्यचकित रह गए. गौरतलब है कि यदि बारिश का यही सिलसिला जारी रहा, तो नदियों का पानी पुलों को पार कर सड़कों और बस्तियों में भी प्रवेश कर सकता है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है. प्रशासन की ओर से अब तक कोई औपचारिक चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय लोग सतर्क हो गए हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि वे संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारी करें और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाएं.

ब्रीफ खबरें

चंद्रशेखर दुबे को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद तथा श्रमिकों की बुलंद आवाज रहे स्वर्गीय चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे जी को बोकारो कांग्रेस कार्यालय, दूँदीबाग में शोकसभा आयोजित कर कांग्रेसजनों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नम आँखों से श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना की गई. उनकी याद में उपस्थित कांग्रेसजनों ने अपने संस्मरण साझा किए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी.

युवकों से मारपीट कर डेढ़ लाख की लूट

गोड्डा। नगर थाना क्षेत्र के पथरा प्रेम टोला में मंगलवार को बाइक खरीदने आए दो युवकों के साथ मारपीट कर करीब 1.53 लाख रुपये लूट लिए गए. पीड़ित प्रेम कुमार और संतोष यादव, बिहार के बांका जिला स्थित पुनसिया गांव के रहने वाले हैं. दोनों युवक गोड्डा के एक शोरूम में बाइक खरीदने आए थे, लेकिन मनपसंद गाड़ी नहीं मिलने पर किसी ने उन्हें पथरा रोड पर शोरूम होने की जानकारी दी. वहां जाते समय उनकी बाइक खराब हो गई. प्रेम टोला के एक गैराज में गाड़ी ठीक कराने के दौरान कुछ लोगों ने उन्हें नजदीक शोरूम दिखाने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर मारपीट की और नकद रुपये लूट लिए. पीड़ितों ने यह भी बताया कि आरोपियों ने कुछ रकम जबरन ऑनलाइन भी ट्रांसफर करवाई. किसी तरह दोनों युवक अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया. घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है. पुलिस ने गैराज और आस-पास के संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी है.

दसवीं-बारहवीं की कंपार्टमेंट परीक्षा शुरू

बोकारो। सीबीएसई द्वारा आयोजित दसवीं एवं बारहवीं की कंपार्टमेंट परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हो गई. पहले दिन बोकारो जिले के दो केंद्रों – चिन्मय विद्यालय और दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 – में बारहवीं के 1033 परीक्षार्थी शामिल हुए. चिन्मय विद्यालय में 558 में से 517 और डीपीएस में 475 में से 435 परीक्षार्थी उपस्थित हुए. चिन्मय में 17 विषयों व डीपीएस में 11 विषयों में परीक्षा ली गई. जिला सिटी कोऑर्डिनेटर सूरज शर्मा ने बताया कि परीक्षाएं 15 से 22 जुलाई तक चलेंगी. पहले दिन केवल बारहवीं की परीक्षा हुई, जबकि दसवीं की परीक्षा 16 जुलाई से शुरू होगी. परीक्षा सीबीएसई दिशा-निर्देशों के अनुसार शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त माहौल में संपन्न हुई.

संत ज़ेवियर स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम

बोकारो। संत ज़ेवियर विद्यालय, जनवृत एक में मंगलवार को कक्षा 7 के छात्रों के लिए "मीठा ज़हर: चीनी के प्रभाव और जागरूकता" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य फादर अरुण मिंज, एसजे ने किया. मुख्य अतिथि डॉक्टर मधुमिता श्रीवास्तव (चीफ कंसल्टेंट, बीजीएच) ने छात्रों को चीनी के अधिक सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे मोटापा, डायबिटीज़, दांतों की समस्या आदि के बारे में जानकारी दी. कार्यक्रम में मीठा या स्वस्थ? जैसी रोचक गतिविधियों के साथ पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई. छात्रों ने कोल्ड ड्रिंक, पैकेज्ड जूस आदि में छिपी चीनी की मात्रा को समझा. प्राचार्य ने छात्रों को प्राकृतिक विकल्प अपनाने और संयमित खानपान की सलाह दी. कार्यक्रम की सराहना अभिभावकों व शिक्षकों ने की.

शिलापट्ट पर नाम लिखवाने की होड़ में उलझे जनप्रतिनिधि

एक ही योजना के दो शिलापट्ट

खास बात

- पूर्व विधायक ने किया था शिलान्यास, वर्तमान विधायक ने नौ माह बाद किया भूमिपूजन

शुभम संदेश।गोड्डा

विकास कार्यों को धरातल पर उतारने की बजाय जनप्रतिनिधियों में इस बात की होड़ लगी है कि शिलापट्ट पर नाम किसका होगा. गोड्डा विधानसभा क्षेत्र में एक सड़क निर्माण योजना को लेकर कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां एक ही योजना पर दो-दो शिलापट्ट लगाए गए हैं सिर्फ इसलिए कि दोनों नेताओं का नाम बोर्ड पर दर्ज हो. दरअसल, जिस सड़क का शिलान्यास गोड्डा के तत्कालीन भाजपा विधायक अमित मंडल ने नौ माह पूर्व किया था, और जहां पर कार्य भी आधे से अधिक हो चुका है, उसी स्थान पर अब राजद के वर्तमान विधायक सह मंत्री संजय प्रसाद यादव ने ₹भूमिपूजन₹ कर नया शिलापट्ट अनावरण किया है. यह मामला गोड्डा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चूनाकोठी से भेलवाटिकर जाने वाली सड़क का है. इस सड़क निर्माण के लिए वर्ष 2024 के फरवरी माह में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा द्वारा टेंडर का गजट प्रकाशन कराया गया था. टेंडर के क्रम संख्या चार में भेलवाटिकर से मुख्य सड़क तक सड़क निर्माण कार्य का उल्लेख किया गया था. टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अक्टूबर 2024 में तत्कालीन विधायक अमित मंडल द्वारा शिलान्यास किया गया था, और उसी समय से ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिया गया. अब उसी योजना स्थल पर भूमिपूजन के नाम पर नया शिलापट्ट लगाकर वर्तमान विधायक द्वारा अनावरण किया गया है, जिससे स्थानीय लोग भी असमंजस में हैं कि जब शिलान्यास हो चुका था और काम आधा पूरा हो गया है, तो फिर भूमिपूजन का क्या औचित्य?

दूसरे के काम पर अपना नाम चिपकाने की कोशिश : पूर्व विधायक

पूर्व विधायक अमित मंडल ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, मंत्री जी हमेशा कहते हैं कि हम विकास कर रहे हैं. अगर वाकई विकास हो रहा है, तो हर जगह लगाए गए शिलापट्ट में 'भूमिपूजन' क्यों लिखा जा रहा है, 'शिलान्यास' क्यों नहीं? यह साफ दिखता है कि वे दूसरे के काम में अपना नाम घुसेड़ने के लिए भूमिपूजन का लेबल चिपका रहे हैं. उन्होंने आगे कहा, जब काम शुरू हुआ तब भूमिपूजन किया जाना चाहिए था. आधा काम खत्म होने के बाद भूमिपूजन करना पहली बार देखा है. भूमिपूजन करना आपका अधिकार है, इसमें कोई परेशानी नहीं है, लेकिन सच्चाई छुप नहीं सकती. एक साल तक कोई नया शिलान्यास नहीं हुआ. अमित मंडल ने यह भी व्यंग्य करते हुए कहा कि,मेरे ही लोग आज भी विधायक निधि, अडानी निधि की ठेकेदारी लालटेन युग में कर रहे हैं. राजद कार्यकर्ताओं को फिलहाल सिर्फ झुनझुना मिला है. यह संपूर्ण प्रकरण क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है. जनता के बीच यह सवाल जोर पकड़ने लगा है कि क्या जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता विकास के कार्यों को पूरा कराना है या सिर्फ अपना नाम पत्थर पर अंकित कराना? एक ही योजना पर दो बार औपचारिकताएं करना, सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग भी माना जा रहा है. क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए अशुभ संकेत है. जनता अब विकास के बजाय शिलापट्ट की राजनीति से तंग आ चुकी है.

मालवाहक और बाइक की सीधी टक्कर में अधेड़ की मौत

शुभम संदेश। गांडेय (गिरिडीह)

गांडेय-अहिल्यापुर मुख्य मार्ग पर स्थित गिरनिया गांव के तीखे मोड़ के समीप मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान ताराटांड़ थाना क्षेत्र के जहानाबाद गांव निवासी जय प्रकाश पांडेय के रूप में हुई है. वे देवघर से अपने घर लौट रहे थे. मिली जानकारी के अनुसार जय प्रकाश पांडेय अपनी बाइक (संख्याः JH11L0278) से देवघर से लौट रहे थे. उसी दौरान अहिल्यापुर की दिशा से तेज गति से आ रही एक मालवाहक वैन (संख्याः JH10AX8674) से गिरनिया मोड़ पर आमने-सामने की टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार जय प्रकाश पांडेय उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के वक्त क्षेत्र में मूसलधार बारिश हो रही थी, इसके बावजूद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को उठाकर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही गांडेय थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह, एसआई मणि लाल सिंह दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल जय प्रकाश पांडेय को 108 एंबुलेंस से गांडेय सीएचसी भेजा गया. लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन, कुंडलवादाह पंचायत के मुखिया मो. कादिर, झामुमो नेता मो. मकबूल, पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे और शोकग्रस्त परिवार को सांत्वना दी. बताया जाता है कि मृतक जय प्रकाश पांडेय देवघर में रहकर पूजा-पाठ का कार्य करते थे और वहां पूजा सामग्री की एक छोटी दुकान चलाते थे. वे अपने पीछे पत्नी और दो पुत्र — एक 20 वर्षीय और एक 12 वर्षीय — को छोड़ गए हैं. जय प्रकाश पांडेय परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे. उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है. इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है.

बाबूलाल मरांडी ने किया जानकी देवी कन्या उच्च विद्यालय का निरीक्षण

धनवार। शुभम संदेश

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं धनवार के विधायक बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को धनवार स्थित जानकी देवी कन्या उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर विद्यालय की भौतिक स्थिति, संसाधनों एवं पठन-पाठन व्यवस्था का अवलोकन किया. उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व धनवार भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविंद साव ने इस विद्यालय को 10+2 में अपग्रेड करने की मांग को लेकर विधायक श्री मरांडी से मुलाकात की थी. उन्होंने इस दौरान विधायक को अवगत कराया था कि क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में जाना पड़ता है, जिससे कई बार उनकी शिक्षा बाधित हो जाती है या पूरी तरह छूट जाती है. इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को स्वयं विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों और छात्राओं से सीधा संवाद किया. उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की. निरीक्षण उपरांत विधायक श्री मरांडी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की कि जानकी देवी कन्या उच्च विद्यालय को शीघ्र ही 10+2 स्तर पर अपग्रेड किया जाएगा, ताकि क्षेत्र की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सके. उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि विद्यालय के उन्नयन से संबंधित विभागीय कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाएगी, ताकि नए शैक्षणिक सत्र से ही छात्राओं को इसका लाभ मिल सके. विधायक के इस प्रयास की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार, अभिभावकों तथा स्थानीय नागरिकों ने इसे क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम बताया है. छात्राओं ने भी इस पहल को आत्मविश्वासवर्धक और प्रेरणादायक बताया.

न्यूज अपडेट

रेलवे पटरी के पास मिली अज्ञात महिला की लाश

डुमरी /गिरिडीह (शुभम संदेश)। डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराडीह रेलवे पटरी के समीप मंगलवार को एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि महिला की मौत ट्रेन से कटने के कारण हुई है. स्थानीय लोगों की सूचना पर डुमरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस सूत्रों के अनुसार महिला के हाथ में एक अंगूठी पाई गई है, जिस पर ₹मेमुलर₹ लिखा हुआ है. यह संकेत महिला की पहचान में सहायक हो सकता है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी. प्राथमिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला ट्रेन की चपेट में आ गई होगी, या फिर पटरी पार करते समय हादसा हुआ होगा. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. घटनास्थल पर किसी प्रकार की हिंसक वारदात के निशान नहीं पाए गए हैं, फिर भी सटीक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी. डुमरी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई महिला के बारे में जानकारी रखता है या पहचान सकता है, तो तत्काल थाना से संपर्क करे, जिससे शिनाख्त और आगे की विधिक प्रक्रिया को गति मिल सके.

जमुआ में चलंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

जमुआ/गिरिडीह(शुभम संदेश)। कोडरमा लोकसभा सांसद सह केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की अनुशंसा पर जमुआ प्रखंड अंतर्गत चचघरा पंचायत के जोरासाख गांव में मंगलवार को ₹सांसद चिकित्सा सेवा रथ₹ के माध्यम से एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. इस चिकित्सा शिविर में कुल 40 ग्रामीणों, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे, का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें दवाएं उपलब्ध कराई गईं. शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ. शमशेर आलम ने मरीजों को उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं. हालांकि शिविर के दिन क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण कई ग्रामीण इस चिकित्सा सेवा का लाभ नहीं उठा सके, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय लोगों में चिकित्सा सेवा रथ को लेकर सकारात्मक उत्साह देखा गया. शिविर के आयोजन के दौरान भाजपा सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र प्रसाद यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक सिंह, संयोजक सुमन कुमार सिन्हा, भाजपा नेता संतोष राय, सुरेंद्र प्रसाद वर्मा, महेश राय समेत कई स्थानीय ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे. ग्रामीणों ने सांसद अन्नपूर्णा देवी के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे चलंत चिकित्सा शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए काफी लाभकारी हैं, जहां प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है. लोगों ने इस तरह के शिविरों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग भी की.

कांवरियों का जैन फिलिंग स्टेशन पर भव्य स्वागत

डुमरी/गिरिडीह (शुभम संदेश)। सावन के पावन महीने में डुमरी प्रखंड स्थित जैन फिलिंग स्टेशन (पेट्रोल पंप) पर मंगलवार को कांवरियों के एक दल का ठहराव हुआ, जहां पंप संचालक शिवेश भगत उर्फ नाजू भगत ने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें मिष्ठान एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था कराई. वाराणसी से बाबाधाम देवघर की यात्रा पर निकले इन कांवरियों ने बताया कि वे बासुकीनाथ होते हुए देवघर जलाभिषेक के लिए जा रहे हैं. डुमरी में मिले स्वागत और सेवा भाव से वे काफी प्रसन्न हुए. कांवरियों ने पंप मालिक श्री शिवेश भगत की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भोजन और जलपान की उत्तम व्यवस्था की बल्कि अपने मधुर व्यवहार से हर यात्री को सम्मान का अनुभव कराया. कांवरियों ने यह भी कहा कि डुमरी प्रखंड के सनातन धर्मावलंबियों की सेवा भावना और धार्मिक आस्था अनुकरणीय है. इस प्रकार का स्वागत उन्हें पूरे रास्ते में कम ही देखने को मिला है. उन्होंने भगत परिवार के लिए आशीर्वाद देते हुए उनकी समृद्धि की कामना की. स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कांवरियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है और डुमरी में यह परंपरा लगातार जीवंत बनी हुई है.

जमीन से जुड़े दो मामलों का हुआ समाधान

कसमार /बोकारो (शुभम संदेश)। कसमार थाना में मंगलवार को आयोजित थाना दिवस के अवसर पर भूमि विवाद से जुड़े दो मामलों का आपसी सहमति से निष्पादन किया गया. यह शिविर थाना प्रभारी भजन लाल महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें दोनों मामलों के संबंधित रैयत एवं पक्षकारों की उपस्थिति में समाधान निकाला गया. थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि पहला मामला बगदा गांव का था, जिसमें चतुर डोम और शंभु डोम के बीच भूमि विवाद को लेकर दोनों पक्षों की बातों को सुना गया. इसके बाद रैयतों को निर्देश दिया गया कि वे सत्यापित वंशावली तैयार कर अंचल कार्यालय में समर्पित करें, ताकि मामले को विधिवत निष्पादित किया जा सके. दूसरा मामला दांतू गांव का था, जिसमें रैयत प्रमीला देवी और सुंदर नायक के बीच जमीन का विवाद था. यह जमीन एनएच सड़क से सटी हुई है. दोनों पक्षों की सहमति के आधार पर निर्णय लिया गया कि एक सप्ताह के भीतर पंचायत कराकर मामले का समाधान किया जाएगा. थाना प्रभारी ने बताया कि थाना दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे मंगलवार को किया जाता है.

जनता दरबार में दिए सख्त निर्देश, वरिष्ठ नागरिकों की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ होगी सिविल-क्रिमिनल कार्रवाई

नहीं चलेगी माफियागिरी, ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा : डीसी

शुभम संदेश।बोकारो

जिले में भू-माफियाओं, फर्जी दस्तावेज से रजिस्ट्री कराने वालों और वरिष्ठ नागरिकों की जमीन हड़पने वालों पर अब जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाने का निर्णय लिया है. समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि माफियागिरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी. ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सिविल व क्रिमिनल एक्शन के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी. जनता दरबार में जिले भर से आए लगभग 80 फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. अधिकांश मामलों में भूमि विवाद, फर्जी दस्तावेज, मार्ग अवरुद्ध, वृद्धों की भूमि कब्जा करने की शिकायतें सामने आईं. विशेष रूप से चास प्रखंड के नेताजी सुभाष नगर सहकारी गृह निर्माण समिति के सदस्यों ने भूमि घोटाले और फर्जीवाड़े से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई, जिस पर उपायुक्त ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया. उपायुक्त ने मौके से ही सभी अंचलाधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे भू-माफियाओं को चिन्हित कर तड़ीपार की अनुशंसा करें और जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ अविलंब प्राथमिकी दर्ज की जाए. साथ ही उन्होंने दोनों सब-रजिस्ट्रार को निर्देशित किया कि रजिस्ट्री से पूर्व सभी दस्तावेजों की जांच गंभीरता से की जाए और यदि कोई दस्तावेज संदेहास्पद हो तो रजिस्ट्री को तत्काल रोका जाए और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए. जनता दरबार में रायडर आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मियों ने लंबित वेतन भुगतान व अनुबंध से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिस पर उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार को निर्देशित किया कि सभी पक्षों को बुलाकर सुनवाई कर त्वरित समाधान किया जाए.

सड़क की मांग पर निर्देशित किया

स्थल निरीक्षण : कालापत्थर पंचायत के पिपराबेड़ा गांव के ग्रामीणों ने गांव में सरकारी रास्ते की अनुपलब्धता और बारिश में बढ़ी समस्याओं की जानकारी दी. उपायुक्त ने डीडीसी को अगली सुबह स्थल निरीक्षण कर आवश्यक इंजीनियरिंग प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने कार्यपालक अभियंता आरईओ, बीडीओ चास समेत अन्य अधिकारियों को टीम में शामिल होने को कहा. उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर शिकायत की निष्पक्ष और प्राथमिकता के आधार पर जांच हो और समाधान की सूचना शिकायतकर्ता को लिखित या दूरभाष के माध्यम से दी जाए. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जन शिकायत कोषांग प्रभारी पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

जिले के हर खेत में हो धान की रोपनी, बीज की नहीं हो कोई कमी : अजय नाथ झा

बोकारो. धान रोपनी के सीजन को देखते हुए मंगलवार को समाहरणालय में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में कृषि एवं सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी खेतों में समय पर रोपनी सुनिश्चित कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना जरूरी है. इसके लिए स्थानीय बीज विक्रेताओं के साथ शीघ्र बैठक कर न्यूनतम दर पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि कालाबाजारी पर रोक लगे. साथ ही बीज वितरण की समग्र व चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए. उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में बीज बैंक स्थापित करने को कहा, जिससे आपात स्थिति में स्थानीय स्तर पर बीज उपलब्ध कराया जा सके. उन्होंने वितरण प्रणाली को पारदर्शी और ट्रैक योग्य बनाने पर बल दिया. जिला कृषि एवं सहकारिता पदाधिकारियों को प्रखंड व पंचायत स्तर पर कृषि कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और किसानों को तकनीकी जानकारी, वैज्ञानिक रोपनी विधि और उर्वरक उपयोग की जानकारी देने का निर्देश भी दिया.

डिगवाडीह सब डिविजन में खुलकर हो रही बिजली चोरी

कार्रवाई के नाम पर वसूली के खेल का आरोप, शुल्क देने वालों के लिए बंद रखी जाती हैं आंखें

खास बातें

- डिगवाडीह बिजली कार्यालय के आसपास की दुकानें भी चोरी की बिजली से हो रही गुलजार

शुभम संदेश। धनबाद

डिगवाडीह स्थित बिजली विभाग के सब डिवीजन में जमकर वसूली की बात सामने आई है. विभाग के कर्मचारियों पर बिजली चोरी को संरक्षण देने और उसके बदले अवैध वसूली करने के गंभीर आरोप लगे हैं. इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चोरी की घटनाएं बिजली विभाग कार्यालय के आस-पास भी खुलेआम हो रही हैं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही. विभाग के लोग उन लोगों को निशाना बना रहे हैं, जो उन्हें वसूली की रकम सौंपने में आना-कानी करते हैं. सूत्रों का दावा है कि क्षेत्र के लगभग 200 से अधिक घरों और दुकानों में बिजली चोरी योजनाबद्ध ढंग से की जा रही है. इनमें से कई उपभोक्ता बिना मीटर के या फिर सीधे लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं. लेकिन हैरानी की बात यह है कि जो उपभोक्ता हर माह विभाग के कुछ कर्मचारियों को नकद राशि दे देते हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती. बल्कि उन्हें विभाग के ही लोग संरक्षित करते हैं. यह वसूली लाखों रुपये प्रति माह की बताई जा रही है. जो लोग या तो वसूली देने से मना करते हैं या विभागीय व्यवस्था के साथ नहीं चलते हैं, उनके यहां छापेमारी करवाई जाती है और बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें भारी जुर्माना वसूला जाता है. इसी डर से स्थानीय काफी विभाग सीधे रकम देकर बिजली जला रहे हैं, जिसका सीधा नुकसान सरकार के राजस्व को रहा है. सिर्फ इतना ही नहीं बिजली विभाग कार्यालय के आस-पास की गलियों और अधिकांश दुकानों में भी बिजली चोरी की जाती है. स्थानीय अधिकारी और कर्मचारियों की इस हेराफेरी की खबर विभाग के वरीय पदाधिकारियों को नहीं है. विभागीय अधिकारियों के समक्ष इस बात का खुलासा होने पर बड़ी कार्रवाई की उम्मीद लोग कर रहे हैं.

आसनबानी प्रकरण पर डीसी से मिलकर रैयतों को दिलाया भरोसा

अन्याय के खिलाफ हर रैयत के साथ खड़ी हूं : शारदा सिंह

शुभम संदेश। धनबाद

बलियापुर प्रखंड के आसनबानी गांव में हाल की घटना को लेकर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने उपायुक्त से मुलाकात की. उन्होंने पीड़ित रैयतों की आवाज को दृढ़ता से उठाया और कहा कि रैयतों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा. प्रशासन दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे, यही जनता की मांग है. शारदा सिंह के नेतृत्व में दर्जनों पीड़ित रैयत उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और मानसिक, सामाजिक व प्रशासनिक उत्पीड़न की शिकायत की. उन्होंने प्रशासनिक चूक या पक्षपात को बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी और मामले की निष्पक्ष व त्वरित जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की. शारदा सिंह ने कहा कि यह केवल कुछ रैयतों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की लड़ाई है. मैं इन रैयतों की बहन, बेटी और आवाज बनकर आई हूं. उन्होंने प्रशासन को जवाबदेही और सतर्कता का संदेश दिया. प्रतिनिधिमंडल में जिला परिषद सदस्य स्वेता कुमारी, बलियापुर प्रमुख पिंकी देवी, दिलीप कुमार महतो, संजय कुमार महतो, किशोर महतो, अनूप महतो, कविता देवी, लक्ष्मी देवी, नीलू देवी, निर्मल देवी, अनिल कुमार सोरेन, रवि सोरेन, रविंदर सोरेन समेत कई ग्रामीण शामिल थे. ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें लगातार डराया-धमकाया और सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है. उन्होंने उपायुक्त से सुरक्षा और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की.

शारदा सिंह ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन समय पर कार्रवाई नहीं करता, तो वे जिला परिषद से लेकर सड़क तक, हर स्तर पर रैयतों के हक की लड़ाई लड़ेंगी.

टाटा स्टील झरिया डिवीजन में एथिक्स माह का जश्न

शुभम संदेश। झरिया

एथिक्स माह के उपलक्ष्य में, टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने यौन उत्पीड़न निवारण और नैतिक अभ्यासों पर केंद्रित जानकारीपूर्ण सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की. कार्यक्रमों की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा कार्यस्थल में सत्यनिष्ठा के महत्व पर बल देते हुए एक नैतिकता की शपथ लेने के साथ हुई. इसके बाद एथिक्स माह की थीम पर प्रस्तुति दी गई. सत्रों का नेतृत्व कौशिक गायेन, हेड (प्लानिंग) और एथिक्स कोऑर्डिनेटर (जामाडोबा ग्रुप और सपोर्ट सर्विसेज), झरिया डिवीजन, टाटा स्टील ने किया. अखिलेश कुमार, हेड (सिक्योरिटी, वेस्ट बोकारो और झरिया), टाटा स्टील, ने महिला कर्मचारियों सहित 100 से अधिक सुरक्षा कर्मियों के साथ सत्रों में सक्रिय रूप से शिरकत की. सत्रों का आयोजन कुमारी श्वेता, असिस्टेंट मैनेजर (एचआरबीपी रॉ मटेरियल्स), झरिया डिवीजन, टाटा स्टील द्वारा किया गया था. प्रतिभागियों ने सत्रों को इंटरैक्टिव और ज्ञानवर्धक बताया. इसके अतिरिक्त, टाटा मेन हॉस्पिटल जामाडोबा और जामाडोबा कोल प्रिपरेशन प्लांट (जेसीसीपी) में भी इसी प्रकार का एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पूरे संगठन में नैतिक मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया. जुलाई माह को टाटा स्टील में एथिक्स माह के रूप में मनाया जाता है, जो व्यक्तियों और संगठनों को अपने नैतिक व्यवहारों का पुनर्मूल्यांकन करने का एक मंच प्रदान करता है. यह महीना विभिन्न पहलों से भरा होता है, जिनमें प्रतियोगिताएँ, जागरूकता सत्र और लाइन वॉक शामिल हैं, जिनमें कर्मचारी (ठेका श्रमिकों सहित), वेंडर पार्टनर, स्कूल और व्यापक स्तर पर समुदाय शामिल होते हैं. इस वर्ष की थीम ₹एक संहिता, एक प्रतिबद्धता₹ है.

नीरज हत्याकांड में अंतिम बहस शुरू

धनबाद (शुभम संदेश)। नीरज हत्याकांड की सुनवाई मंगलवार को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में हुई. इस दौरान आरोपी संजय सिंह की ओर से अधिवक्ता पंकज प्रसाद ने उनके बचाव में दलील पेश की. कोर्ट में बहस करते हुए अधिवक्ता पंकज ने कहा कि संजय सिंह के विरुद्ध आपराधिक षडयंत्र कर नीरज समेत अन्य की हत्या कराने का कोई साक्ष्य नहीं है. केवल दो गवाह एकलव्य सिंह एवं अभिषेक सिंह ने अपनी गवाही के दौरान उसका नाम लिया है परंतु यह नहीं बताया कि संजय सिंह ने इस मामले में कौन सा काम किया या अपराध किया. अधिवक्ता पंकज ने पुलिस द्वारा दिए गए सीडीआर पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सीडीआर से यह साबित नहीं होता कि यदि संजय सिंह किसी से बात कर रहा था तो वह अपराध करने के लिए बात कर रहा था. अपराधिक षडयंत्र साबित करने के लिए मीटिंग ऑफ माइंड को साबित करना आवश्यक है जो इस केस में नहीं हैं. अधिवक्ता ने इस बाबत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित कई निर्णयों का भी हवाला दिया.अदालत ने बहस के लिए पुनः बुधवार की तारीख निर्धारित कर दी है.

साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए एसबीआई की जागरूकता

सार्वजनिक स्थानों पर चार्जिंग पॉइंट व वाई फाई का न करें उपयोग

शुभम संदेश। धनबाद

डिजिटल बैंकिंग के उपयोग में वृद्धि के साथ-साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी बढ़ गया है. साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से ठगी कर रहे हैं, जिसके कारण लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है. इसी उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई अपने ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है. आधुनिक युग में डिजिटल बैंकिंग का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही साइबर फ्रॉड का खतरा भी बढ़ गया है. धनबाद क्लब में आयोजित एक साइबर सुरक्षा सेमिनार में एसबीआई ने ग्राहकों को फिशिंग, मैलिशियस लिंक, ओटीपी फ्रॉड, और यूपीआई धोखाधड़ी जैसे खतरों से बचने की सलाह दी. ग्राहकों को संदिग्ध लिंक या ईमेल पर क्लिक न करने और किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग जानकारी, जैसे खाता संख्या, ओटीपी, या डेबिट/क्रेडिट कार्ड विवरण, साझा न करने की हिदायत दी गई. यह स्पष्ट किया गया कि बैंक कभी भी फोन पर ओटीपी, पिन या अन्य गोपनीय जानकारी नहीं मांगता. ऐसी कोई कॉल आने पर कोई भी जानकारी साझा न करें. डिजिटल बैंकिंग एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें प्रतीक्षा की आवश्यकता नहीं होती, सेवाएँ पारदर्शी होती हैं, और बेहतर ग्राहक सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं. यह आज की माँग बन चुका है, लेकिन इसके जोखिमों को समझकर सतर्क रहना आवश्यक है. एसबीआई ने सलाह दी कि सार्वजनिक स्थानों पर चार्जिंग पॉइंट का उपयोग न करें, क्योंकि इसके माध्यम से साइबर अपराधी आपका डेटा चुरा सकते हैं. एटीएम में किसी अजनबी से मदद लेने से बचें, क्योंकि यह धोखाधड़ी का कारण बन सकता है. पासवर्ड को जटिल बनाएँ, ताकि उसे हैक करना मुश्किल हो. अनावश्यक डाउनलोड, अपरिचित वेबसाइटों पर क्लिक, और सार्वजनिक वाई-फाई के उपयोग से बचें. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक बिजय कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक मीनाक्षी, हीरापुर शाखा के मुख्य प्रबंधक राहुल कुमार, ओम प्रकाश राय, अन्य एसबीआई कर्मचारी, और ग्राहक उपस्थित थे.

उपायुक्त ने की जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक

शिक्षकों के स्थानांतरण, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर निर्णय

शुभम संदेश। धनबाद

मंगलवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में की गई. बैठक के दौरान स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर कुल प्राप्त आवेदनों पर विचार, पारस्परिक अंतर जिला स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों पर विचार, जिला अंतर्गत पारस्परिक स्थानांतरण, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक जिनका 2 वर्षों का परीक्ष्यमान अवधि पूर्ण हो चुका है उनकी सेवा संपुष्टि, ग्रेड 4 में प्रोन्नति हेतु तैयार वरीयता सूची के स्वीकृति स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति समेत अन्य प्रस्ताव पर समिति द्वारा चर्चा की गई. चर्चा के बाद स्थानांतरण हेतु प्राप्त आवेदन के दस्तावेज जांच कर कई प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई. ग्रेड 4 में प्रोन्नति हेतु तैयार वरीयता सूची की जांच जिला स्थापना समिति द्वारा करने हेतु निर्देशित किया गया. मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, जिला भूअर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलखो, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह मौजूद रहें.

आसनसोल

नाबालिग की हत्या के मामले में फोरेंसिक टीम ने की जांच

कुल्टी (शुभम संदेश)। कुल्टी थाने के नियामतपुर चौकी अंतर्गत नियामतपुर लाइनपार इलाके में 6 जुलाई से एक नाबालिग लड़की लापता थी. 8 जुलाई की दोपहर नियामतपुर चौकी पुलिस ने इलाके के निवासी शुभम बाउरी के घर के बगल वाले एक कुएं से नाबालिग का शव बरामद किया. जांच के क्रम में शुभम के घर से मृतक नाबालिग की पैंटी भी बरामद हुई थी. जिसके बाद मृतक के परिवार ने शुभम पर नाबालिग की हत्या का आरोप लगाया था. पूरे मामले की जाँच शुरू करने के बाद, नियामतपुर चौकी पुलिस ने 10 जुलाई को शुभम बाउरी (18) और उसके भाई रोहन बाउरी (19) को गिरफ्तार कर आसनसोल जिला न्यायालय में पेश किया और उन्हें 7 दिन की पुलिस हिरासत में ले लिया. मंगलवार को फोरेंसिक टीम दोपहर 1 बजे कुल्टी थाने की नियामतपुर चौकी पुलिस के साथ नमूने एकत्र करने घटनास्थल पर पहुँची. टीम ने परित्यक्त कुएँ सहित पूरे घटनास्थल से नमूने एकत्र किए.

रानीगंज में बनेगा नया औद्योगिक पार्क, 205 एकड़ में होगा विकास

राज्य कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का प्रस्ताव पर मुहर

शुभम संदेश। दलजीत सिंह

रानीगंज. पश्चिम बंगाल सरकार ने रानीगंज के मंगलपुर ब्लॉक में एक नए औद्योगिक पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी. यह औद्योगिक पार्क लगभग 205 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा. यह जमीन राज्य सरकार के भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधीन है, जो पहले से ही इस क्षेत्र में उपलब्ध है. इस परियोजना का कार्यान्वयन पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया जाएगा.

कंपनियों ने जताई थी रुचि: सरकारी सूत्रों के अनुसार, कई नामी कंपनियों ने रानीगंज क्षेत्र में अपने उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखाई थी. इसके बाद राज्य सरकार ने क्षेत्र में उपयुक्त जमीन की पहचान की प्रक्रिया शुरू की. वर्तमान में पश्चिम बर्द्धमान जिले में चार औद्योगिक पार्क पहले से ही कार्यरत हैं. यह प्रस्तावित पार्क जिले का पाँचवाँ औद्योगिक पार्क होगा. माना जा रहा है कि इस कदम से न केवल क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे. इस पार्क के विकास से क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार होगा, जिससे समग्र आर्थिक विकास को गति मिलेगी. इससे न केवल उद्योगों को लाभ होगा, बल्कि आस-पास के छोटे व्यवसाय, परिवहन और सेवा क्षेत्र को भी नई ऊर्जा मिलेगी.

जत्थेदारों का विवाद सुलझा

बर्नपुर (शुभम संदेश)। बर्नपुर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने मंगलवार को समस्त पश्चिम बंगाल की सिख संगत की ओर से श्री अकाल तख्त साहिब और तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के बीच विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं पत्र के माध्यम से प्रेषित कीं. कमेटी के सचिव सुरेन्द्र सिंह अत्तु ने बताया कि दो प्रतिष्ठित सिख धार्मिक संस्थानों के बीच उपजी गलतफहमी ने दुनियाभर की सिख संगत को पीड़ा पहुंचाई थी. लेकिन श्री अकाल तख्त, तख्त श्री पटना साहिब और तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदारों के शांतिपूर्ण नेतृत्व से यह मुद्दा सम्मानजनक ढंग से सुलझ गया. साथ ही, कमेटी ने जत्थेदारों का ध्यान एक गंभीर मुद्दे की ओर दिलाया—देशभर में सिखों को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है. कुछ युवा गुरमत से दूर हो रहे हैं. अतः आग्रह किया गया है कि सभी तख्त और पंथक नेतृत्व मिलकर सिख परिवारों को गुरबाणी, नाम सिमरन और सिख सिद्धांतों से पुनः जोड़ने के लिए ठोस प्रयास करें.

न्यूज अपडेट

सब्जी बाजार में एग्रीमार्केटिंग विभाग का निरीक्षण

बराकर (शुभम संदेश). मंगलवार को पश्चिम बर्द्धमान जिला के सहायक निदेशक दिलीप मंडल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से एग्रीमार्केटिंग विभागीय टीम ने बराकर सब्जी बाजार और नियामतपुर बाजार का दौरा किया. उनके साथ डिप्टी मजिस्ट्रेट अर्जित दास, एएसआई मीनाक्षी हवराल और मार्केटिंग अधिकारी अब्दुल रफीक भी मौजूद थे. सहायक निदेशक दिलीप मंडल ने बताया कि मानसून के समय आलू, प्याज और हरी सब्जियों के दाम अक्सर बढ़ जाते हैं. होलसेल बाजार में मूल्य वृद्धि होते ही खुदरा विक्रेता भी कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी कर देते हैं. निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ दुकानदार होलसेल दर से दुगने भाव पर सब्जियाँ बेच रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बराकर बस स्टैंड स्थित सब्जी बाजार में खुदरा मूल्य में अचानक बढ़ोतरी की सूचना पर टीम ने निरीक्षण कर पाया कि हालाँकि इस वर्ष विगत वर्ष की तुलना में सब्जियों के दाम अपेक्षाकृत कम हैं, फिर भी कुछ विक्रेता अनियमित मूल्य वसूली कर रहे हैं. ऐसे दुकानदारों को मौखिक चेतावनी दी गई. दिलीप मंडल ने बताया कि सरकार की ओर से आलू और प्याज पर विशेष नजर रखी जाती है. होलसेल आपूर्ति में कमी होते ही सरकार स्टॉक से सीधे माल भेजती है, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और महंगाई पर नियंत्रण रखा जा सके.

पति की जान बचाने के लिए दान किया अपना लीवर

रानीगंज (शुभम संदेश)। सेठिया समाज के प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी आनंद अग्रवाल की जिंदगी एक नाजुक मोड़ पर आ खड़ी हुई जब उनका लीवर गंभीर रूप से खराब हो गया. पहले हैदराबाद और फिर दिल्ली में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने लीवर ट्रांसप्लांट की सिफारिश की. ऐसे कठिन समय में उनकी पत्नी रीता अग्रवाल ने जो निर्णय लिया, वह न केवल साहसिक था बल्कि प्रेम और समर्पण की मिसाल भी बन गया. रीता अग्रवाल ने अपने पति की जान बचाने के लिए अपना लीवर दान करने का फैसला किया. यह क्षण अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक था, जब उन्होंने डॉक्टर से कहा कि शादी के समय पति-पत्नी सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लेते हैं. अपने पति परमेश्वर को बचाने के लिए मैंने अपना लीवर उन्हें दान दिया है. ईश्वर से हर पल शुक्रिया करती हूं कि मेरे पति को एक नया जीवन मिला है. इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न करने में चिकित्सकीय टीम की भूमिका भी अत्यंत सराहनीय रही. डॉक्टर्स की विशेषज्ञता और समर्पण ने इस भावनात्मक मिशन को एक सफल चिकित्सकीय उपलब्धि में बदल दिया. रीता अग्रवाल की यह कहानी न केवल प्रेम और समर्पण की मिसाल है, बल्कि यह अंगदान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी समाज को जागरूक करती है. एक महिला का साहसिक कदम कई लोगों के लिए प्रेरणा बन सकता है.

धेमोमैन कोलियरी दुर्गा पूजा कमेटी ने की खूंटी पूजा

कुल्टी (शुभम संदेश)। धेमोमैन कोलयरी दुर्गा पूजा कमेटी के पंडाल निर्माण के लिए मंगलवार को खूंटी पूजा कार्यक्रम विधिवत पूजा अर्चना और मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में ईसीएल के सोदपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक अभिजीत गंगोपाध्याय, कोलयरी के अभिकर्ता सुरेंद्र कुमार प्रसाद केरो, पीट प्रबंधक रामु प्रसाद, इंकलाइन प्रबंधक अरविंद कुमार दास, सह प्रबंधक मांजी, कोलयरी के वित्त प्रबंधक रितेश प्रसाद और नरसमुंदा कोलयरी के प्रबंधक ओसामा साहब के अलावा कमेटी का उपाध्यक्ष सह पूर्व पार्षद रोहित नोनियां, कमेटी के सदस्य अनिल सिंह, विनोद सिंह, भीम प्रसाद नोनिया, देवाशीष दा, मनोज नोनिया, अमरनाथ शर्मा, उमेश तांती, दिनेश नोनिया, प्रहलाद राम, सत्यनारायण प्रसाद, राम हरख राम, रणधीर मोची एवं कई अन्य पदाधिकारी व श्रमिक उपस्थित थे. वहीं पुरोहित अमर फौजदार ने विधिवत खूंटी पूजन करवाया. कमेटी के अनिल सिंह ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के मॉडल के रूप में पंडाल बनाया जा रहा है. जिसकी लागत लगभग 22 लाख रुपए है. चंदन नगर के लाइटिंग व्यवस्था की जाएगी. पूजा का बजट लगभग 60 से 70 लाख रुपया है.

आईएसपी प्रबंधन से बातचीत के लिए 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित

शुभम संदेश। बर्नपुर

सेल आईएसपी के आधुनिकीकरण परियोजना में स्थानीय बेरोजगारों को काम देने के मांग सहित ठेका कर्मियों के वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर पार्षदों का आंदोलन किए जाने के बाद मंगलवार को आसनसोल नगर निगम की ओर से आईएसपी के लिए 7 प्रतिनिधियों को नामित किया गया. इन सदस्यों में आसनसोल दक्षिण विधानसभा सहित कुल्टी क्षेत्र के बोरो चेयरमैन एवं पार्षदों को शामिल किया गया है. इस 7 सदस्यीय प्रतिनिधियों में आसनसोल नगर निगम बोरो 7 के चेयरमैन शिवानंद बाउरी, बोरो 8 के चेयरमैन रविलाल टुडू , बोरो 9 के चेयरमैन चैतन्य माजी, वार्ड नंबर 56 की पार्षद श्रावणी विश्वास, वार्ड नंबर 77 के पार्षद गुरमीत सिंह, वार्ड नंबर 87 के पार्षद तरुण चक्रवर्ती एवं वार्ड नंबर 98 की पार्षद कहकशा रियाज शामिल हैं. वहीं प्रतिनिधियों के नामांकन को लेकर मेयर विधान उपाध्याय द्वारा हस्ताक्षर किए पत्र को लेकर पार्षद अशोक रुद्र, गुरमीत सिंह एवं कहकशा रियाज ने आईएसपी के सीजीएम इंचार्ज (एचआर) उमेंद्र पाल सिंह से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा. साथ ही आग्रह किया कि आईएसपी प्रबंधन इन्हीं नामित प्रतिनिधियों के साथ बैठक अथवा किसी मुद्दे को लेकर चर्चा करे. इस दौरान पार्षद अशोक रुद्र ने पहले की तरह आईएसपी के आधुनिकीकरण परियोजना के कार्य में स्थानीय बेरोजगारों को काम देने की मांग दोहरायी. सीजीएम (टाउन सर्विसेज एवं सीएसआर) विजेंद्र वीर से मुलाकात कर बर्नपुर टाउनशिप की नालियों, लाइटों की मरम्मत करने सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग की.

सांकतोड़िया के मो तल्हा आसिम बने चार्टर्ड एकाउंटेंट

सांकतोड़िया (शुभम संदेश)। आसनसोल नगरनिगम के 104 नंबर वार्ड के सांकतोड़िया कॉलोनी मोड़ निवासी, मो तल्हा आसिम (32) चार्टर्ड एकाउंट की परीक्षा में सफलता हासिल कर समाज का नाम रौशन किया है. तल्हा ने कुमारधुबी के लोयोला स्कूल से 10वीं की परीक्षा पास की. इसके बाद सीए फाउंडेशन की तैयारी शुरू किया. जिसमें क्वालीफाई करने के बाद इंटर की तैयारी और फाइनल दोनों कोलकाता से किया. साथ में स्नातक की पढ़ाई भी की. एकाउंट्स आनर्स के साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट में कुल 362 मार्क्स प्राप्त कर सफलता प्राप्त की. पिता मो आसिम इस्को में इलेक्ट्रिक अभियन्ता थे. 2001 में अवकाश प्राप्त किया. 5 भाईयों 6 बहनों में सबसे छोटा तल्हा आसिम है.दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास की बदौलत इन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया. इनका इरादा अपना फॉर्म तैयार कर प्रैक्टिस कर समाजसेवा करने की इच्छा है.

आसनसोल के धादका में इसीएल शुरू करेगा बहु-कौशल विकास संस्थान

2.83 करोड़ की परियोजना में बुनियादी ढाँचा विकास भी शामिल

शुभम संदेश। आसनसोल

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, ईसीएल पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल स्थित धादका में एक बहु-कौशल विकास संस्थान की स्थापना कर रहा है. यह पहल ईसीएल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से कार्यान्वित की जाएगी और इसका उद्देश्य ईसीएल कमांड क्षेत्रों की महिलाओं और युवाओं के लिए सार्थक रोज़गार के अवसर पैदा करना है. ईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) गुंजन कुमार सिन्हा और एनएसडीसी के प्रतिनिधि की उपस्थिति में आसनसोल के धादका में एमएसडीआई की स्थापना हेतु ईसीएल और एनएसडीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 2.83 करोड़ है, जिसमें बुनियादी ढाँचा विकास भी शामिल है. आगामी एमएसडीआई से ईसीएल द्वारा संचालित क्षेत्रों के 900 युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित करने की उम्मीद है. एनएसडीसी कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करेगा और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए ज़िम्मेदार होगा. सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) द्वारा सूचीबद्ध एजेंसियों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और प्रशिक्षण और मूल्यांकन के सफल समापन पर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँगे. एनएसडीसी प्रशिक्षित उम्मीदवारों के लिए नौकरी की व्यवस्था भी करेगा.यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो वर्षों की अवधि में आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद छह महीने का पोस्ट-प्लेसमेंट सपोर्ट और रिपोर्टिंग भी शामिल होगी. यह प्रशिक्षण लेखा सहायक, रिटेल सेल्स एक्जीक्यूटिव, डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव (नॉन-वॉयस) और कमिस (खाद्य उत्पादन) जैसे क्षेत्रों में दिया जाएगा. राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप, यह प्रशिक्षण एनएसडीसी और संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करेगा.

दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है कृष्ण कमल

12 बजे अपने आप हो जाता है बंद

इस फूल को देखकर आप भी चौंक जाएंगे. दरअसल एक ही फूल में पूरा महाभारत समेत ब्रह्मा विष्णु महेश भी समाहित है. कहा जाता है कि इसमें 108 अंग होते हैं. ऐसा कहा जाता है भगवान शिव को इस पुष्प का अर्पण करने से 108 बार का फल प्राप्त होता है...

यह फूल दिखने में काफी खूबसूरत लगता है. नीचे जो बैंगनी रंग की पंखुड़ियों को देख रहे होंगे उनकी संख्या 100 है जिन्हे कौरव कहा जाता है.

इस फूल के ऊपरी हिस्से में जो उजला रंग नजर आ रहा है वह बीज है जिसे पांडव कहते है. एक ही फूल में पूरा परिवार समाहित है. इसमें कुल भाग 108 होते है. इस फूल में कुल 108 भाग होते हैं. जिसमें 100 कौरव, 5 पांडव व तीन छोटे छोटे पिंड हैं, वह ब्रहमा, विष्णु, महेश के प्रतीक है. इस फूल को कई नाम से जाना जाता है, कहीं इसे कृष्ण कमल, कौरव पांडव समेत अन्य नाम से जाना जाता है. यह दो रंग में होता है. इसके फूल बैंगनी व लाल दोनों होते है.

यह फूल दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है. यह पुष्प दिन के 12 बजे खुद व खुद बंद हो जाता है. यह सबसे अधिक उत्तराखंड की घाटियों में पाया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि इस फूल से अभिषेक करने से 108 बार का फायदा मिलता है.

स्पेन में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना और अनोखा रेस्तरां

स्पेन एक ऐसा देश है जहां हर दिन लाखों टूरिस्ट पहुंचते है. यह देश अपने कल्चर, खूबसूरत लैंडस्केप, टेस्टी फूड्स, और ऐतिहासिक इमारतों के लिए फेमस है. लेकिन यहां के एक रेस्टॉरेंट की चर्चा दुनिया भर में होती है. यह अपने आप में बहुत खास है. इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है.दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां भी स्पेन में है? जी, हां स्पेन की राजधानी मैड्रिड में स्थित सोब्रिनो डी बोटिन नाम का यह रेस्तरां साल 1725 से लगातार लोगों को स्पैनिश कुजिन का स्वाद चखा रहा है. इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है.

मैड्रिड 7 स्पेन के मैड्रिड शहर में एक अनोखा रेस्तरा स्थित है। यह दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरा माना जाता है। इसका नाम सोबिनो डी बोटिन है। इस रेस्तरां की शुरुआत साल 1725 में हुई थी। इसकी खास बात यह है कि यह रेस्तरां तब से लेकर आज भी उसी जगह पर संचालित किया जा रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस रेस्तरां को दुनिया का सबसे पुराना लंबे समय तक चलने वाला रेस्तरा घोषित किया हुआ है। इसकी खास बात यह है कि कोराना महामारी के भीषण दौर व स्पैनिश ग्रह युद्ध के दिनो में भी यह रेस्तरां बंद नहीं हुआ था।

1590 में बनी इमारत में हुई शुरुआत

इस रेस्तरा की शुरुआत फ्रांसिसी शेफ जीन बोटिन और उनकी पत्नी ने की थी। शुरुआत में इसका स्वरुप एक छोटी सराय या विश्राम ग्रह की तरह हुआ करता था। तब इस रेस्तरा का नाम कासा बोटिन हुआ करता था। जिस इमारत में यह रेस्तरां शुरू किया गया था, यह इमारत 1590 में तैयार हुई थी। खास बात यह है कि शुरुआत में इस रेस्तरां में किसी तरह का खाना नहीं बेचा जाता था। ठहरने के लिए आने वाले पर्यटक अपने साथ लाया खाना यहां खा सकते थे। यहां तक कि उन्हें सराय के परिसर में खाना पकाने की अनुमति भी थी। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और यह रेस्तरां के रूप में अपनी सेवाएं देने लगा।

20वीं सदी में आया इसकी ऑनरशिप में बदलाव

जीन बोटिन की कोई संतान नहीं थी। इसलिए इस रेस्तरां का संचालन साल 1753 में बोटिन के भतीजे के जिम्मे आ गया था। तब रेस्तरां का नाम बदलकर सोब्रिनो डी बोटिन पड़ा था, जिसका अर्थ बोटिन का भतीजा होता है। आज भी यह रेस्तरां इसी नाम से चलाया जा रहा है। 20वीं शताब्दी में इस रेस्तरां की ऑनरशिप में बड़ा बदलाव आया था। इसके इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए थे और इस रेस्तरां को गोंजालिज परिवार ने खरीद लिया था। आज भी इसका मालिकाना हक उन्हीं के पास है। आज यह रेस्तरा चार फ्लोर पर चलाया जा रहा है। यहां 70 से ज्यादा लोग काम करते हैं और यहां 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है। बोटिन रेस्तरां अपने कैस्टेलिन फूड के लिए मशहूर है। इस रेस्तरां में पुलित्जर विजेता अर्नेस्ट हेमिंग्वे के लिए एक टेबल हमेशा रिजर्व रहती है। उनका इस रेस्तरां से अच्छा लगाव था। बोटिन रेस्तरां के खाने में स्पैनिश कल्चर का हमेशा ध्यान रखा जाता है। यहां लंच करने के बाद स्थानीय लोग लंबे समय तक आपस में बात करते रहते हैं। ये उनके कल्चर का हिस्सा है। रेस्तरां सप्ताह के सातों दिन दोपहर एक बजे से रात के 11.30 बजे तक खुलता है।

टैक्स से बचने के लिए 14वीं सदी में बने थे कोन शेप्ड घर

इटली के पुगलिया शहर में कोन शेप्ड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रूली हाउसेज कहा जाता है। इन घरों को बनाए जाने के पीछे एक रोचक कहानी है। इन घरों को 14वीं शताब्दी के मध्य में स्पैनिश राजा द्वारा घरों पर लगाए गए टैक्स से बचने के मकसद से बनाया गया था। दरअसल इन घरों को ड्राय कंस्ट्रक्शन मैथड से तैयार किया गया है। इन्हें बनाने में खास पत्थरों को आपस में चूना पेस्ट से जोड़कर बनाया गया है। ऐसे में जब कभी टैक्स इंस्पेक्टर टैक्स वसूलने आया करते थे तो लोग अपनी पत्थरों से बनी छत को गिरा देते थे। जिस घर पर छत न हो उसे तकनीकी रूप से घर नहीं माना जाता था। इसलिए लोग टैक्स से बच जाते थे। इंस्पेक्टर के जाने के बाद लोग पत्थरों को जोड़कर फिर से छत तैयार कर लिया करते थे। कांक्रीट या मिट्टी के स्थान पर चूना पेस्ट व पत्थरों से बने घरों को तैयार होने में कम समय लगता है। इन घरों को संयुक्त राष्ट्र ने विश्व विरासत स्थलों की सूची में रखा है।

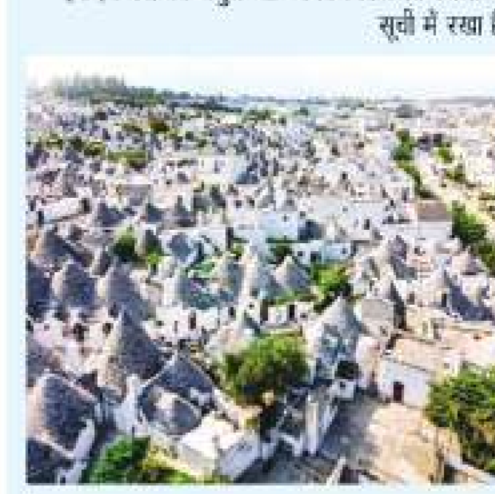

नीदरलैंड्स में है दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित द्वीप

नीदरलैंड्स का फ्लेवोपोल्डर आइलैंड दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित आइलैंड है। यह आइलैंड करीब 1000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस आइलैंड का निर्माण साल 1916 में शुरू हुआ था और 1986 तक चला। इस आइलैंड को बनाने के लिए साल 1932 में एक डैम का निर्माण भी करना पड़ा। लोगों को रहने की जगह और कृषि भूमि मुहैया कराने के मकसद से इसे बनाने की शुरुआत हुई थी। आज इस द्वीप पर 4 लाख लोग निवास करते हैं।

इस वजह से गोल ही होता है कुआं

दुनिया में कई चीजे कई सालों से चली आ रही होती है. वह ऐसी क्यों होती है अक्सर हमें इस बारे में नहीं मालुम होता. जैसे किसी चीज का साइज या शेप उस तरह से क्यों है जैसा है. क्या उसके वैसे होने में कोई ठोस कारण छुपा हुआ है. जैसे अक्सर लोग सवाल पूछते है. पृथ्वी गोल क्यों होती है. चांद गोल क्यों नजर आता है. और भी तरह के सवाल. ऐसे ही लोगों के मन में एक सवाल आता है. चलिए पृथ्वी और चांद का शेप तो इंसान बस में नहीं था. लेकिन कुएं का निर्माण तो इंसान ने किया था. उसका शेप गोल क्यों किया गया.

कुएं को जब बनाया जाता है तो जमीन भर गड्ढा करके बनाया जाता है. गोल शेप में गड्ढा करना हमेशा से आसान रहा है. वजा है स्कायर शेप में करने के. जब हम ड्रिल मशीन से घर में छेद करते हैं आपने देखा होगा वह छेद गोल शेप में होते है. ऐसे ही जब कुएं की ड्रिलिंग की जाती है. तब उसकी शेप भी गोल हो जाता है. दूसरी वजह यह है कि अगर कुएं को स्कायर शेप में बनाया गया. तो कुएं के अंदर मौजूद पानी उसके चारों कोनों में प्रेशर अप्लाई करेगा. जिससे कुआं कमजोर हो सकता है और इसकी दीवारें कमजोर हो सकती है. कुआं के गोल होने के चलते पानी दीवारों पर प्रेशर ज्यादा अप्लाई नहीं कर पाता. जिस वजह से कुएं काफी समय तक चलते है.

लिक्विड भरने के सभी बर्तन होते हैं गोल

पानी लिक्विड होता है और घरों में पानी भरने के जो भी बर्तन होते है. अगर आपने गौर किया होगा तो सब का शेप गोल होता है. जिसमें गिलास, कटोरी, प्लेट, थाली, बाल्टी सब गोल होते है. यहां भी वही नियम है अगर इनका शेप स्कायर यानी चौकोर होगा तो कोने खराब होने का चांस ज्यादा रहता है. कुआं गोल होता है तो उसकी मिट्टी भी काफी समय तक अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखती है. चौकोर कुएं की मिट्टी कोनों से धसने लगती है.

मंथन

ई-ऑफिस की ओर झारखंड सरकार का निर्णायक कदम

डिजिटल युग में प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता की दिशा में झारखंड सरकार का प्रयास स्वागतयोग्य है. राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी द्वारा ई-ऑफिस व्यवस्था को जनवरी 2026 से पहले पूरी तरह लागू करने का निर्देश, एक बड़े प्रशासनिक बदलाव की ओर संकेत करता है. मुख्य सचिव द्वारा दी गई प्राथमिकता-जैसे फाइलों की साइबर सुरक्षा, प्रक्रिया की सहजता और ऑफिस से बाहर भी काम करने की सुविधा-साफ दर्शाती है कि सरकार केवल डिजिटल रूपांतरण नहीं, बल्कि व्यावहारिक और प्रभावी व्यवस्था की स्थापना चाहती है. फाइलों को स्कैन कर पीडीएफ में अपलोड करने की प्रक्रिया न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि वर्षों पुरानी कागजी फाइल संस्कृति से मुक्ति दिलाएगी. रेलटेल, एनआईसी और जैपआईटी जैसे तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी से यह भी स्पष्ट है कि सरकार इस बदलाव को तकनीकी दृष्टि से मजबूत और टिकाऊ बनाना चाहती है. ई-ऑफिस लाइट की समीक्षा से भी संकेत मिलता है कि सरकार इसे चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है, ताकि प्रणालीगत कमियां पहले ही दूर की जा सकें. ई-गवर्नेंस न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएगा, बल्कि प्रशासनिक कामकाज को तेज, सुलभ और उत्तरदायी बनाएगा. हालांकि, यह जरूरी है कि विभागीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जाए, ताकि वे इस नई प्रणाली को सहजता से अपना सकें।कुल मिलाकर, यह पहल झारखंड को सुशासन की नई दिशा में अग्रसर करने वाली साबित हो सकती है-यदि इसे समर्पण, सतर्कता और समयबद्धता के साथ लागू किया जाए.

नजरिया

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता और बड़ी टिप्पणी

सोशल मीडिया के युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ने नई उड़ान भरी है, लेकिन इसके साथ ही नफरती भाषणों की बाढ़ भी आई है. सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी, जिसमें हेट स्पीच को लेकर गहरी चिंता जाहिर की गई है, मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक परिवेश में अत्यंत प्रासंगिक है. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और एजी विश्वनाथन की पीठ ने बिल्कुल सही कहा कि अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर सब कुछ जायज़ ठहराना खतरनाक प्रवृत्ति है. वजहात खान के मामले में कोर्ट ने एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया-जहां एक ओर अभद्र और घृणा फैलाने वाले कंटेंट पर रोक की ज़रूरत को रेखांकित किया गया, वहीं यह भी स्पष्ट किया कि हर बार एफआईआर और गिरफ्तारी कोई स्थायी समाधान नहीं हो सकता. कोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट पर डाला गया कंटेंट स्थायी होता है, इसलिए पोस्ट डिलीट करने से जिम्मेदारी खत्म नहीं होती. यह सही है कि राज्य की भूमिका हेट स्पीच पर नियंत्रण में अहम है, लेकिन कोर्ट का यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि समाज और नागरिकों को भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए. नफरत फैलाने वाले पोस्ट को शेयर, लाइक या प्रमोट करना केवल कानूनी नहीं, नैतिक अपराध भी है. इस फैसले के ज़रिए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आज़ादी एक मूल्य है, लेकिन यह बिना जिम्मेदारी के नहीं हो सकती. यह संतुलन बनाए रखना ही एक सशक्त लोकतंत्र की पहचान है.

एआई के युग में सांस्कृतिक अधिकारों की जंग

सत्य कुमार

एक कलाकार की रचना उसके भीतर के भावों का प्रतिबिंब होती है.

यह हमारी सभ्यता के आत्मसम्मान, विविधता और सांस्कृतिक गरिमा का प्रश्न है. इसका उत्तर हमें आज देना होगा-वरना भविष्य में हमारी कला, संस्कृति और पहचान, सब कुछ केवल कोड की पंक्तियों में कैद होकर रह जाएगी.

21वीं सदी के तीसरे दशक में, जब तकनीक हमारी दैनिक ज़िंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, रचनात्मकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के बीच की रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं. एक ओर तकनीकी प्रगति ने हमारी अभिव्यक्ति के साधनों को विस्तार दिया है, वहीं दूसरी ओर, यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि कला की आत्मा क्या अब एल्गोरिद्म के हवाले हो चुकी है? क्या मानव रचनात्मकता, संवेदना और सांस्कृतिक विरासत के स्थान पर अब मशीनें कल्पना कर सकती हैं? कला, मानव सभ्यता की सबसे पुरानी और गूढ़ अभिव्यक्ति है. यह केवल रंग, आकृति या ध्वनि नहीं, बल्कि समाज की सोच, संस्कृति और संघर्ष की अमिट छवि है.

गुफाओं में बने प्राचीन चित्रों से लेकर आज की डिजिटल पेंटिंग्स तक, हर कलाकृति में उस युग की संवेदनाएं, अनुभव और पहचान छुपी होती हैं. एक कलाकार की रचना उसके भीतर के भावों और समाज के प्रभावों का प्रतिबिंब होती है-जो एआई में नहीं हो सकता. लेकिन अब स्थिति बदल रही है.

तकनीकी रूप से देखा जाए तो एआई के पास बड़ी मात्रा में डेटा प्रोसेस करने और उसमें से पैटर्न निकालने की अद्वितीय क्षमता है. यही क्षमता उसे कला जैसी वस्तुएं बनाने में सक्षम बनाती है. लेकिन सवाल यह नहीं कि एआई क्या बना सकता है, सवाल यह है कि वह किसके आधार पर बना रहा है? एआई मॉडल आमतौर पर इंटरनेट पर मौजूद हजारों-कभी लाखों-कलाकृतियों का उपयोग अपने प्रशिक्षण के लिए करते हैं. इनमें से अधिकांश कलाएं स्वतंत्र कलाकारों की होती हैं, जो बिना सहमति के एआई मॉडल के प्रशिक्षण डेटा में शामिल हो जाती हैं. जब कोई मॉडल स्टूडियो गिबली या मधुबनी की शैली में चित्र बनाता है, तो वह न केवल किसी कलाकार के श्रम का दोहन करता है, बल्कि उस सांस्कृतिक परंपरा का भी शोषण करता है, जो पीढ़ियों से उसकी पहचान रही है. भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, लोककला केवल दृश्य सौंदर्य नहीं, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक आत्मा है. चाहे वह भील समुदाय की गोंड चित्रकला हो, महाराष्ट्र की वारली कला, या ओडिशा की पत्ताचित्र-हर शैली एक जातीय, भाषिक और भौगोलिक जीवनधारा से जुड़ी होती है. इन कलाओं की नकल करना एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक असंवेदनशीलता है. जब कोई एआई मॉडल इन लोककलाओं को बिना अनुमति रीक्रिएट करता है और उसे वैश्विक डिज़ाइन प्लेटफॉर्म्स पर व्यापारिक उत्पाद बना देता है, तो यह न केवल उन कलाकारों की आजीविका पर असर डालता है, बल्कि सांस्कृतिक अधिकारों की खुली अवहेलना भी करता है. वर्तमान में जो बौद्धिक संपदा अधिकार कानून हैं-जैसे कॉपीराइट, पेटेंट और ट्रेडमार्क-वे मूलतः मानव द्वारा निर्मित रचनाओं की रक्षा के लिए बने हैं. लेकिन रचना का स्रोत एक मशीन हो, और उसकी प्रेरणा किसी और की कला हो, तो सवाल उठता है: उस कृति पर अधिकार किसका होगा? कलाकार का? एआई मॉडल का? या मॉडल बनाने वाली कंपनी का?

भारत का साइबर कानून अभी इस विषय में लगभग मौन है. यह डेटा सुरक्षा और गोपनीयता जैसे मुद्दों पर केंद्रित है, लेकिन रचनात्मकता और सांस्कृतिक अधिकारों को बचाने के लिए कोई स्पष्ट नीति या प्रावधान मौजूद नहीं है. इससे ए.आई. कंपनियों को कानूनी खाली स्थान का लाभ उठाने का अवसर मिल रहा है.

राष्ट्रीय नीतियों के साथ-साथ राज्यों को भी अपनी सांस्कृतिक ज़िम्मेदारियों को गंभीरता से लेना होगा. विशेष रूप से निम्नलिखित पांच कदम अत्यावश्यक हैं...

1. राज्यों को अपनी पारंपरिक कलाओं और शिल्पों को भू-संकेतक के तहत पंजीकृत कराना चाहिए, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी सुरक्षा मिल सके.
2. कलाकृतियों का प्रामाणिक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाए, जिससे किसी भी डिजिटल कॉपी को मूल स्रोत से जोड़ा जा सके.
3. राज्यों को ऐसे तकनीकी प्लेटफॉर्म्स विकसित करने चाहिए जो ऑनलाइन हो रही कला चोरी की पहचान और ट्रैकिंग कर सकें.
4. डिजिटल राइट्स, तकनीकी प्रोटेक्शन टूल्स और ए.आई. के प्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि कलाकार खुद अपनी कला की रक्षा कर सकें.
5. सांस्कृतिक चोरी को गंभीर अपराध मानते हुए राज्य की सांस्कृतिक नीति में एआई जनित कला की सीमाओं को स्पष्ट किया जाए.

यह आवश्यक है कि हम एआई को एक रचनात्मक उपकरण के रूप में देखें, न कि कलाकारों के विकल्प के रूप में. इसके लिए कुछ नीतिगत कदम वैश्विक स्तर पर भी ज़रूरी हैं... जिन कलाओं से एआई मॉडल को प्रशिक्षित किया गया है, उनकी सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध कराई जाए. किसी कलाकार की रचना को मॉडल के प्रशिक्षण में शामिल करने से पहले उसकी अनुमति ली जाए. यदि किसी कलाकार की शैली से प्रेरित एआई कृति का व्यावसायिक प्रयोग होता है, तो उस कलाकार को मुआवज़ा मिलना चाहिए. विकास कंपनियों के लिए नैतिक दिशानिर्देश अनिवार्य हों, जिससे वे केवल तकनीकी दक्षता नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी को भी अपनाएं.

एआई मानव समाज के लिए एक अद्भुत खोज है, लेकिन इसका इस्तेमाल विवेक और नैतिकता के साथ होना चाहिए. कला केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक चेतना और मानवता की संवेदनशील अभिव्यक्ति है. यदि हम चाहते हैं कि तकनीक मानवता की सेवा में रहे, तो हमें आज ही यह तय करना होगा कि हम एआई को क्या भूमिका देंगे-सहयोगी की, या प्रतिस्थापक की? यह प्रश्न केवल कलाकारों का नहीं. यह हमारी सभ्यता के आत्मसम्मान, विविधता और सांस्कृतिक गरिमा का प्रश्न है. इसका उत्तर हमें आज देना होगा-वरना भविष्य में हमारी कला, हमारी संस्कृति और हमारी पहचान, सब कुछ केवल कोड की पंक्तियों में कैद होकर रह जाएगी. **(लेखक जनसंचार विशेषज्ञ और कलाकार हैं)**

आज का इतिहास

1661: स्वीडिश बैंक का यूरोप में पहला नोट जारी.
1856: हिंदू विधवाओं के पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता मिली.
1925: नेशनल जियोग्राफिक ने समुद्र के भीतर के दृश्यों की प्राकृतिक रंगीन फोटो निकाली.
1945: अमेरिका ने परमाणु बम का परीक्षण किया.
1951: नेपाल को ब्रिटेन से आजादी मिली.
1990: यूक्रेन ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
1999: जॉन एफ़ केनेडी के पुत्र जॉन एफ़ केनेडी जूनियर की विमान दुर्घटना में मृत्यु.
2003: पाकिस्तान, सऊदी अरब और 53 अन्य इस्लामी देश, इजराइल को 2005 तक मान्यता देने पर राजी.
2006: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कोरिया पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित.
2007: बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना वाजिद को धन वसूली के एक मामले में गिरफ़्तार किया गया.

गुरु जी का आखिरी संदेश, कठोर कभी न बनो

चिंतन

उत्तराखंड में हरिद्वार के पास ऋषिकेश के एक प्रसिद्द महात्मा बहुत वृद्ध हो चले थे और उनका अंत निकट था. एक दिन उन्होंने अपने सभी शिष्यों को अपने पास बुलाया और कहा, प्रिय शिष्यों मेरा शरीर जीर्ण-शीर्ण हो चुका है और अब मेरी आत्मा बार -बार मुझे इसे त्यागने को कह रही है, और मैंने निश्चय किया है कि आज के दिन जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर जाएगा, तब मैं इहलोक त्याग कर परलोक चला जाऊंगा.
गुरु देव की ऐसी वाणी सुनते ही शिष्य घबरा गए, सब शोक -विलाप करने लगे, पर गुरु जी ने सबको शांत रहने और इस अटल सत्य को स्वीकारने के लिए कहा. इस लिए तुम सभी लोग शांत भाव से मुझे विदा करने में मदद करो.
कुछ देर बाद जब सब चुप हो गए तो एक शिष्य ने पूछा, गुरु जी, क्या आप आज हमें कोई शिक्षा नहीं देंगे?
अवश्य दूंगा. गुरु जी बोले.
मेरे निकट तुम सब आओ और मेरे मुख में देखो.
एक शिष्य निकट गया और देखने लगा.
बताओ, मेरे मुख में क्या दिखता है, जीभ या दांत?
उसमें तो बस जीभ दिखाई दे रही है. शिष्य बोला
फिर गुरु जी ने पूछा, अब बताओ दोनों में से पहले कौन आया था?
पहले तो जीभ ही आई थी. एक शिष्य बोला,
अच्छा दोनों में कठोर कौन था? गुरु जी ने पुनः एक और प्रश्नद दाग दिया.
जी गुरुदेव, कठोर तो दांत ही था. एक शिष्य बोला.
दांत जीभ से कम आयु का और कठोर होते हुए भी उससे पहले ही चला गया, पर विनम्र व संवेदनशील जीभ अभी भी जीवित है शिष्यों. इस जग का यही नियम है, जो अधिक क्रूर है, कठोर है और जिसे अपनी ताकत या ज्ञान का घमंड है, उसका जल्द ही विनाश हो जाता है. अतः तुम सब जीभ की भांति सरल, विनम्र व प्रेम पूर्ण बनो और इस धरा को अपने सत्कर्मों से हमेशा सींचो, यही मेरा आखिरी सन्देश है. और इन्हीं शब्दों के साथ गुरु जी परलोक सिधार गए. शिष्य गुरुजी का आखिरी संदेश समझ चुके थे.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #LightestGalaxyFoldables
2. #WorldYouthSkillsDay
3. Tesla
4. #UngaludanStalin
5. #GitaMahayajna2025
6. #GalaxyZFlip7
7. jungkook
8. TAEKOOK
9. Nitish Bhardwaj
10. Nari Tu Narayani

बहुरंग

फिल्म 'सैयारा' के जरिये पर्दे पर उतरेंगे अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे

बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक मोहित सूरी एक बार फिर रोमांटिक फिल्म लेकर दर्शकों के सामने हाज़िर होने वाले हैं. उनकी अगली फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है. इस फिल्म के जरिए अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे एक्टिंग की दुनिया में अपना डेब्यू कर रहे हैं. फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री अनीत पड्डा के साथ बनी है. यह नई जोड़ी दर्शकों के लिए ताजगी भरी साबित हो सकती है. अब फिल्म 'सैयारा' की रिलीज़ रणनीति से पर्दा उठ गया है. रिपोर्ट के मुताबिक 'सैयारा' की रिलीज़ को लेकर निर्माताओं ने कुछ खास रणनीतिक फैसले लिए हैं. उन्होंने सभी सिनेमाघरों को एक आवश्यकताओं एक सूची भेजी है, जिसमें कुछ ज़रूरी शर्तों का ज़िक्र किया गया है. निर्माताओं ने साफ कहा है कि 18 जुलाई को फिल्म का कोई भी शो सुबह 9:30 बजे से पहले शुरू नहीं होगा. इसके अलावा, रिलीज़ के पहले दिन यानी 18 जुलाई को किसी भी सिनेमा हॉल में 'सैयारा' के अधिकतम 6 शो ही चलाए जा सकेंगे. हालांकि यह पाबंदियां सिर्फ पहले दिन के लिए लागू होंगी.
19 जुलाई से सिनेमाघर इस फिल्म के जितने चाहें उतने शो चला सकेंगे. यह कदम शायद दर्शकों की दिलचस्पी को बनाए रखने और फिल्म की ओपनिंग को खास बनाने के लिए उठाया गया है. युवाओं को सिनेमाघरों तक लुभाने के लिए यशराज फिल्म्स ने फिल्म 'सैयारा' के लिए दो खास मार्केटिंग रणनीतियां तैयार की हैं. पहली स्कीम के तहत, अगर दर्शक बुकमायशो पर टिकट बुक करते समय सैयारा कोड का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें दो या उससे ज्यादा टिकटों पर 50% की छूट मिलेगी. हालांकि, यह छूट अधिकतम 200 रुपये तक सीमित होगी. दूसरी योजना के तहत, यश राज फिल्म्स ने सिनेमाघरों से अनुरोध किया है कि सुबह 9:30 बजे वाले पहले शो की टिकट कीमतें कॉलेज छात्रों के लिए 'स्पेशल प्राइस' पर तय की जाएं, ताकि युवा दर्शक बड़ी संख्या में फिल्म देखने पहुंचें. इन योजनाओं के ज़रिए 'सैयारा' की ओपनिंग को दमदार बनाने की पूरी कोशिश की जा रही है.

श्वेता त्रिपाठी बनने जा रही हैं निर्माता, 'मुझे जान न कहो मेरी जान' से करेंगी नई शुरुआत

'मिर्जापुर' की गोलू के नाम से लोकप्रिय अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब अभिनय से एक कदम आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आएंगी. वह फिल्म 'मुझे जान न कहो मेरी जान' से बतौर निर्माता अपने करियर की नई पारी की शुरुआत कर रही हैं. खास बात यह है कि यह फिल्म एक समलैंगिक प्रेम कहानी पर आधारित होगी, जो ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ एलजीबीटीक्यू रिश्तों को पर्दे पर पेश करने का प्रयास करेगी. इस फिल्म का निर्देशन संजय नाग करेंगे, जिन्होंने पहले भी संवेदनशील और गहराई से भरी कहानियों को पर्दे पर उतारा है. फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होने की संभावना है. इस प्रोजेक्ट में श्वेता त्रिपाठी के साथ मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम, जिनके साथ श्वेता काफी समय से काम करना चाह रही थीं. श्वेता ने इस प्रोजेक्ट को अपने दिल के बेहद करीब बताया है.

उनका कहना है, "यह फिल्म मेरे दिल के करीब सिर्फ इसलिए नहीं है कि मैं इसके जरिए निर्माता बन रही हूं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह कहानी एक सच्चाई को खूबसूरती से दुनिया के सामने रखने जा रही है." तिलोत्तमा शोम की तारीफ करते हुए श्वेता ने कहा कि वह एक बेहतरीन कलाकार और एक प्रेरणादायक इंसान हैं, जिन पर वह आंख बंद करके भरोसा करती हैं. इससे पहले श्वेता ने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑल माई टी' के तहत एक नाटक प्रोड्यूस किया था, जिसमें रिताशा राठौर, तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह ने अभिनय किया था. श्वेता त्रिपाठी के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने शुरुआत मुंबई के पोस्ट-प्रोडक्शन हाउस 'पिक्सियन ट्रेलर हाउस' से की थी. एक्टिंग में उनकी शुरुआत 2009 में डिज्नी चैनल के शो 'क्या मस्त है लाइफ' से हुई थी. लेकिन असली पहचान उन्हें फिल्म 'मसान' से मिली, जिसमें उन्होंने विक्की कौशल की प्रेमिका का किरदार निभाया था. इसके अलावा वह वेब सीरीज 'द ट्रिप', तमिल फिल्म 'मेहंदी सर्कस' और भारत की पहली पूरी तरह से आईफोन पर शूट की गई फीचर फिल्म 'जू' में भी नजर आ चुकी हैं. अब एक प्रोड्यूसर के रूप में श्वेता का यह नया कदम न केवल उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भारतीय सिनेमा में विविध विषयों को जगह देने की दिशा में भी एक अहम प्रयास माना जा रहा है.

आमिर खान और लोकेश कनगराज मिलकर बनाएंगे सबसे बड़ी एक्शन फिल्म

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर साबित कर रहे हैं कि क्यों उन्हें यह खिताब दिया गया है. हाल ही में आई उनकी फिल्म 'तारे ज़मीन पर' (रि-रिलीज़) को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और फिल्म अब भी अच्छी कमाई कर रही है. लेकिन आमिर अब अपनी अगली फिल्मों पर ध्यान केंद्रित कर चुके हैं. एक ओर जहां उन्होंने पहले ही 'महाभारत' बनाने की घोषणा की थी, वहीं अब खबर है कि वे साउथ के हिट डायरेक्टर लोकेश कनगराज के साथ मिलकर एक मेगा एक्शन फिल्म पर काम करने वाले हैं. दरअसल, लोकेश कनगराज ने हाल ही में हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है कि वे आमिर खान के साथ एक ग्लोबल स्केल की हिंदी फिल्म बनाने वाले हैं. उन्होंने कहा कि ये फिल्म सिर्फ भारतीय दर्शकों के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी. डायरेक्टर के मुताबिक, यह सुपरहीरो फिल्म हो सकती है या नहीं, इस पर वे कुछ कह नहीं सकते, लेकिन इतना तय है कि यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म होगी. इससे पहले आमिर खान फिल्म 'कुली' में कैमियो करते नजर आएंगे, जिसका ट्रेलर 2 अगस्त को रिलीज़ होगा और फिल्म 14 अगस्त को थिएटर्स में आएगी. यह फिल्म ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' से क्लैश करेगी.

'मेट्रो... इन दिनों' की कमाई गिरी, अब महज 99 रुपये में देखें फिल्म

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दर्शकों का रुझान उतना मजबूत नजर नहीं आया. 4 जुलाई को रिलीज हुई इस फिल्म की कमाई लगातार गिरती जा रही है. ऐसे में अब मेकर्स ने दर्शकों को एक खास ऑफर देकर फिर से थिएटर की ओर आकर्षित करने की कोशिश की है. 'मेट्रो... इन दिनों' अब सिर्फ 99 रुपये में बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा. यह खास ऑफर सीमित अवधि के लिए है, जो फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर 'मेट्रो... इन दिनों' का नया पोस्टर शेयर करते हुए एक खास ऑफर का ऐलान किया है. पोस्ट के जरिए उन्होंने लिखा, "ब्लॉकबस्टर अनुभव, किफायती डील, 'मेट्रो... इन दिनों' अब सिर्फ 99 में देखें!" हालांकि, यह स्पेशल ऑफर केवल 15 जुलाई के लिए ही वैध है. यानी दर्शकों को इस दिन बेहद कम कीमत में फिल्म थिएटर में देखने का शानदार मौका मिलेगा. फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, नीना गुप्ता और अली फजल जैसे दिग्गज कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा. एकाकी वृत्ति त्यागें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. मनोरथ सिद्घि का योग है. सुख-सुविधा में वृद्घि होगी. शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. व्यापार में वृद्घि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. सुबह की महत्वपूर्ण सिद्घि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्घि का योग है. सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ होंगे. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. सुख आरोग्य प्रभावित होगा. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. स्वविवेक से कार्य करे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. शुभांक-3-5-7

ईओयू के रडार पर बीमा भारती, 10 करोड़ की पेशकश का दावा

पटना। बिहार की राजनीति एक बार फिर आरोपों, जांच और बयानबाज़ी के दौर से गुजर रही है. राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की जांच के घेरे में हैं. फरवरी 2024 में एनडीए सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले विधायकों को तोड़ने की कथित साजिश के मामले में बीमा भारती समेत चार लोगों को नोटिस जारी किया गया है. जदयू विधायक सुधांशु शेखर ने ईओयू को दिए बयान में आरोप लगाया कि उन्हें 10 करोड़ रुपये नकद और मंत्री पद का ऑफर दिया गया था, बशर्ते वे विश्वास मत में तेजस्वी यादव का समर्थन करें. इस मामले में बीमा भारती के अलावा प्रमोद कुमार, संजय पटेल और सनी कुमार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है. फ्लोर टेस्ट के दिन बीमा भारती सदन से गायब थीं. उस समय वे जदयू की विधायक थीं, लेकिन उनकी अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े किए. उन्होंने मीडिया को बताया कि उनके पति बीमार हैं, इसीलिए वे विधानसभा में नहीं आ सकीं. बाद में खुलासा हुआ कि उनके पति अवधेश मंडल को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किया गया था. इन तमाम घटनाओं ने बीमा भारती को इस पूरे विवाद का प्रमुख चेहरा बना दिया है.

बिहार कैबिनेट का बड़ा फैसला: गंगा पथ और मेट्रो पर लगी मुहर

2025-30 तक 1 करोड़ युवाओं को देंगे नौकरी

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की जनता को बड़ी सौगात दी है. मंगलवार को आयोजित बिहार कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. इनमें सबसे बड़ा फैसला राज्य में आगामी पांच वर्षों (2025-30) के भीतर 1 करोड़ नई नौकरियां/रोजगार सृजन का लक्ष्य निर्धारित करने का है.

इस प्रस्ताव को श्रम संसाधन विभाग के तहत मंजूरी दी गई है. चुनाव संबंधी निर्णय के तहत राज्य के 77,895 बीएलओ और 8,245 बीएलओ सुपरवाइजर को निर्वाचन सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए एकमुश्त 6,000 रुपये मानदेय दिए जाने की घोषणा की गई है. इसके लिए कुल 51.58 करोड़ रुपये खर्च होंगे. यह राशि उनके वार्षिक मानदेय से अतिरिक्त होगी. वित्त विभाग के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में बम निरोधक दस्ते (बॉम्ब स्क्वॉड) के कर्मियों को उनके मूल वेतन का 30 प्रतिशत जोखिम भत्ता देने की स्वीकृति दी गई है. यह भत्ता अधिकतम 25,000 रुपये प्रति माह होगा, लेकिन इस पर महंगाई भत्ता देय नहीं होगा. भागलपुर और मुंगेर में गंगा पथ परियोजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी मिली है. भागलपुर में सुल्तानगंज-भागलपुर-सबोर के बीच 40.80 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा, जिसके लिए 4,850 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं. वहीं, मुंगेर में मुंगेर-बरियारपुर-घोरघट-सुल्तानगंज के बीच 42 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा और इसके लिए 5,120 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है.

पटना मेट्रो परियोजना के तहत प्रायोरिटी कॉरिडोर के रखरखाव के लिए 179.37 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड को दी गई है. इसके अलावा 3 वर्षों के लिए 3-कार सिंगल ट्रेनसेट किराए पर लेने हेतु 21.15 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है. ट्रेन संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी डीएमआरसी को सौंपी गई है. ऊर्जा विभाग के अंतर्गत बिहार पंप भंडारण परियोजना प्रोत्साहन नीति-2025 को स्वीकृति मिली है. नियमावली, 2025 को भी मंजूरी दी गई है. इन फैसलों से साफ है कि बिहार सरकार चुनावी साल में बड़े पैमाने पर रोजगार, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता दे रही है. सरकार का यह कदम युवाओं को रोजगार देने और राज्य में औद्योगिक व शहरी विकास को गति देने की दिशा में अहम माना जा रहा है.

ब्रांच मैनेजर का कुएं से मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

पटना। बेऊर इलाके के हसनपुरा गांव में मंगलवार को आईसीआईसीआई के लापता ब्रांच मैनेजर अभिषेक वरुण का शव एक कुएं से मिला है. शव के पास उनकी स्कूटी भी पाई गई है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह हत्या है या आत्महत्या. पुलिस के मुताबिक, अभिषेक नशे में थे और जहां शव मिला है, वहां तक पहुंचने के लिए लगभग एक किलोमीटर का कच्चा रास्ता है, जो स्कूटी चलाने के लिए बेहद मुश्किल माना जाता है. इस बात ने भी हत्या की संभावना को मजबूत किया है. डीएसपी सुशील कुमार ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और जांच जारी है. अभिषेक वरुण अपनी फैमिली के साथ रविवार रात रामकृष्ण नगर इलाके में पार्टी में गए थे. पत्नी और बच्चों को फंक्शन के बाद घर भेजा, लेकिन वह वहीं रुके. रात करीब 3 बजे उन्होंने अपनी पत्नी को फोन कर बताया कि उनका एक्सीडेंट हो गया है. इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया.

पटना, बक्सर और भागलपुर में बाढ़ का खतरा

पटना। बिहार में मानसून के सक्रिय होते ही गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है. इससे पटना, बक्सर और भागलपुर जिलों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. पटना के दानापुर, पंडारक और फतुहा जैसे इलाकों में मंगलवार सुबह से ही पानी भरने लगा है. दीघा नहर से जल निकासी के लिए मोटर पंप लगाए गए हैं. बक्सर में गंगा घाट की सीढ़ियां डूब चुकी हैं और कर्मनाशा नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है. भागलपुर में गंगा हर घंटे लगभग 1 सेंटीमीटर की गति से बढ़ रही है, जिससे सुल्तानगंज, नाथनगर और नवगछिया जैसे क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका प्रबल हो गई है. जल संसाधन विभाग ने सोन, गंडक और कोसी नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी को लेकर अलर्ट जारी किया है.

न्यूज अपडेट

महिला की मौत, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

पटना। एसके पुरी थाना क्षेत्र स्थित ज्योति पुंज अस्पताल में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई. मृतका के परिवार वालों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि प्रसव के समय डॉक्टर और स्टाफ ने इलाज में कोताही बरती और मरीज के साथ दुर्व्यवहार भी किया. परिजनों की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. इसके बाद परिजनों ने एसके पुरी थाने में FIR दर्ज कराई है. पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है. फिलहाल महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा. इस बीच अस्पताल प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है.

आईएएस अधिकारी दिनेश राय ने लिया वीआरएस

पटना। बिहार की सियासत में एक नई हलचल ने पुराने समीकरणों को झकझोर दिया है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार राय ने ऐच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर राजनीति में कदम रखने का संकेत दे दिया है. नीतीश सरकार ने उनकी वीआरएस की मंजूरी देते हुए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी. दिनेश राय का वीआरएस केवल प्रशासनिक फैसला नहीं है, बल्कि 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक भूचाल की शुरुआत माना जा रहा है. वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी अधिकारी माने जाते रहे हैं और लंबे समय तक उनके आप्त सचिव भी रहे हैं. मूल रूप से रोहतास जिले के करगहर के निवासी दिनेश राय जब सचिव बनने के बाद हाल ही में अपने गृह जिले पहुंचे, तो उनका भव्य स्वागत किया गया.

महापौर के बेटे ने प्रशासन को चेतावनी भरा संदेश दिया

पटना। महापौर सीता साहू के बेटे और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिशिर कुमार ने एक वीडियो जारी कर प्रशासन को खुली चुनौती दी. शिशिर ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि जिस युवक को लेकर पुलिस अब तक खोजबीन कर रही है, उस पर राजनीतिक दबाव में कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा, मैं शहर में हूं, जब निष्पक्ष जांच होगी और पुलिस आग्रह करेगी, तब मैं हाजिर हो जाऊंगा. शिशिर ने आरोप लगाया कि केवल केस दर्ज करने से कोई दोषी नहीं माना जा सकता और सीसीटीवी फुटेज की जांच जरूरी है. उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की कि किसी के प्रभाव में आए बिना तथ्यपूर्ण और निष्पक्ष जांच की जाए. शिशिर की इस आत्मविश्वास भरी अपील ने पुलिस और प्रशासन के बीच तनाव बढ़ा दिया है.

अक्षरा सिंह ने बेगूसराय कोर्ट में आत्मसमर्पण किया

बेगूसराय। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित गायिका और अभिनेत्री अक्षरा ने बेगूसराय जिला न्यायालय में आत्मसमर्पण करते हुए अपनी जमानत याचिका दायर की. कोर्ट परिसर में उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ी, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्होंने अदालत में सरेंडर किया. अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 427 (आपराधिक क्षति) के तहत अक्षरा सिंह को आरोपी माना और 10,000 के निजी मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी. मामला लोकगायक शिवेश मिश्रा द्वारा दर्ज शिकायत से जुड़ा है.

छात्रा को अश्लील मैसेज भेजने पर शिक्षक की पिटाई

सीतामढ़ी। विद्यालय के एक शिक्षक रवींद्र प्रसाद साह पर दसवीं कक्षा की छात्रा को अश्लील और आपत्तिजनक मैसेज भेजने का आरोप लगा है. जब छात्रा ने यह बात अपने परिजनों को बताई, तो स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. गुस्साए अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल में घुसकर आरोपी शिक्षक की सरेआम पिटाई की. छात्रों ने भी शिक्षक के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए पथराव किया और स्कूल में तोड़फोड़ मचा दी. हालात इतने बिगड़ गए कि भीड़ को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस पर भी हमला हो गया, जिसमें चार पुलिसकर्मी घायल हो गए. स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को एक राउंड आंसू गैस का प्रयोग करना पड़ा. घटना के बाद विद्यालय में छात्र दो गुटों में बंट गए—एक पक्ष आरोपी शिक्षक का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा छात्रा के परिजनों के साथ खड़ा है. इससे विद्यालय प्रशासन गहरे संकट में आ गया है.

तुषार गांधी ने दी तेजस्वी यादव को मर्यादा की सलाह, कहा

अभद्र भाषा का चलन नहीं होना चाहिए, जनता उसे सुनती है

शुभम संदेश। दरभंगा

महात्मा गांधी के प्रपौत्र और सामाजिक चिंतक तुषार गांधी ने दरभंगा में आयोजित 'बदलो बिहार – बनाओ नयी सरकार' अभियान में भाग लिया. इस अवसर पर उन्होंने राज्य की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर बेबाक राय रखी. हाल ही में राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा एक पत्रकार को 'सूत्र को मूत्र' कहे जाने की टिप्पणी पर पूछे गए सवाल पर तुषार गांधी ने संयमित प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "अभद्र भाषा का चलन नहीं होना चाहिए. मैं खुद इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करता. नेताओं को खास तौर पर संयम रखना चाहिए क्योंकि जनता उनसे सुनती है

और सीखती है." उन्होंने यह भी जोड़ा कि तेजस्वी यादव ने किस परिस्थिति में यह बात कही, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. मीडिया के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए तुषार गांधी ने कहा कि कभी-कभी मीडिया का रुख भी भड़काऊ हो सकता है. उन्होंने कहा, बिना पूरी स्थिति समझे सीधे आरोप नहीं लगाने चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि भाषा की मर्यादा बनी रहे – यही लोकतंत्र की आत्मा है. बिहार की राजनीति पर तीखा प्रहार करते हुए तुषार गांधी ने कहा कि अब समय आ गया है कि यहां सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था बदली जाए. उन्होंने कहा, बिहार को राजनीतिक बदलाव नहीं, सामाजिक क्रांति की जरूरत है. राजनीतिक स्वार्थों ने इस राज्य को गर्त में डाल दिया है. वहीं, चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और दस्तावेजों की मांग पर उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया. तुषार गांधी ने कहा, आज़ाद भारत में पहली बार नागरिकों को अपने ही देश में वोट देने के लिए प्रमाण देना पड़ रहा है. यह साजिश है, लोगों के वोटिंग अधिकार को छीनने की. संविधान के खिलाफ है .

मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मिले पप्पू यादव, कहा

मुझे जो जिम्मेदारी मिलेगी, उसे एक सिपाही की तरह निभाऊंगा

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और इसके साथ ही सियासी हलचल भी तेज हो गई है. इसी कड़ी में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है. इस हाई-प्रोफाइल बैठक की सबसे चौंकाने वाली एंट्री रही पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की, जो पहली बार कांग्रेस की रणनीतिक बैठक में शामिल हुए.

पप्पू यादव की मौजूदगी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि अब वह महज

परिधि पर नहीं, बल्कि कांग्रेस के सियासी परिसर के भीतर हैं. बैठक के बाद उनका बयान और भी बड़ा राजनीतिक संकेत बन गया. उन्होंने खुलकर कहा, "राहुल गांधी हमारे नेता हैं. पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे एक सिपाही की तरह निभाऊंगा." यही नहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के पास मौजूद विकल्पों का भी ज़िक्र किया और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम तथा वरिष्ठ नेता तारिक अनवर के नाम सामने रखे. बैठक में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रही. इस दौरान चुनाव घोषणापत्र समिति के गठन, जल्द प्रचार अभियान शुरू करने और महागठबंधन में सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया को तेज़ करने पर आम सहमति बनी. राजेश राम ने स्पष्ट किया कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और भ्रम की कोई स्थिति नहीं है. सूत्रों की मानें तो बैठक के बाद पप्पू यादव ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से अलग से लंबी बातचीत भी की. यह वही पप्पू यादव हैं जिन्हें कुछ समय पहले महागठबंधन की एक रैली में मंच पर जगह नहीं दी गई थी.

कारोबार

दिल्ली में नवंबर से यमुना क्रूज सेवा की शुरुआत पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

नयी दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए एक खुशखबरी है. राजधानी की यमुना नदी में जल्द ही क्रूज सेवा शुरू होने जा रही है, जिससे लोगों को एक नया और रोमांचक अनुभव मिलेगा. अधिकारियों के अनुसार, इस क्रूज सेवा की शुरुआत नवंबर 2025 से होने की उम्मीद है. लगभग 8 किलोमीटर के दायरे में यह क्रूज चलेगा, जिससे यमुना के किनारे घूमने वालों को अब पानी में सैर का भी आनंद मिलेगा. इस पहल का उद्देश्य न केवल यमुना को एक नया जीवन देना है, बल्कि दिल्ली में पर्यटन को भी बढ़ावा देना है. इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए पांच प्रमुख एजेंसियों ने हाथ मिलाया है – भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग. इन सभी ने मिलकर एक एमओयू साइन किया है ताकि क्रूज सेवा को समय पर शुरू किया जा सके. सरकार की यह पहल दिल्ली को एक नई पहचान दे सकती है और यमुना नदी को साफ-सुथरी और जीवंत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है.

डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत कॉपर टैरिफ से ग्लोबल बाजार में हलचल

भारत पर सीमित असर पर जोखिम बरकरार

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी रिफाइंड और सेमी-फिनिश्ड कॉपर आयात पर 50% टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक व्यापार जगत में हड़कंप मच गया है. ट्रंप ने इस फैसले को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक आधार को पुनर्जीवित करने की जरूरत से जोड़ा है.

उन्होंने कहा कि कॉपर जैसे महत्वपूर्ण संसाधन सेमीकंडक्टर, विमानन, मिसाइल रक्षा प्रणाली और डेटा सेंटर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाते हैं. इस फैसले के बाद अमेरिकी कॉपर वायदा बाजार में तीव्र बढ़त देखी गई, जो पिछले दशकों का सबसे बड़ा उछाल है. इस फैसले को अमेरिका की आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन इसके साथ ही यह ग्लोबल सप्लाई चेन में व्यापक अस्थिरता का कारण बन सकता है.

अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े कॉपर उपभोक्ताओं में से एक है. ट्रंप के टैरिफ के चलते चिली, पेरू, मैक्सिको और कनाडा जैसे प्रमुख निर्यातक देशों को अमेरिकी बाजार से मांग में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है. इससे सरप्लस सप्लाई दूसरे बाजारों की ओर डायवर्ट होगी, जिससे वैश्विक कॉपर कीमतों पर दबाव बढ़ने की संभावना है. बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी कीमतें अब अंतरराष्ट्रीय कीमतों से अलग हो सकती हैं, जिससे मध्यस्थता के अवसर पैदा होंगे. हालांकि, इस नीति के चलते अल्पकालिक घरेलू उत्पादन में वृद्धि की संभावना कम है, लेकिन वैश्विक व्यापार साझेदारों से प्रतिरोध या जवाबी कार्रवाई की आशंका बढ़ गई है. भारतीय उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रंप के टैरिफ का भारत पर सीधा असर सीमित रहेगा.

इंटरनेशनल कॉपर एसोसिएशन इंडिया के एमडी मयूर करमकर के अनुसार, भारत से अमेरिका को निर्यात बहुत कम (2024 में 13,003 टन, 2025 की पहली छमाही में 3,554 टन) होता है. इसका कुल मूल्य 30 करोड़ डॉलर से भी कम है. भारत कॉपर की कमी वाला देश है और उसका घरेलू बाजार रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और निर्माण जैसे कॉपर-गहन क्षेत्रों के चलते मजबूत बना हुआ है. देश में सालाना लगभग 17 लाख टन कॉपर की खपत होती है. हालांकि, विशेषज्ञों ने इस बात की चेतावनी दी है कि अन्य देशों द्वारा अमेरिका में न बेच पाने वाले कॉपर की भारत समेत अन्य बाजारों में 'क्रॉस-डंपिंग' हो सकती है. इससे घरेलू कीमतें दबाव में आ सकती हैं और स्थानीय उत्पादकों की प्रॉफिटेबिलिटी पर असर पड़ सकता है. कॉपर इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का अहम कच्चा माल है. इसका इस्तेमाल प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, कैपेसिटर, रेसिस्टर, कनेक्टर, रिले और चिप पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में होता है. भारत सेमीकंडक्टर ग्रेड कॉपर के लिए आयात पर निर्भर है, क्योंकि घरेलू उत्पादक कंपनियां जैसे हिंदुस्तान कॉपर, स्टरलाइट और हिंडाल्को इस ग्रेड का उत्पादन बड़े पैमाने पर नहीं करती हैं.

ईवाई इंडिया के कुणाल चौधरी ने बताया कि भले ही सेमीकंडक्टर सीधे इस टैरिफ से प्रभावित नहीं हो रहे, लेकिन कॉपर की कीमतों में अस्थिरता और सप्लाई बाधाएं लागत बढ़ा रही हैं. इससे भारत की सेमीकंडक्टर परियोजनाएं धीमी हो सकती हैं.

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार इस फैसले के भारतीय उद्योग पर प्रभाव का मूल्यांकन कर रही है. उद्योग संगठनों का मानना है कि अगर क्रॉस-डंपिंग और सप्लाई चेन बाधाएं बढ़ती हैं, तो कुछ क्षेत्रों के लिए सरकार को राहत और नीति बदलाव की जरूरत पड़ सकती है. ट्रंप की यह संरक्षणवादी नीति वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संतुलन को प्रभावित कर रही है. भारत के लिए यह एक अवसर भी है कि वह घरेलू उत्पादन बढ़ाकर रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़े, लेकिन इसके लिए जरूरी निवेश और नीति समर्थन की सख्त आवश्यकता है.

एलन मस्क की दौलत में 21 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। टेस्ला ने भारत में आधिकारिक तौर पर कदम रख दिया है और इसके साथ ही कंपनी के सीईओ एलन मस्क की किस्मत भी चमक उठी है. ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक, टेस्ला के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की तेजी आई है, जिससे मस्क की नेटवर्थ में करीब 2.47 बिलियन डॉलर यानी 21 हजार करोड़ रुपए का इजाफा दर्ज किया गया है. इस बढ़ोतरी के साथ एलन मस्क की कुल संपत्ति 362 अरब डॉलर तक पहुंच गई है. हालांकि, 2025 में अब तक उनकी संपत्ति में 70 अरब डॉलर की गिरावट भी देखी गई थी. भारत में टेस्ला की मजबूत शुरुआत से निवेशकों में भरोसा लौटा है, जिसका असर सीधे मस्क की नेटवर्थ पर पड़ा है. विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जैसे बड़े बाजार में टेस्ला की मौजूदगी से कंपनी की बिक्री और ब्रांड वैल्यू दोनों में इजाफा होगा, जिससे आने वाले समय में एलन मस्क की संपत्ति में और भी तेजी देखी जा सकती है.

नथिंग फ़ोन (3) और नथिंग हेडफ़ोन (1) भारत में लॉन्च

नयी दिल्ली। लंदन स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने आज भारत में अपने दो प्रमुख उत्पादों — नथिंग फ़ोन (3) और नथिंग हेडफ़ोन (1) की आधिकारिक बिक्री की घोषणा की है. ये दोनों उत्पाद दोपहर 12 बजे से देश भर में उपलब्ध होंगे. नथिंग फ़ोन (3) कंपनी का पहला ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन है, जबकि नथिंग हेडफ़ोन (1) कंपनी का पहला ओवर-ईयर ऑडियो डिवाइस है. नथिंग फ़ोन (3) स्मार्टफोन उद्योग में कई नवाचार लेकर आया है. इसमें 1/1.3₹ मुख्य सेंसर वाला प्रो-ग्रेड ट्रिपल कैमरा सिस्टम है, जो कम रोशनी में बेहतरीन तस्वीरें खींचता है. इसके अलावा, लॉसलेस ऑप्टिकल जूम और सभी लेंसों पर सिनेमैटिक वीडियो कैप्चरिंग सुविधा उपलब्ध है. फोन में 6.67 इंच का वाइब्रेंट एमोलेड डिस्प्ले है, जिसमें अल्ट्रा-नैरो बेज़ेल्स हैं. यह डिवाइस स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 चिपसेट से लैस है और प्रीमियम मॉड्यूलर डिजाइन में उपलब्ध है.

एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ पहले दिन 77% भरा

नयी दिल्ली। बेंगलुरु स्थित दवा अनुसंधान और निर्माण क्षेत्र की कंपनी एंथम बायोसाइंसेस का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 जुलाई को खुल चुका है और निवेशक 16 जुलाई तक इसमें आवेदन कर सकते हैं. कंपनी सीआरडीएमओ मॉडल पर काम करती है, जिसमें वह दवाओं के अनुसंधान, विकास और निर्माण से जुड़ी सेवाएं देती है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस आईपीओ को पहले ही दिन शानदार प्रतिक्रिया मिली और यह करीब 77% सब्सक्राइब हो गया. कुल 33.83 मिलियन शेयरों के लिए बिड प्राप्त हुई हैं, जबकि इश्यू साइज केवल 4.4 मिलियन शेयरों का है. सब्सक्रिप्शन डिटेल्स के अनुसार एनआईआई (नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशक) कोटा 1166%, रिटेल निवेशक कोटा 0.61% और क्यूआईबी कोटा 37% है.

केसीसी के तहत 5 लाख तक मिलेगा सस्ता कृषि लोन

नयी दिल्ली। भारत सरकार की किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना किसानों के लिए खेती-किसानी को आसान और किफायती बनाने में मददगार साबित हो रही है. अब इस योजना के तहत किसान सिर्फ 4% सालाना ब्याज दर पर 5 लाख तक का कर्ज ले सकते हैं. सरकार इसमें 2% ब्याज सब्सिडी और 3% समय पर भुगतान पर बोनस देती है, जिससे कुल मिलाकर किसानों को भारी राहत मिलती है. केसीसी योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी, जिसका उद्देश्य किसानों को समय पर और आसान शर्तों पर कृषि कार्यों के लिए लोन मुहैया कराना था. किसान इस कार्ड का उपयोग बीज, खाद, कीटनाशक, उपकरण और अन्य खेती संबंधी जरूरतों के लिए कर सकते हैं.

एनवीडिया को मिली चीन में एआई चिप्स बेचने की मंजूरी

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एनवीडिया को चीन को एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विकसित करने में इस्तेमाल होने वाले अपने उन्नत एच20 कंप्यूटर चिप्स बेचने की मंजूरी ट्रम्प प्रशासन से मिल गई है. यह जानकारी एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कंपनी के ब्लॉग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की. हुआंग ने चीन के सरकारी चैनल सीजीटीएन पर कहा कि "दुनिया के सबसे अधिक एआई शोधकर्ता चीन में हैं" और यह क्षेत्र इतना गतिशील है कि अमेरिकी कंपनियों को वहां प्रतिस्पर्धा करने और सेवा देने का अवसर मिलना चाहिए.

अब घर के लिए पीएफ से निकाल सकेंगे 90 प्रतिशत तक अपनी रकम

एजेंसियां। नयी दिल्ली

नौकरी की न्यूनतम अवधि भी घटी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ निकालने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जो उन कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित होगा जो अपना पहला घर खरीदने की योजना बना रहे हैं. अब ईपीएफ सदस्य अपने पहले घर की खरीद, निर्माण या होम लोन की ईएमआई चुकाने के लिए अपने पीएफ खाते से 90 प्रतिशत तक राशि निकाल सकते हैं.

नए नियम ईपीएफ स्कीम 1952 के पैरा 68-बीडी के तहत लागू किए गए हैं. पहले पीएफ से एडवांस निकालने के लिए कम से कम पांच साल तक लगातार नौकरी करना जरूरी था. लेकिन अब इस नियम में ढील दी गई है और कर्मचारी पीएफ खाता खुलने के सिर्फ तीन साल बाद ही यह राशि निकाल सकते हैं. इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को मिलेगा जो अपना पहला घर जल्दी खरीदना चाहते हैं और डाउन पेमेंट या लोन की किश्त भरने के लिए बड़ी रकम की जरूरत है. हालांकि, यह सुविधा केवल एक बार के लिए उपलब्ध होगी. यानी कोई भी ईपीएफ सदस्य अपने जीवन में सिर्फ एक बार इस विकल्प का लाभ उठा सकता है. इस नए नियम से घर खरीदने की योजना बना रहे ईपीएफ सदस्यों को अब अधिक वित्तीय सुविधा मिलेगी और वे बिना लंबी नौकरी की शर्त के भी अपने सपनों का घर खरीद सकेंगे.

आयात

अमेरिका की टैक्स छूट से जून में चीन के निर्यात में तेजी

आयात में भी इस वर्ष पहली बार देखी गयी वृद्धि

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका द्वारा कुछ चीनी उत्पादों पर लगाए गए टैक्स में छूट देने के बाद जून में चीन का निर्यात तेज़ी से बढ़ा है. अमेरिकी कंपनियों और ग्राहकों ने आगामी टैक्स समय सीमा से पहले भारी मात्रा में ऑर्डर दिए, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिला. जून में चीन के निर्यात में सालाना आधार पर 5.8% की वृद्धि दर्ज की गई, जो मई में 4.8% थी. यही नहीं, इस वर्ष पहली बार चीन के आयात में भी वृद्धि देखने को मिली है, जो 1.1% रही. यह जानकारी चीन के कस्टम विभाग द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से सामने आई है. हालांकि अमेरिका को

वाले कई उत्पादों पर 25% तक का भारी-भरकम टैक्स लगाया था. इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर टैक्स बढ़ा दिया था. इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव काफी बढ़ गया था.

बढ़ते टैरिफ के चलते एक समय पर अमेरिकी दुकानदारों और आयातकों ने चीन से जूते, कपड़े, खिलौने जैसे उत्पाद मंगाना लगभग बंद कर दिया अचानक बदलावों से कंपनियों को रणनीति बनाने में कठिनाई हो रही है. ट्रंप प्रशासन ने फिर से कुछ चीनी उत्पादों पर 30% तक टैक्स बढ़ा दिए हैं, जिससे स्थिति अनिश्चित बनी हुई है. इसके बावजूद चीन का कुल ट्रेड (निर्यात और आयात) 20 ट्रिलियन युआन (लगभग 2.8 ट्रिलियन डॉलर) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. इसका श्रेय चीनी कंपनियों द्वारा अपने वैश्विक उत्पादन और निर्यात बाजारों में की गई विविधता को जाता है.

जनवरी से जून के बीच चीन का ग्लोबल ट्रेड सरप्लस 586 अरब डॉलर रहा. दक्षिण पूर्व एशिया को होने वाले निर्यात में 13% की वृद्धि देखी गई. इसमें थाईलैंड को भेजे गए सामान में 22%, वियतनाम को लगभग 20% और भारत को 18% से अधिक की बढ़ोतरी हुई. यूरोप के साथ व्यापार में भी 6.6% की वृद्धि दर्ज की गई. इस बीच, चीन की अर्थव्यवस्था की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.2% रही, जो विश्लेषकों की 5.1% की उम्मीद से बेहतर है. पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 5.4% थी.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 176 रन से हराया , शृंखला 3-0 से जीती

स्टार्क ने झटके छह विकेट

बोलैंड ने ली हैट्रिक

केवल 27 रन पर सिमटी वेस्टइंडीज

स्कोर बोर्ड

- ऑस्ट्रेलिया : 225 और 121
- वेस्टइंडीज : 143 और 27

एजेंसी । सबिना पार्क

ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क ने सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को अपने 100वें टेस्ट मैच को यादगार बनाते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन किया.

पिंक बॉल से खेले जा रहे इस मुकाबले के तीसरे दिन उन्होंने महज़ 9 रन देकर 6 विकेट झटके, जिसमें उनके टेस्ट करियर का 400वां विकेट भी शामिल था. वहीं स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक लेकर वेस्टइंडीज की पारी को पूरी तरह ढहा दिया.वेस्टइंडीज की टीम मात्र 27 रन पर सिमट गई, जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है. इस शर्मनाक प्रदर्शन के साथ मेज़बान टीम को 176 रन से हार का सामना करना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज़ पर 3-0 से कब्ज़ा कर लिया.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 204 रन का लक्ष्य दिया था. जवाब में स्टार्क ने पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर तहलका मचा दिया.

उन्होंने जॉन कैम्पबेल को पहली गेंद पर आउट किया, फिर केवलॉन एंडरसन को एल्बीडब्ल्यू किया और अगली गेंद पर ब्रैंडन किंग के स्टंप उड़ा दिए. वेस्टइंडीज का स्कोर 0 पर 3 हो गया — जो टेस्ट इतिहास में सिर्फ छठी बार हुआ है.स्टार्क ने अपनी दूसरी ओवर की पहली ही गेंद पर मिकाइल लुईस को पवेलियन भेजा और टेस्ट करियर में 400 विकेट पूरे किए.

फिर शाई होप को भी एलबीडब्ल्यू कर दिया. उन्होंने महज 15 गेंदों में पांच विकेट लेकर नया रिकॉर्ड बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज़ पांच विकेट हैं.इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने भी कहर बरपाया.

उन्होंने जस्टिन ग्रेव्स, शमार जोसेफ और जोमेल वॉरिकन को लगातार गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की. यह वेस्टइंडीज का 14.3 ओवर में समापन था और वे टेस्ट इतिहास के सबसे कम स्कोर (न्यूजीलैंड का 26 रन) से केवल एक रन ज्यादा बना सके - वह भी एक फील्डिंग मिस के चलते.

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 121 रन पर सिमट गई थी. अल्ज़ारी जोसेफ ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके और शमार ने 4 विकेट लिए.

हालांकि गेंदबाज़ों का वर्चस्व शुरू से ही दिखा, जब कैमरन ग्रीन पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए थे. फिर भी ग्रीन ने पहली पारी में 46 और दूसरी में 42 रनों की उपयोगी पारियां खेलीं.वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने सीरीज़ में 14.95 की औसत से 22 विकेट झटके — जो 1999 के बाद किसी वेस्टइंडीज गेंदबाज़ द्वारा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.

वेस्टइंडीज ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में बनाया दूसरा सबसे कम स्कोर

एजेंसी । जमैका

टेस्ट क्रिकेट के न्यूनतम स्कोर (टॉप 5)

1.	न्यूज़ीलैंड	–	26 रन बनाम इंग्लैंड, 1955
2.	वेस्टइंडीज	–	27 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2025
3.	दक्षिण अफ्रीका	–	30 रन बनाम इंग्लैंड, 1896
4.	दक्षिण अफ्रीका	–	30 रन बनाम इंग्लैंड, 1924
5.	दक्षिण अफ्रीका	–	35 रन बनाम इंग्लैंड, 1899

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास में एक और शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबीना पार्क, जमैका में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज मात्र 27 रन पर ऑलआउट हो गई.

यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है.इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट का सबसे कम स्कोर न्यूज़ीलैंड के नाम है, जिसने 1955 में इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 26 रन बनाए थे.

वेस्टइंडीज की पारी 14.3 ओवर में ही सिमट गई. जस्टिन ग्रेव्स 24 गेंदों में 11 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए 9 रन देकर 6 विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक लेकर वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी.

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 204 रन के लक्ष्य का सफलता पूर्वक बचाव करते हुए यह मैच 176 रनों से जीत लिया.

जिन भारतीय बल्लेबाजों की वजह से एजबेस्टन फतह किया, उन्होंने ही लॉड्र्स में डुबोई टीम इंडिया की लुटिया

पुछल्ले बल्लेबाज ने बचायी इज्जत दिग्गज तास के पत्तों की तरह ढेर

एजेंसी । लंदन

इंग्लैंड ने लॉड्र्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन भारत को 22 रन से हराकर पांच मैच की सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई. अगला मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा. इंग्लैंड के 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 170 रन पर सिमट गई. मेहमान टीम की ओर से रवींद्र जडेजा ने सर्वाधिक नाबाद 61 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने 39 रन की पारी खेली. इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने तीन-तीन विकेट चटकाए.

इस हार के से फैंस काफी निराश हैं, लेकिन जडेजा, सिराज और बुमराह के जज्बे को सलाम कर रहे हैं.जडेजा ने दूसरी पारी में लगभग छह घंटे बल्लेबाजी की और 181 गेंदें खेलीं यानी 30 ओवर बल्लेबाजी की. इतना ही नहीं उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों को भी मैदान पर अपने साथ जमाए रखा, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था. जडेजा ने बुमराह को पुल शॉट नहीं खेलने को कहा.

बुमराह ने उनकी बात मानी भी और 53 गेंदों तक सॉलिड डिफेंस के साथ मैदान पर टिके रहे. हालांकि, स्टोक्स की एक शॉर्ट गेंद को वह हवा में खेल बैठे और कैच आउट हो गए. इसके बाद सिराज ने जडेजा का खूब साथ दिया. ऐसा लगा ही नहीं कि कोई पुछल्ला बल्लेबाज क्रीज पर था. दोनों के डिफेंस ने फैंस का दिल जीत लिया.सिराज ने भी टीम इंडिया को जीत दिलाने की खूब कोशिश की. शोएब बशीर की गेंद को उन्होंने सॉलिड डिफेंस भी किया, लेकिन गेंद रिवर्स स्पिन होकर विकेट पर जा लगी. इतने अच्छे डिफेंस के बाद गेंद का विकेट पर लगना किसी चमत्कार की तरह था.

ऐसा लगा कोई जादू हुआ हो. इसने सिराज और जडेजा का दिल तोड़ दिया और दोनों काफी निराश दिखे. हालांकि, इसने एक जवाब तो साफ कर दिया कि कोच गौतम गंभीर और आलोचक लीड्स में पहले टेस्ट के बाद जिन पुछल्ले बल्लेबाजों को हार की वजह बता रहे थे, उन्होंने मुंहतोड़ जवाब दे दिया.हालांकि, एजबेस्टन टेस्ट में जिस बल्लेबाजी के दम पर हमने जीत हासिल की थी, उन्होंने जरूर इस टेस्ट में धोखा दे दिया. दूसरी पारी में न तो राहुल चले, न ही पंत और न ही कप्तान गिल. कप्तान गिल तो दोनों पारियों में फेल रहे.

यशस्वी-गिल का फ्लॉप होना: शुरुआती दो टेस्ट में यशस्वी और गिल ने शानदार बल्लेबाजी की थी. यशस्वी को आने वाले समय का बड़ा बल्लेबाज माना जाता है, लेकिन इस टेस्ट में उनका खराब शॉट चयन टीम इंडिया की हार के मुख्य वजहों में से एक है. पहली पारी में वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर स्लिप में हैरी ब्रूक को कैच दे बैठे. वहीं, दूसरी पारी में आर्चर की ही गेंद पर हवा में गैरजिम्मेदाराना शॉट खेल बैठे और कैच आउट हुए.

पहली पारी में यशस्वी ने आठ गेंदें खेलीं और 13 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में सात गेंदें खेलीं और खाता भी नहीं खोल पाए. वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में 600+ रन बना लिए हैं, लेकिन जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उनका बल्ला खामोश रहा. पहली पारी में वह 44 गेंद में 16 रन और दूसरी पारी में नौ गेंद में छह रन बनाकर आउट हुए.

नंबर तीन की समस्या बरकरार: करुण नायर की वापसी ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी रन भी बनाए थे और मेहनत के दम पर वापसी की थी. हालांकि, इसके बाद से उनका खेल फिसड्डी हो गया है.

पहले टेस्ट में उन्हें छठे नंबर पर बल्लेबाजी दी गई तो सबने कहा कि यह उनका नैचुरल बैटिंग पोजिशन नहीं है. इसके बाद एजबेस्टन में सपाट पिच और लॉड्र्स में मुश्किल पिच पर उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने को कहा गया और इन दोनों जगह वह फ्लॉप हुए. अब तक तीन टेस्ट की छह पारियों में उनका स्कोर 0, 20, 31, 26, 40 और 14 रन का रहा है. तीसरे नंबर पर भारत को बेहतर विकल्प ढूंढ़ना होगा. करुण का फॉर्म अगर ऐसा ही रहा तो उन्हें फिर से ड्रॉप करने में समय नहीं लगेगा.

पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट न कर पाना: इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 271 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद भी भारतीय टीम उन्हें जल्दी नहीं समेट पाई. जेमी स्मिथ ने ब्रायडन कार्स के साथ आठवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी कर डाली. इससे इंग्लैंड 387 के स्कोर तक पहुंच पाया. भारत के साथ यह समस्या नई नहीं है. पहले भी कई बार जरूरी मौकों पर विपक्षी टीम के पुछल्ले बल्लेबाज भारत के खिलाफ रन बनाते रहे हैं.

आर्चर-स्टोक्स की मैराथन गेंदबाजी: स्टोक्स ने तो कमाल की गेंदबाजी की. कप्तान होने के नाते उन्होंने इंग्लैंड टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी खुद पर ली और लगातार गेंदबाजी करते रहे. पहला स्पैल उनका साढ़े नौ ओवर का रहा, फिर दूसरा स्पैल उनका छह ओवर का रहा. फिर उन्होंने आखिर में लगातार कई ओवर डाले. उनकी मैराथन गेंदबाजी ने इंग्लैंड को कई अहम विकेट दिलाए. स्टोक्स ने राहुल, आकाश दीप और बुमराह के विकेट झटके.

वहीं, आर्चर ने भी कमाल की गेंदबाजी की. उन्होंने यशस्वी, सुंदर और पंत को पवेलियन भेजा. स्टोक्स को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. हम बुमराह के लंबे स्पैल से देने से डरते हैं, भले ही अगले टेस्ट में कितना भी गैप हो. उनके वर्कलोड को सोचते हैं. गिल ने तीसरे टेस्ट के बाद भी बुमराह के मैनचेस्टर में खेलने को लेकर कोई पुष्टि नहीं की. वहीं, स्टोक्स भी हाल फिलहाल में कई बार चोटिल हुए, खेल से दूर रहे, लेकिन उन्होंने गेंदबाजी की और टीम को जीत दिलाकर ही माने

लॉड्र्स टेस्ट में मिली हार के बाद बोले कप्तान गिल

निचले क्रम का जुझारूपन और साहस काबिले तारीफ

एजेंसी । लंदन

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉड्र्स टेस्ट में टीम की कड़ी लड़ाई और खासतौर पर निचले क्रम के खिलाड़ियों के जुझारूपन की सराहना की. भारत इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम सत्र तक मुकाबला करता रहा, लेकिन जीत से महज 22 रन दूर रह गया.पांचवें दिन के पहले सत्र में भारत की स्थिति बेहद खराब रही और टीम 82 रन पर सात विकेट खो बैठी थी.

जीत के लिए अभी भी 111 रन की दरकार थी, लेकिन रवींद्र जडेजा ने नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ क्रमशः 30, 35 और 23 रनों की साझेदारी कर भारत को जीत के करीब ला दिया.गिल ने मैच के बाद कहा, "जडेजा भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं. इस सीरीज में उन्होंने लगातार चौथी फिफ्टी लगाई है और जिस तरह से उन्होंने संयम और धैर्य दिखाया, वह शानदार था. उन्होंने 55 में से 30 ओवर बल्लेबाजी की और 99 में से 61 रन बनाए. यह दिखाता है कि वह कितने भरोसेमंद खिलाड़ी हैं. निचले क्रम के साथ बल्लेबाजी करना हमने पहले दो मैचों में चर्चा की थी और आज जो साहस और जज्बा उन्होंने दिखाया, वो प्रशंसनीय है.गिल ने माना कि अंतिम दो दिन बल्लेबाजी में लय नहीं मिलने के कारण 192 रन का लक्ष्य मुश्किल बन गया. यशस्वी जायसवाल के शुरुआती विकेट के बाद राहुल और करुण नायर ने कुछ स्थिरता दी थी, लेकिन चौथे दिन स्टंप्स तक भारत 58/4 पर पहुंच चुका था, जिसमें गिल और नाइटहॉक आकाश दीप भी आउट हो गए थे.उन्होंने कहा, "अगर शीर्ष क्रम में एक-दो 50 रन की साझेदारी हो जाती, तो बाद में बल्लेबाजी आसान हो जाती, यह पहली बार था जब हमने सीरीज में वैसा प्रदर्शन नहीं किया, जैसा करते आए हैं. लेकिन ऐसा होता है. हमें लगा कि 192 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, अगर हम शुरुआती 20-25 ओवर संभाल लेते.

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 से बाहर हुए शोएब बशीर

एजेंसी । नई दिल्ली

इंग्लैंड के ऑफस्पिनर शोएब बशीर को हाथ की उंगली में फ्रैक्चर होने के कारण भारत के खिलाफ जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के बाकी बचे दो टेस्ट मैचों से बाहर कर दिया गया है. बशीर जल्द ही इस चोट के लिए सर्जरी करवाएंगे.बशीर को यह चोट तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन लगी, जब उन्होंने रविंद्र जडेजा का कैच पकड़ने की कोशिश की. यह घटना भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में हुई. चोट लगने के बाद वे मैदान से बाहर चले गए और शेष पारी में वापसी नहीं कर सके.हालांकि, इंग्लैंड की दूसरी पारी में वे बल्लेबाजी के लिए उतरे और 9 गेंदों में 2 रन बनाए. टेस्ट के पांचवें दिन भी बशीर ज़्यादातर समय मैदान से बाहर रहे, लेकिन जब भारत के निचले क्रम के बल्लेबाज़ इंग्लैंड को परेशान कर रहे थे, तब उन्हें गेंदबाज़ी के लिए बुलाया गया. आखिरकार, बशीर ने मोहम्मद सिराज का विकेट लेकर इंग्लैंड को रोमांचक जीत दिलाई.सीरीज़ में बशीर ने तीन टेस्ट में कुल 10 विकेट चटकाए और उनका गेंदबाज़ी औसत 54.1 रहा. पिछले कुछ वर्षों में बशीर इंग्लैंड के प्रमुख स्पिनर के रूप में उभरे हैं और उन्होंने अपने समरसेट टीममेट जैक लीच को पीछे छोड़ते हुए टीम में जगह बनाई थी.अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बशीर की अनुपस्थिति में जैक लीच की टीम में वापसी होती है या नहीं. रेहान अहमद, लियाम डॉसन और टॉम हार्टली जैसे नाम भी चयन की दौड़ में शामिल हैं.

अक्टूबर में इक्वाडोर व ऑस्ट्रेलिया के साथ दोस्ताना मैच खेलेगा अमेरिका

एजेंसी । अटलांटा

अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम (यूएसएमएनटी) अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी. यह दोनों टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं. यह मैच फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारी के तहत खेले जाएंगे, जो अमेरिका में ही आयोजित होने वाला है. दुनिया की टॉप 25 टीमों में शामिल इन दोनों टीमों के खिलाफ होने वाले मैच अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए अहम मौके होंगे.

यह मैच अमेरिका को वर्ल्ड कप की मजबूत टीमों से खेलने का मौका देंगे. इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अगले साल वर्ल्ड कप में उन्हें किस तरह की टीमों और खेलने के तरीकों का सामना करना पड़ सकता है.इक्वाडोर पांचवीं बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है. वह अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ दक्षिण अमेरिका की उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है. वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करते हुए वर्ल्ड कप में जगह पक्की की है.

ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेगा.अमेरिका 10 अक्टूबर को टेक्सास स्थित ऑस्टिन के क्यू2 स्टेडियम में इक्वाडोर की मेजबानी करेगा. इक्वाडोर के खिलाफ यूएसए का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच हार और इतने ही ड्रॉ का रहा है.टेक्सास में खेले गए मुकाबलों में भी अमेरिका का इक्वाडोर के खिलाफ रिकॉर्ड बराबरी (1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ) पर रहा है. यह मैच ह्यूस्टन, फोर्ट वर्थ और फ्रिस्को में खेले गए थे.

चार दिन बाद, 14 अक्टूबर को यूएसए की टीम कोलोराडो के कॉमर्स सिटी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी.अमेरिकी टीम अब तक इतिहास में केवल तीन बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी है. दोनों टीमें 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बराबरी पर हैं.

इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला 5 जून 2010 को खेला गया था, जिसमें अमेरिका ने 3-1 से जीत दर्ज की थी. इस मुकाबले में एडसन बडल ने दो गोल किए थे, जबकि हरक्यूलिस गोमेज ने इंजरी टाइम में एक गोल दागकर जीत पक्की की थी. यह मैच रूडेपोर्ट, दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था.दोनों टीमों ने अमेरिकी धरती पर दो बार एक-दूसरे का सामना किया है.

यह मुकाबले अमेरिका के सितंबर में होने वाले दोस्ताना मैचों के बाद खेले जाएंगे. दोस्ताना मैच दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ होंगे. इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका को कोनकाकाफ गोल्ड कप के फाइनल में मेक्सिको के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था.

अनुबंध

क्रोएशिया के कप्तान व दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड से 13 साल का लंबा सफर खत्म किया

लुका मोड्रिक एसी मिलान से जुड़े, एक साल का किया करार

एजेंसी । नई दिल्ली

क्रोएशिया के कप्तान और दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड से 13 साल का लंबा सफर खत्म कर इटली के प्रसिद्ध क्लब एसी मिलान के साथ एक साल का करार किया है.

इस अनुबंध को जून 2027 तक बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है. सोमवार को सीरी ए क्लब एसी मिलान ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की.39 वर्षीय मोड्रिक की मिलान में एंट्री की पुष्टि क्लब के नए कोच मास्सिमिलियानो एलेग्री ने इस महीने की शुरुआत में ही कर दी थी. मोड्रिक मिलान के लिए जर्सी नंबर 14 पहनेंगे.मोड्रिक को दुनिया के महानतम मिडफील्डरों में गिना जाता है. उन्होंने मई में घोषणा की थी कि क्लब वर्ल्ड कप के बाद वह रियल मैड्रिड को अलविदा कहेंगे. उन्होंने स्पेनिश क्लब के लिए 597 मैच खेले और 28 ट्रॉफियां जीतीं, जिनमें चार ला लीगा और छह चैंपियंस लीग खिताब शामिल हैं.

रियल मैड्रिड के लिए उन्होंने अपना अंतिम मुकाबला बुधवार को खेला, जिसमें वह क्लब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाफ दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे. इस मैच में रियल को 0-4 की हार झेलनी पड़ी.मैच के बाद रियल मैड्रिड के मैनेजर और पूर्व खिलाड़ी ज़ाबी अलोंसो ने कहा, ₹यह एक कड़वा अंत है.वह विश्व फुटबॉल और रियल मैड्रिड के लिए एक लीजेंड हैं. उन्हें उनके शानदार योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा, न कि आज के 25 मिनट के खेल के लिए.क्रोएशिया के अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माने जाने वाले मोड्रिक ने अपने देश के लिए 188 मुकाबलों में 28 गोल किए हैं. उन्होंने 2018 फीफा विश्व कप में क्रोएशिया को पहली बार फाइनल तक पहुंचाया और गोल्डन बॉल जीती.

उसी साल उन्होंने बैलन डी'ऑर भी जीता और 2007 के बाद पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बादशाहत को तोड़ा.मोड्रिक की एंट्री से एसी मिलान का मिडफील्ड और मजबूत हो गया है, जहां पहले से यूसुफ फोफाना, युनुस मुसाह और रुबेन लॉफ्टस-चीक जैसे खिलाड़ी हैं. साथ ही सैमुएल रिक्की भी इस महीने की शुरुआत में टोरिनो से मिलान में शामिल हुए हैं.

स्कॉट बोलैंड : वो इकलौता गेंदबाज जिसके नाम 'पिंक बॉल टेस्ट' में हैट्रिक

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड 'पिंक बॉल टेस्ट' में हैट्रिक लेने वाले विश्व के इकलौते गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने यह कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान किया.

स्कॉट बोलैंड ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के 14वें ओवर में यह कीर्तिमान रचा. उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर जस्टिन ग्रीव्स को वेबस्टर के हाथों कैच आउट कराया, जिसके बाद शमर जोसेफ को पगबाधा आउट किया.स्कॉट बोलैंड इतिहास रचने से एक कदम दूर थे. जोमेल वारिकन बल्लेबाजी के लिए उतरे और बोलैंड ने उन्हें बोल्ड करते हुए हैट्रिक पूरी कर ली. इसी के साथ स्कॉट बोलैंड टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले 10वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी बन गए.स्कॉट बोलैंड ने इस पारी में महज दो ओवर डाले, जिसमें दो रन देकर तीन शिकार किए. दूसरे छोर पर उनका साथ मिचेल स्टार्क ने दिया, जिन्होंने 7.3 ओवरों में नौ रन देकर छह विकेट अपने नाम किए. इन गेंदबाजों के सामने वेस्टइंडीज महज 27 रन पर सिमट गई. यह टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर रहा.सबीना पार्क में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 225 रन बनाए. टीम के लिए कैमरून ग्रीन ने सर्वाधिक 46 रन की पारी खेली. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी महज 143 रन पर सिमट गई.ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 82 रन की लीड थी. मेहमान टीम ने दूसरी पारी में 121 रन बनाकर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 204 रन का टारगेट दिया. वेस्टइंडीज की टीम महज 27 रन पर सिमट गई . ऑस्ट्रेलिया ने 176 रन से मैच अपने नाम कर लिया. मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया.

ब्रीफ न्यूज

मरकच्चो में सर्पदंश से नाबालिग की मौत

मरकच्चो (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत बरियारडीह स्थित बिरहोर टोला में सोमवार की 11 बजे रात एक बच्ची की सर्पदंश से मौत हो गई. मृत बच्ची की पहचान 7 वर्षीय रिंकी बिरहोरनी, पिता लोकन बिरहोर के रूप में की गई है. मृत बच्ची के पिता लोटन बिरहोर ने बताया कि सोमवार की देर रात जब वे लोग अपने घर में सोए हुए थे. इसी बीच एक जहरीला सांप (गेहूवन) ने हमारी 7 वर्षीय बच्ची को डस लिया. जिसके बाद 108 एंबुलेंस से आनन-फानन में बच्ची को लेकर सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे. जहां चिकित्सकों ने कहा कि बच्ची के शरीर में जहर पूरी तरह से फैल चुका है.

मूसलाधार बारिश से गरीब का घर ध्वस्त

हंटरगंज(चतरा)। हंटरगंज प्रखंड के गेरुआ गांव में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश एक गरीब परिवार के लिए आफत बन गई है. बारिश के कारण मजदूरी कर गुजारा करने वाले दिलीप ठाकुर का कच्चा मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो गया. उनकी पत्नी सोनी देवी ने बताया कि रात के समय परिवार ढाबा में सो रहा था, तभी घर गिर गया. घर में रखे अनाज, कपड़े और जरूरी कागजात मलबे में दब गए, जिससे परिवार पर भूखमरी की नौबत आ गई है.पीड़िता ने कहा कि आज तक उन्हें न पीएम आवास मिला, न अबुआ आवास योजना का लाभ. निजी खर्च से घर बनाना संभव नहीं है. उन्होंने प्रशासन से राहत शिविर, खाद्यान्न और वैकल्पिक आवास की मांग की है.

फेसबुक के माध्यम से 50,000 की हुई ठगी

झुमरी तिलैया (कोडरमा)। तिलैया थाना क्षेत्र के गझंडी निवासी विनय कुमार, पिता शंभू राम के द्वारा तिलैया थाना में आवेदन देकर फेसबुक के माध्यम से 50000 की ठगी होने की शिकायत की गई है. उन्होंने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले सन्नी कुमार के फेसबुक अकाउंट से उन्हें 50000 की मांग की गई थी. उन्होंने कई किस्तों में ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कर दिया .इसके बाद फिर 10000 मांगा गया तो उन्हें शक हुआ. जिसके बाद जब उन्होंने सन्नी से संपर्क किया तो सन्नी ने रुपए मांगने से इनकार कर दिया. उनके साथ हुए साइबर ठगी की शिकायत उन्होंने पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है.

समाजसेवा के कार्यों के लिए सम्मानित होंगे राम कुमार

जयनगर (कोडरमा)। समाजसेवा की मिसाल बन चुके राम कुमार को उनके रक्तदान और अंगदान जागरूकता अभियान में अद्वितीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा. नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (नीफा) द्वारा दिल्ली और करनाल में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा.राम कुमार ने न केवल अनेक मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया, बल्कि अंगदान जैसे संवेदनशील विषय को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का उल्लेखनीय कार्य किया है. उन्होंने और उनकी पत्नी छोटी कुमारी ने मृत्युपरांत अंगदान की शपथ लेकर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है. कोविड महामारी के दौरान उन्होंने मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाई थी. उन्होंने जरूरतमंदों को ऑक्सीजन, अस्पताल में बेड, और राहगीरों के लिए भोजन की व्यवस्था कराई थी. वर्तमान में भी वे सदर अस्पताल व जिला प्रशासन के साथ मिलकर मरीजों की सहायता करते हैं.राम कुमार समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं.

कोडरमा में तीन दिवसीय यक्ष्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवनियुक्त कर्मियों को दी गई व्यापक जानकारी

शुभम संदेश । कोडरमा

जिला यक्ष्मा कार्यक्रम के तहत नवनियुक्त कर्मियों (डी.पी.एस., पी.पी.एम., लेखापाल, एस.टी.एस., एस.टी.एल.एस., टीबी.एच.भी) के लिए तीन दिवसीय यक्ष्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिविल सर्जन सभागार में किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिल कुमार, सिविल सर्जन कोडरमा ने की, जबकि जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमण कुमार ने टीबी (तपेदिक) बीमारी के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की.

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नवनियुक्त कर्मियों को टीबी से संबंधित जानकारी देना था, जिसमें बीमारी के लक्षण, जांच के विभिन्न तरीके, सैंपल संग्रहण की सही विधियां आदि शामिल हैं. राज्य यक्ष्मा सलाहकार डॉ. पुलत्स्य थवाईत और चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बिपीन कुमार ने भी यक्ष्मा के मोड्यूलर प्रशिक्षण के तहत आवश्यक तकनीकी एवं चिकित्सीय ज्ञान साझा किया. प्रशिक्षण का संचालन श्री अखिलेश कुमार, डीपीसी ने किया.

डॉ. पुलत्स्य थवाईत ने टीबी के प्रमुख लक्षणों जैसे दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, थूक में खून आना, सीने में दर्द, वजन कम होना आदि की विस्तृत जानकारी दी. साथ ही, माइक्रोस्कोप, ट्रूनेट, सीबीनेट के माध्यम से बलगम जांच एवं एक्स-रे की महत्ता पर जोर दिया गया. डॉ. बिपीन कुमार ने फेफड़े की टीबी के अलावा अन्य अंगों में टीबी के लक्षण, जांच और दवा की सही खुराक पर चर्चा की. उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों का नियमित परीक्षण और मॉनिटरिंग जरूरी है तथा मरीज के संपर्क में आए व्यक्तियों को टीपीटी दवा दी जाती है.

डॉ. अनिल कुमार ने नवनियुक्त कर्मियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों व विद्यालयों में यक्ष्मा रोग की जागरूकता फैलाएं. सहिया के माध्यम से संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनका परीक्षण सुनिश्चित करें. साथ ही, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को टीबी मुक्त भारत अभियान 2025 की जानकारी देते हुए सहयोग सुनिश्चित करें. उन्होंने प्रति माह प्रति सहिया चार संदिग्धों की पहचान कर जांच कराने का लक्ष्य भी निर्धारित किया.

इस प्रशिक्षण में आदित्य कुमार, अनु पांडेय, अरविंद कुमार, विकास कुमार, अजय कुमार, सुनीता कुमारी, अनील कुजूर, अवन कुमार दिवाकर, धीरेन्द्र कुमार चंद्रवंशी, सालिक जफर सहित अन्य नवनियुक्त कर्मी उपस्थित थे.

समेकित निरीक्षण अभियान के तहत 16 प्रखंडों में समीक्षा एवं जनसुनवाई अभियान

मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच में हुई नई संवेदनशील पहल

शुभम संदेश । हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर मंगलवार को जिले के सभी 16 प्रखंडों में एक व्यापक और समेकित निरीक्षण एवं समीक्षा अभियान चलाया गया.

इस पहल का उद्देश्य सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा, जनसमस्याओं का समाधान और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना रहा.इस अभियान के तहत पूर्व में नामित वरीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने प्रखंडों में पहुंचकर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए और क्षेत्र भ्रमण कर विभिन्न योजनाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया.सभी वरीय अधिकारियों ने विद्यालयों में जाकर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच की. खास बात यह रही कि अधिकारियों ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया. इसका उद्देश्य सिर्फ गुणवत्ता की जांच नहीं, बल्कि बच्चों की पसंद, भोजन की मात्रा और पौषण स्तर की प्रत्यक्ष समझ बनाना भी था. इस पहल से विद्यालयों में जिम्मेदारी की भावना भी जागृत हुई और बच्चों में उत्साह का माहौल रहा.

मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन जैसी प्रमुख योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा की गई. कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और लाभुकों तक पहुंच को लेकर अधिकारियों ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की.ऑनलाइन म्यूटेशन की स्थिति, लंबित मामलों की संख्या एवं निष्पादन की गति की गहन समीक्षा की गई. सेवा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त सेवाओं की समयसीमा और निष्पादन पर भी विशेष ध्यान दिया गया.पीवीटीजी समुदाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया गया कि इन्हें योजनाओं का पूरा लाभ ससमय मिले. स्वास्थ्य केंद्रों में दवा उपलब्धता, साफ-सफाई, चिकित्सीय सेवाओं और संसाधनों की स्थिति की जांच की गई.धान अधिप्राप्ति केंद्रों की कार्यशीलता, किसानों से धान खरीद की पारदर्शिता और भुगतान प्रक्रिया की जांच की गई. बारिश के चलते हुए नुकसान, खासकर कच्चे मकानों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति का आकलन कर राहत कार्यों की योजना बनाई जा रही है.उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने कहा, ₹इस समेकित निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य योजनाओं को धरातल पर प्रभावी बनाना, लाभुकों तक उसका लाभ पहुंचाना और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना है.₹इस दौरान उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद, अपर समाहर्ता संतोष कुमार, एसडीओ, डीआरडीए निदेशक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता समेत कई अधिकारी शामिल रहे.

उपायुक्त ने बंदोबस्त पदाधिकारी का प्रभार ग्रहण किया

हजारीबाग । उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने मंगलवार को हजारीबाग जिले के बंदोबस्त पदाधिकारी के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने बंदोबस्त कार्यालय पहुंचकर कार्यों की समीक्षा की एवं अधिकारियों-कर्मचारियों से विभागीय कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की ।उपायुक्त ने कार्यालय में कर्मियों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने बंदोबस्त से संबंधित अभिलेखों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित संधारण के निर्देश अधिकारियों को दिए ।उपायुक्त ने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का भ्रमण कर कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा यह जानकारी प्राप्त की कि बंदोबस्त से संबंधित कितने प्रकरण वर्तमान में लंबित हैं.

जिले के सभी अंचलों में 16 को लगाया जाएगा विशेष राजस्व शिविर

चतरा: आम नागरिकों को राजस्व से जुड़ी पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उनके द्वार पर उपलब्ध कराने की दिशा में चतरा जिला प्रशासन सतत प्रयास कर रहा है. इसी क्रम में उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देश पर जिले के सभी 12 अंचलों में विशेष राजस्व शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. इन शिविरों का संचालन दो चरणों—प्रथम चरण और द्वितीय चरण में किया जाएगा, ताकि अधिकतम लोग इसका लाभ उठा सकें.प्रथम चरण में दिनांक 16 से 18 जुलाई तक चतरा, गिद्धौर, कुंदा, लावालौंग, हंटरगंज और प्रतापपुर अंचलों में शिविर लगाए जाएंगे. वहीं, 21 से 23 जुलाई तक सिमरिया, टंडवा, पत्थलगड़ा, कान्हाचट्टी, इटखोरी और मयूरहंड अंचलों में शिविर आयोजित होंगे. द्वितीय चरण में 29 और 30 जुलाई को सभी अंचलों में एक साथ शिविर लगेगा. इन शिविरों में दाखिल-खारिज, नामांतरण, बंटवारा, रसीद निर्गमन, भू-अभिलेख त्रुटि सुधार, जाति,आय, आवासीय प्रमाण पत्र निर्गमन सहित अन्य राजस्व मामलों का ऑन-स्पॉट निपटारा किया जाएगा. साथ ही, जनता दरबार में प्राप्त लंबित आवेदनों पर भी प्राथमिकता से कार्रवाई होगी.शिविर का संचालन प्रत्येक अंचल कार्यालय परिसर में प्रातः 10:00 बजे से किया जाएगा, जहां संबंधित अंचलाधिकारी व राजस्व कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे. सभी आवेदनों को प्राथमिकता देते हुए तत्काल निपटारा सुनिश्चित किया जाएगा.

शिक्षा विभाग के कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा, कहा

शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त करें

शुभम संदेश । रामगढ़

शिक्षा विभाग द्वारा जिले में किए जा रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक हुई.बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत कार्यात्मक साक्षरता प्राप्त किया जाए .

इसके लिए उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी को बृहद रूप से सर्वे कर फ्लोचार्ट तैयार करने एवं प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ।बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा मध्यान भोजन अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उनके द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुरूप बच्चों को मध्यान भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया.मध्यान भोजन अंतर्गत कार्यरत रसोइयों का आयुष्मान कार्ड व पेंशन संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने शेष बचे रसोइयों का आयुष्मान कार्ड बनवाने व उनके पेंशन शुरू करने को लेकर गंभीरता पूर्वक कार्य करने एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समन्वय करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए. विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, शौचालय आदि की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जिन विद्यालयों में जलापूर्ति की उपलब्धता नहीं है उन्हें चिन्हित कर कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से समन्वय करते हुए तत्काल रूप से कार्य करने एवं जल्द से जल्द सभी विद्यालयों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा बच्चों के बीच किताबें, यूनिफॉर्म, स्कूल बैग आदि उपलब्ध कराने के तहत अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष बचे बच्चों की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी से ली जिस पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बैंक अकाउंट नहीं होने के कारण शेष बच्चों को सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है.

शहर में सूखे पेड़ों को लेकर सख्त हुए विधायक

नगर निगम व वन विभाग की टीम ने किया निरीक्षण

शुभम संदेश । हजारीबाग

भारी बारिश के बीच मंगलवार को सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के निर्देश पर नगर निगम व वन विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में सूखे पेड़ों की पहचान के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया. विधायक की टीम स्वयं सड़कों पर उतरी और नीलांबर-पीतांबर चौक, वेल्स ग्राउंड, डिस्टिक मोड़, कार्मेल स्कूल गेट, बस स्टैंड, मुनका बगीचा, पूजा रेस्टोरेंट, झील परिसर, कार्मल चौक, झंडा चौक, देवागना सहित कई स्थानों का जायजा लिया गया. निरीक्षण के दौरान चिन्हित किया गया कि शहरी क्षेत्र में कई पुराने सूखे पेड़ अब खतरे का कारण बन चुके हैं. बारिश और तेज हवाओं के कारण इनके गिरने की आशंका बढ़ गई है, जिससे आम नागरिकों की जान-माल को नुकसान हो सकता है. इसी को देखते हुए विधायक ने नगर निगम एवं वन विभाग को निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर सभी सूखे पेड़ों को जल्द से जल्द हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा, "मेरे संज्ञान में यह बात आई थी कि शहर के कई हिस्सों में सूखे पेड़ खतरा बन रहे हैं. इसलिए यह कदम उठाया गया है ताकि आम जनता सुरक्षित रह सके. मैंने यह मुद्दा पूर्व में सदन में भी उठाया था."नगर निगम और वन विभाग की टीमों ने बताया कि चिन्हित पेड़ों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा. इस दौरान ट्रैफिक व आमजन की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा. विधायक प्रतिनिधियों ने जनता से अपील की है कि वे भी सहयोग करें और अपने इलाके में सूखे पेड़ों की सूचना प्रशासन या विधायक कार्यालय को दें.

अव्यवस्था

बाहर से आनेवाले श्रद्धालुओं को ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं

कौलेश्वरी मंदिर में उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

विनोद यादव । हंटरगंज

चतरा जिले के हंटरगंज प्रखण्ड स्थित विश्व ख्याति प्राप्त तीन धर्मो का संगम स्थल मां कौलेश्वरी मंदिर में सावन के पावन महिना में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. देश विदेश से पर्यटक यहां माता के दर्शन व पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं वही पर्वत पर स्थित शिव मंदिर के शिवालय में जलाभिषेक कर रहे हैं सबसे पहले श्रद्धालु मंदिर के मुख्य द्वार से लगभग 1800 फीट की ऊंचाई पर चढ़ कर पर्वत पर स्थित सरोवर में स्नान कर रहे हैं .

तत्पश्चात पूजा अर्चना व जलाभिषेक करते है इस दौरान कौलेश्वरी सेवा संस्था की ओर से निःशुल्क शरबत की वितरण किया जा रहा है.परंतु इस बारिश भरे मौसम में बाहर से आने वाले श्रद्धालु जो कि आर्थिक रूप से असक्षम है उनके रूकने के लिए किसी भी प्रकार के प्रबंध नहीं हैं. मंदिर के सामने ही धर्मशाला है जो इन दिनों बदहाली का आंसू रो रहा है.धर्मशाला के छत से पानी टपक रही है.

जिसके चलते मंदिरों के दर्शन करने वाले श्रद्धालु को इस बारिश भरे मौसम में रात हो जाने की स्थिति में कहां रूके यह उनके सामने समस्या बन जाती है.

ऐसी स्थिति में उन्हें यदि रात्रि विश्राम करना है तो मंदिर से 10 किलोमीटर दूर प्रखण्ड मुख्यालय या 40 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय में निजी धर्मशालायें हैं उन्हें ढूंढने के लिए श्रद्धालु इधर-उधर भटकते हुए परेशान होते हैं.

कई बार स्थिति यह होती है कि आर्थिक रूप से गरीब परिवार के श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पहुंचते है उनके लिए निजी धर्मशालाओं एवं लॉज का किराया चुकाना भी काफी मंहगा होता है.ऐसे में वह काफी परेशान हो रहे हैं.

बताते चले कि इस मंदिर से सरकार की महीना की आमदनी लाखों की है.वही जहां एक ओर झारखंड सरकार और भारत सरकार लोक के नाम से कार्य किए जाने हैं ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि तीन धर्मो के संगम स्थल कौलेश्वरी मंदिर के निर्माण कार्य में एक व्यवस्थित और सुविधायुक्त धर्मशाला का निर्माण श्रद्धालुओं के लिए किया जाये. जिसके संचालन के लिए सुविधानुसार कुछ शुल्क का भी निर्धारण किया जा सकता है.जिला प्रशासन और जिले के जनप्रतिनिधियों को इस संबध में ध्यानाकर्षण आपेक्षित है.

देवघर में कोडरमा के कांवरिया की मौत

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़कीधमराय गांव के एक कांवरिया की देवघर में मौत हो गयी. घटना के बाद पूरे गांव में मातम हो गया बै. बताया जाता है कि प्रकाश प्रसाद (37 वर्ष), पिता प्रसादी महतो विगत 11 जुलाई को घर से देवघर के लिए निकला था.श्रावणी मेला में सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाकर बाबा धाम देवघर के लिए पैदल यात्रा शुरू किया. पैदल यात्रा में चलते चलते 13 जुलाई को दम घुटने से उसकी मौत हो गयी. मृतक का शव मंगलवार को स्थानीय मुखिया सरजू वर्मा एवं उनके परिजनों के सहयोग से लाया गया.मृतक के परिजन ने सरकार व प्रशासन से मुआवजा की मांग की है. वही मुखिया सरजू वर्मा ने कहा कि इस तरह से तीर्थ स्थल पर मौत होता है तो सरकार द्वारा मृतक के परिजनों को मुआवजा देना चाहिए.

एक नजर

धकोकसं का अधिवेशन 12 अगस्त को

धनबाद। मंगलवार को विश्वकर्मा भवन में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ की बैठक अध्यक्ष मुरारी तांती की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में परामर्शदात्री, पदाधिकारी और पूर्ण कार्यसमिति की बैठकें हुईं. इसमें 12 अगस्त 2025 को अधिवेशन आयोजित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माधव सिंह एवं महामंत्री उमेश सिंह ने कहा कि अधिवेशन का निर्णय संगठनात्मक अनुशासन के तहत लिया गया है. बैठक में बोर्ड सदस्य ओम सिंह, एबीकेएमएस मंत्री कृष्णा सिंह, संयुक्त महामंत्री नवनीत सिंह, मंतोष तिवारी, राघवेंद्र पांडेय सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे. इसी क्रम में ओम सिंह ने बीसीसीएल कतरास क्षेत्र के तिलाटांड रिजनल अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां एक्स-रे मशीन की अनुपलब्धता, डॉक्टरों की कमी और भवन मरम्मत सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी पाई गई. उन्होंने जल्द सुधार की मांग की.

डीएमएफटी, सहकारिता टीम का दौरा

धनबाद। उपायुक्त के निर्देशानुसार मत्स्य पालन में तकनीकी समझ का निर्माण करना, एसएचजी सदस्यों, ग्रामीण युवाओं तथा बेलगड़िया के लोगों की आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को डीएमएफटी, जेआरडीए और सहकारिता विभाग की संयुक्त टीम ने तोपचाची प्रखंड के गुनघुशा पंचायत का दौरा किया. जिला मत्स्य पदाधिकारी उषा किरण ने बताया कि टीम ने वहां बायोफ्लोक टैंक और बायोफ्लोक तालाब इकाइयों का दौरा किया. मत्स्य पालन की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया. जल निकायों में पिंजरे में मछली पालन की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रदर्शन किया. टीम ने जलीय कृषि गतिविधियों में लगे किसानों के साथ एक संवाद व शिक्षण सत्र आयोजित किया. इसका उद्देश्य उनमें तकनीकी समझ विकसित करना और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों तथा ग्रामीण युवाओं के बीच इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था. टीम ने खरखरी में भी मछली पालन इकाई का दौरा किया. मौके पर डीएमएफटी पीएमयू के अमर श्रीवास्तव, जेआरडीए के सलाहकार श्री डीएन माहापात्रा, किसलय कांत, मत्स्य विभाग के कर्मी व अन्य लोग मौजूद थे.

बीएलओ को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का प्रशिक्षण

धनबाद। भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार 40 धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को बूथ लेवल ऑफिसर को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का प्रशिक्षण अनुमंडल कार्यालय (पुराना समाहरणालय) के सभागार में दिया गया. इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक राजकुमार वर्मा, राजेश साहनी, सतीश राय व बिनोद सिंह ने पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। साथ ही गणना प्रपत्र के संबंध में विस्तृत जानकारी दी. प्रशिक्षण के बाद ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया. इसके मूल्यांकन के बाद सभी पर्यवेक्षक व बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

जन शिकायत पदाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

धनबाद। मंगलवार को प्रभारी जन शिकायत पदाधिकारी नियाज अहमद ने समाहरणालय स्थित सभागार में जन सुनवाई आयोजित की. जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतों को उन्होंने ध्यानपूर्वक सुना और उनके आवेदन प्राप्त कर संबंधित विभागों को शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया. जनता दरबार में भूमि पर अवैध कब्जा हटाने, अबुआ आवास की द्वितीय किस्त भुगतान, जन वितरण प्रणाली की दुकान आवंटन, भूमि मापी, म्यूटेशन रद्द, रास्ता निर्माण, विद्यालय को 10+2 का दर्जा, आंगनबाड़ी सेविका चयन, दिव्यांगों को स्कूटी प्रदान, रोजगार उपलब्धता, वज्रपात से मुआवजा, दाखिल-खारिज, पारिवारिक विवाद, जर्जर भवन की मरम्मत, जल मीनार और शौचालय निर्माण, स्वयं सहायता समूह से जुड़ी समस्याएं, पंचायत स्तर की शिकायतें, एवं गैराबाद भूमि से अतिक्रमण हटाने से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुईं. पदाधिकारी ने सभी उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है. सभी मामलों में नियमों के तहत शीघ्र कार्रवाई की जाएगी. जन सुनवाई में आए लोगों ने अपनी बात रखकर समाधान की आशा जताई.

वृद्धा का कच्चा मकान ढहा, लगाई गुहार

टुंडी। पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत लटानी गांव निवासी वृद्धा नीरू वाला देवी का मिट्टी का मकान भारी बारिश के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. नीरू देवी निसंतान हैं और उनका कोई कमाने वाला सदस्य नहीं है. वे सिर्फ वृद्धा पेंशन के सहारे जैसे-तैसे अपना जीवन चला रही हैं. उनका मकान पहले से ही जर्जर स्थिति में था और अब बारिश के कारण उसकी दीवारें ढहने लगी हैं. मकान का पिछला हिस्सा पूरी तरह गिर चुका है, जिससे कभी भी पूरा मकान धराशायी हो सकता है. नीरू देवी ने बताया कि रात को सोते समय उन्हें घर गिरने का डर बना रहता है, लेकिन मजबूरी में वहीं रहना पड़ रहा है. उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या अबुआ आवास योजना का कोई लाभ नहीं मिला है. पैसे की कमी से नया घर नहीं बना सकतीं. उन्होंने प्रशासन से सरकारी आवास उपलब्ध कराने की अपील की है.

शहीद शक्तिनाथ की जयंती मनाने का निर्णय

तेतुलमारी। शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक समिति की एक बैठक शक्ति चौक में मंगलवार को आयोजित की गई. शिव प्रसाद महतो की अध्यक्षता में 2 अगस्त को शहीद शक्ति नाथ महतो जयन्ती समारोह को लेकर विचार विमर्श हुआ. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शहीद शक्ति नाथ महतो की जयन्ती धूमधाम से शहीद चौक पर मनायी जायगी.

बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े पहलुओं पर की गई चर्चा

जयनगर (कोडरमा) । प्रखंड सभागार में सोमवार को ब्लॉक लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने की, जबकि लीड बैंक मैनेजर विमल झा की उपस्थिति में बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई.बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को और अधिक मजबूत बनाना तथा सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं को पारदर्शिता के साथ आम जनता तक पहुँचाना रहा.

योजना के लाभुकों के लिए लगा विशेष शिविर

जयनगर (कोडरमा)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभुकों को शीघ्र पहली किस्त की राशि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रखंड प्रशासन जयनगर द्वारा उपायुक्त के निर्देश पर एक विशेष बैंक शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में बड़ी संख्या में लाभुकों ने भाग लिया और आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर ऑन-द-स्पॉट एनपीसीआई मैपिंग करवाई.शिविर में प्रखंड क्षेत्र की सभी बैंक शाखाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे. लाभुक आधार कार्ड, आधार लिंक मोबाइल नंबर और बैंक पासबुक के साथ शिविर स्थल पहुंचे, जहां उनकी मैपिंग की प्रक्रिया त्वरित रूप से पूरी की गई. कई लाभुक जो अब तक तकनीकी कारणों से मैपिंग नहीं करा पाए थे, उन्हें इस शिविर से विशेष लाभ मिला.

चौपारण में गंदगी से स्कूल बच्चों को हो रही परेशानी

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड मुख्यालय चौपारण में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है. खासकर केबीएसएस स्कूल के मुख्य गेट के सामने अतिक्रमण के कारण गंदगी का अंबार जमा हो गया है, जिससे विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों और अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि गेट के सामने लगे ठेले, दुकानों और अन्य अतिक्रमण के कारण रास्ता संकरा हो गया है. वहीं, गंदगी और कचरे के ढेर से बदबू फैल रही है. बरसात के मौसम में पानी जमा होने से हालात और बिगड़ रहे हैं. इससे मच्छर पनपने की आशंका के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है. इस मामले में स्कूल के प्रधानाध्यापक को भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि विद्यालय परिसर और उसके आसपास सफाई व्यवस्था बनी रहे.

कैंसर पीड़िता कलावती देवी को मिला सरकारी मदद

बरही (हजारीबाग): करियातपुर पंचायत के शिवपुर गांव निवासी कलावती देवी, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं, अब मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत बेहतर इलाज पा सकेंगी. निजी स्तर पर इलाज कराते-कराते जब परिवार की सारी जमा पूंजी समाप्त हो गई, तब उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार से मदद की गुहार लगाई.सिकंदर कुमार ने ट्विटर के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और जिला उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से संपर्क कर सहायता की मांग की.

5000 से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में फंसे

काठमांडू। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास की ओर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए वीजा प्रक्रिया में देरी करने के कारण करीब 5000 से अधिक भारतीय श्रद्धालु काठमांडू में फंसे हुए हैं. नेपाल में कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूरिस्ट और ट्रैकिंग कंपनियों ने चीनी दूतावास से अनुरोध किया है कि वो वीजा प्रक्रिया में देरी किए बिना भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा को सहज बनाने में मदद करे. भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूर ऑपरेटरों के संगठन एसोसिएशन ऑफ कैलाश टूर ऑपरेटर्स नेपाल के महासचिव प्रदीप पंडित ने बताया कि चीनी दूतावास की तरफ से वीजा प्रक्रिया में विलंब किए जाने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. नेपाल और चीन को जोड़ने वाला तातोपानी नाका और रसुवा नाका दोनों ही इस बार बाढ़, बारिश तथा भूस्खलन के कारण बंद हो गए हैं. इस कारण से भी सड़क मार्ग से कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले भारतीय श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है. प्रमोद पंडित ने बताया कि इस समय पांच हजार से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में ही फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार के माध्यम से तथा स्वयं टूर ऑपरेटर्स भी चीनी दूतावास के अधिकारियों से वीजा प्रक्रिया में देरी नहीं करने के लिए बार-बार आग्रह कर रहे हैं लेकिन चीनी दूतावास की तरफ से सकारात्मक जवाब नहीं मिल रहा है. नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से भी चीनी दूतावास से समन्वय का काम किए जाने की जानकारी दी गई है.

न्यूज अपडेट

अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे में टोल टैक्स की वसूली स्थगित हुई

गांधीनगर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे को लेकर विशेष घोषणा की है. भारतमाला प्रोजेक्ट अंतर्गत महत्वपूर्ण अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे (एनएच-754के) पर सांचौर-सांतलपुर सेक्शन के पैकेज-4 में हाल में मरम्मत कार्य के चलते यहां 28.71 किलोमीटर के स्ट्रेच में लागू टोल टैक्स (पथ कर) अल्पकाल के लिए स्थगित किया गया है. एनएचएआई की तरफ से जारी बयान के मुताबिक 15 जुलाई की सुबह 8 बजे से यह लागू हो जाएगा. मरम्मत का निर्धारित कार्य पूर्ण होने तक 28.71 किलोमीटर के स्ट्रेच का टोल नागरिकों के लिए फ्री रहेगा.

34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेशी तटरक्षकों ने हिरासत में लिया

दक्षिण 24 परगना। बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने के दौरान गलती से बांग्लादेशी सीमा में प्रवेश करने के बाद 34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश कोस्ट गार्ड ने हिरासत में ले लिया है. रविवार रात करीब 2 बजे ट्रॉलर में सवार 34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश तटरक्षकों ने हिरासत में ले लिया. यह घटना मोंगला बंदरगाह से करीब 77 नॉटिकल मील दूर समुद्र में हुई. मछुआरा संगठनों से मिली जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन क्षेत्र के निवासी हैं. रोजी-रोटी की तलाश में समुद्र में गए ये मछुआरे अंधेरा और खराब मौसम की वजह से रास्ता भटक गए और गलती से बांग्लादेश की समुद्री सीमा में प्रवेश कर गए. बांग्लादेशी तटरक्षकों ने मछुआरों के दोनों ट्रॉलरों और बाकी सामान भी जब्त कर लिए.

दुर्ग में होटल कारोबारी विजय अग्रवाल के बंगले पर ईडी की छापेमारी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मंगलवार सुबह दुर्ग जिले के दीपक नगर स्थित एक बड़े कारोबारी, होटल व्यवसायी और सागर होटल के मालिक विजय अग्रवाल के बंगले और कार्यालय पर छापा मारा है. विजय अग्रवाल का नाम दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के बड़े कारोबारियों में शुमार है. ईडी टीम के साथ सुरक्षा के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान साथ में तैनात हैं. यहां 3 गाड़ी में सुबह 6 बजे ईडी की टीम पहुंची, जिसमें सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं. सागर ग्रुप के अलग-अलग नाम से कई फर्म है. इस ग्रुप के परिवार से जुड़े लोगों ने छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार में मिड डे मील का एक बड़ा काम लिया था.

सीरिया के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप अनुचितः असद

ब्रुसेल्स। सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने दक्षिणी सीरिया में इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा किए गए टैंक हमलों पर परोक्ष रूप से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी को भी सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है. यह टिप्पणी उन्होंने बातचीत के दौरान की, जब वे बीते दिनों बेदुइन जनजातियों और ड्रूज़ लड़ाकों के बीच हुई हिंसक झड़पों पर बोल रहे थे. यहीं पर इजराइल ने आज टैंकों पर हमला किया था. विदेश मंत्री शिबानी ने कहा, हथियार उठाना सिर्फ राज्य की जिम्मेदारी है, किसी और की नहीं. सीरिया धीरे-धीरे फिर से अरब जगत और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वाभाविक स्थिति में लौट रहा है.

महासचिव गुटेरेस ने सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति पर जताई चिंता

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि वैश्विक वकास से जुड़े केवल 35 प्रतिशत सतत विकास लक्ष्य ही तय समय तक हासिल होने की दिशा में हैं, जबकि शेष लक्ष्य या तो धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं. उन्होंने इसे वैश्विक विकास का आपातकाल बताया. महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने न्यूयॉर्क में 'सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2025' जारी करते हुए संवाददाता सम्मेलन में उक्त बातें कहीं. उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल पहुंच और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है. बाल विवाह में कमी आई है और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है. 80 करोड़ से अधिक लोग अब भी अत्यधिक गरीबी में जीवन बिता रहे हैं.

डॉ एस जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भेंट की

बीजिंग। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से शिष्टाचार मंगलवार को भेंट की और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं. डॉ जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की. उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुभकामना संदेश प्रेषित किये. इसके साथ ही द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के बारे में अवगत कराया. विदेश मंत्री ने एक्स पर इससे जुड़ी तस्वीर भी साझा की. कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल ही में हुई प्रगति से अवगत कराया. इस संबंध में वे दोनों देशों नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं.

अमेरिकी शिक्षा विभाग में छंटनी का रास्ता हुआ साफ

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से डोनाल्ड ट्रंप खुश

एजेंसी। वाशिंगटन

ट्रंप प्रशासन अब संयुक्त राज्य अमेरिका के शिक्षा विभाग में अपने हिसाब से छंटनी कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन को शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर छंटनी की योजना को अनुमति प्रदान कर दी. इस योजना पर पहले एक संघीय न्यायाधीश ने रोक लगा दी थी. रूढ़िवादी बहुमत वाली शीर्ष अदालत ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रशासन की आपातकालीन अर्जी को स्वीकार कर लिया. एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, शीर्ष अदालत के तीन उदारवादी सदस्यों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई. न्यायमूर्ति सोनिया सोतोमयोर ने तो तीखी असहमति व्यक्त की. उन्होंने लिखा, ₹ कार्यपालिका ने सार्वजनिक रूप से कानून तोड़ने की अपनी मंशा की घोषणा की है. न्यायपालिका का कर्तव्य यह है कि उसे ऐसा करने से रोके ना कि मनमानी करने की छूट दे.₹ सोतोमयोर ने कहा, न्यायालय का बहुमत या तो जानबूझकर अपने फैसले के निहितार्थों के प्रति अंधा है या फिर नासमझ है. यह फैसला संविधान के शक्तियों के पृथक्करण के लिए गंभीर खतरा है. उन्होंने कहा कि यह फैसला संविधान की ₹स्पष्ट अवहेलना₹ करता है.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष अदालत के फैसले की सराहना की. ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने यह घोषणा करके देश भर के अभिभावकों और छात्रों को एक बड़ी जीत दिलाई है. अब ट्रंप प्रशासन शिक्षा विभाग को राज्यों को सौंपने की दिशा में आगे बढ़ेगा. अब शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया की शुरू कर सकती हैं. सनद रहे, इस साल की शुरुआत में पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रंप ने इस संबंध में कार्यकारी आदेश जारी किया था. इसमें कहा गया था कि प्रशासन शिक्षा विभाग को बंद करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा. इसके बाद लिंडा मैकमोहन ने बड़े पैमाने पर छंटनी का आदेश दिया था.

इसके बाद डेमोक्रेसी फॉरवर्ड की मुख्य कार्यकारी स्काई पेरीमैन के नेतृत्व में समूहों ने कानून की चौखट पर दस्तक दी. पैरीमैन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सार्वजनिक शिक्षा के लिए विनाशकारी बताया है. पेरीमैन ने कहा कि शीर्ष अदालत ने एक बार फिर बिना किसी तर्क के दो निचली अदालतों के फैसले को पलटा है. यह निराशाजनक है. कांग्रेस स्थापित शिक्षा विभाग को खत्म करने की ट्रंप-वेंस प्रशासन की कार्रवाई असंवैधानिक है. शिक्षा विभाग के इस मामले में मैसाचुसेट्स स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश म्योंग जॉन ने 22 मई के अपने फैसले में लिखा था कि सबूत यह दर्शाते हैं कि प्रतिवादियों का असली इरादा बिना किसी अधिकृत कानून के विभाग को प्रभावी ढंग से खत्म करना है. सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने इस पर कहा था कि जॉन की टिप्पणी राष्ट्रपति के अधिकारों पर अतिक्रमण करती है. न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने कहा कि चुनौती देने वालों ने दिखाया है कि ट्रंप का कदम मनमाना और असंवैधानिक था. सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से इतना तो तय है कि शिक्षा विभाग के 1,400 कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने का निचली अदालत का आदेश रद्दी हो चुका है. इस फैसले ने ट्रंप को शिक्षा विभाग को खत्म करने की खुली छूट दे दी है. उदारवादी जस्टिस सोनिया के साथ जस्टिस एलेना कागन ने इस फैसले को संविधान की शक्तियों के बंटवारे के लिए खतरा बताया है.

न्यूज अपडेट

मध्य प्रदेश में पुलिस ने शुरू किया नशे से दूरी है जरूरी अभियान

भोपाल। नशा कई जिंदगियों को बर्बाद करने का कारण बन रहा है. प्रदेश में आए कई मामलों को देखते हुए आज यानी कि 15 जुलाई ने मध्य प्रदेश पुलिस नशामुक्त राज्य बनाने की दिशा में एक वृहद जन-जागरूकता अभियान ₹नशे से दूरी – है जरूरी₹ की शुरुआत करने जा रही है. यह अभियान 30 जुलाई तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में यह अभियान पुलिस मुख्यालय की नारकोटिक्स विंग द्वारा चलाया जाना है. इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) केपी वेंकटेश्वर राव का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना है.

नेपाल के सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता ने इस्तीफा दिया

काठमांडू। नेपाल के संघीय मामलों एवं सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता ने रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया है. उनका इस्तीफा एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद आया है जिसमें उनकी कथित तौर पर रिश्वत मांगने की आवाज सुनाई दे रही है. विपक्षी दल गुप्ता के तत्काल इस्तीफे और कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे. विपक्ष सरकार पर मंत्री को बचाने का आरोप लगा रहा था. पद छोड़ने से पहले गुप्ता ने सुबह प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात की. बताया गया है कि प्रधानमंत्री ओली ने गुप्ता को पद छोड़ने का निर्देश दिया. गुप्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कभी-कभी नहीं खाया हुआ विष का भी असर होता है.

पंजाब व खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बरसात से तबाही, 15 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानसून की बारिश ने कहर बरपाया. आंधी-पानी और बाढ़ से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है. अकेले पंजाब प्रांत में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 62 घायल हो गए. खैबर पख्तूनख्वा में छह लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों का कहना है कि मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, दोनों प्रांतों में सोमवार को काले बादलों ने आसमान को चीर दिया. मूसलाधार बारिश से अधिकांश इलाके जलमग्न हो गए. छतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं. पिछले 24 घंटों में अकेले पंजाब में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई. राजनपुर और उसके आगे बाढ़ जैसा नजारा है.

इजराइल ने ड्रूज समुदाय के समर्थन में किया सैन्य हस्तक्षेप

तेलअवीव। सीरिया के स्वीदा प्रांत में ड्रूज और सरकार समर्थक बेदौइन समुदाय के बीच भड़की सांप्रदायिक हिंसा में करीब 100 लोग मारे गए हैं. अप्रैल में भी ड्रूज लड़ाकों और सीरियाई सेना के बीच झड़पें हो चुकी हैं. ड्रूज, जो न तो मुस्लिम हैं और न ही ईसाई, अपने धार्मिक कार्य गुप्त तरीके से करते हैं और सीरिया में लगभग 7 लाख की आबादी में शामिल हैं. इस हिंसा को लेकर इजराइल ने ड्रूज समुदाय के समर्थन में सैन्य हस्तक्षेप किया है. इजराइली सेना ने स्वीदा प्रांत के अल-सामी गांव में कई टैंकों पर बमबारी की है और साफ कहा है कि वे ड्रूज को नुकसान पहुंचने नहीं देंगे. इजराइली रक्षा मंत्री इसरायल काट्ज़ ने चेतावनी दी कि अगर खतरा होगा तो वे ड्रूज की रक्षा के लिए आगे बढ़ेंगे.

नक्सलियों ने अब स्वीकारा- एक साल में में मारे गए 357 साथी

एजेंसी। बीजापुर

सालभर में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 357 नक्सली मारे गए हैं. नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने मंगलवार को जारी प्रेसनोट और बुकलेट में यह स्वीकार किया है. जारी बुकलेट व प्रेसनोट को लेकर हिन्दुस्थान समाचार कोई आधिकारिक दावा नहीं करता है. नक्सलियों ने 24 पेज का गोंडी बोली और अंग्रेजी में बुकलेट भी जारी किया. जारी बुकलेट में लिखा है कि सालभर में नक्सलियों के पोलित ब्यूरो मेंबर और नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू समेत सेंट्रल कमेटी के 4 सदस्य, स्टेट कमेटी के 16 सदस्य मारे गए हैं. इन 357 में 136 महिला नक्सली भी मारी गई हैं. सबसे ज्यादा दंडकारण्य में 281 नक्सली ढेर हुए हैं. वहीं, पुलिस के अनुसार पिछले डेढ़ साल में सिर्फ बस्तर में ही करीब 420 से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में ढेर किया है. नक्सलियों के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 14 बिहार-झारखंड, 23 तेलंगाना, 281 दंडकारण्य, 9 आंध्र-ओडिशा विशेष क्षेत्र/आंध्र प्रदेश, 8 महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी), 20 ओडिशा, 1 पश्चिमी घाट और 1 पंजाब से हैं. उनके 4 साथी खराब स्वास्थ्य और अनुचित उपचार के कारण, 1 दुर्घटना में, 80 फर्जी मुठभेड़ों में और 269 घेराबंदी हमलों में मारे गए. मारे गए नक्सलियों में बसवा राजू समेत राज्य समिति स्तर के 16, जिला समिति के 23, एसी/पीपीसी के 83, पार्टी के 138 सदस्य, पीएलजीए के 17 सदस्य, जन संगठनों के 6 सदस्य और 34 लोग शामिल हैं. 36 लोगों का विवरण उपलब्ध नहीं है. नक्सलियों का कहना है कि अधिकांश कगार युद्ध में मारे गए हैं.

ताइवान के वायु क्षेत्र में घुसे चीन के 26 सैन्य विमान

ताइपे। चीन अपनी विस्तारवादी नीति से बाज नहीं आ रहा. आज सुबह चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि मंगलवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया. ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने मध्य रेखा पार करके ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया. ताइवान के सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब देने के लिए अपने विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं. एक अन्य एक्स पोस्ट में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बलों ने रात्रिकालीन रन-वे मरम्मत अभ्यास किया था.

न्यूयॉर्क व पांच उपनगरों में तूफान से तबाही, न्यू जर्सी में आपातकाल

एजेंसी। न्यूयॉर्क

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से भारी तबाही हुई है. सब-वे और राजमार्गों पर पानी भर गया है. प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की. न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने हालात के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की. सोमवार रात न्यूयॉर्क शहर और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई है. इससे मेट्रो सिस्टम के कुछ हिस्सों में पानी भर गया. प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं. इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर भी पड़ा. धीमी गति के इस तूफान ने मध्य-अटलांटिक के बड़े हिस्से को पानी-पानी कर दिया. इस वजह से मध्य वर्जीनिया से न्यूयॉर्क शहर तक अचानक बाढ़ आ गई. बाढ़ का पानी

मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया. इस दौरान वाहन जलमग्न हो गए. बाढ़ के पानी ने एक पेट्रोल पंप के ईंधन पंपों को तहस-नहस कर दिया.

मौसम विज्ञानी जो वेगमैन ने बताया कि कुछ इलाकों में सात इंच तक बारिश हुई. सोमवार देर रात तूफान कमजोर पड़ गया. सोमवार रात राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क के सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की. आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए आगाह किया.

उपलब्धि डीआरडीओ ने नौसेना को सौंपी छह स्वदेशी डिजाइन व विकसित उत्पाद प्रणालियां

भारत की समुद्री सेना की ताकत अब और बढ़ जाएगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय नौसेना को 6 रणनीतिक स्वदेशी रूप से विकसित प्रणालियां सौंपी हैं, जिससे समुद्री सेना की ताकत बढ़ेगी. इसके अलावा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया पहला भारत में निर्मित किफायती उन्नत कार्बन फाइबर फुट प्रोस्थेसिस का तेलंगाना में अनावरण किया गया. आयातित कृत्रिम पैर की लागत लगभग दो लाख रुपये है, जबकि भारत में विकसित इस उत्पाद की कीमत 20 हजार रुपये से भी कम होगी. रक्षा अनुसंधान एवं विकास सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष समीर वी. कामथ ने रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में नौसेना मुख्यालय के रियर एडमिरल श्रीराम

अमूर एसीएनएस (एसएसपी) को ये उत्पाद सौंपे. भारतीय नौसेना को सौंपे गए छह रणनीतिक स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उत्पादों में गामा विकिरण हवाई निगरानी प्रणाली (ग्रास), पर्यावरण निगरानी वाहन (ईएसवी), वाहन रेडियोलॉजिकल संदूषण निगरानी प्रणाली (वीआरसीएमएस), जल के भीतर गामा विकिरण निगरानी प्रणाली (यूजीआरएमएस), डर्ट एक्सट्रैक्टर और क्रॉस संदूषण मॉनिटर (डेकॉम) और ऑर्गन रेडियोधर्मिता पहचान प्रणाली (ओआरडीएस) हैं.

मानव रहित गामा विकिरण हवाई निगरानी प्रणाली पर्यावरणीय निरंतर निरीक्षण और गंभीर दुर्घटनाओं में आपातकालीन निरीक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. गामा विकिरण डिटेक्टर एक विकिरण निगरानी प्रणाली का दिल बनाता है, इसलिए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के आसपास के क्षेत्र में इस तरह के डिटेक्टरों की तैनाती महत्वपूर्ण है. पर्यावरण निगरानी वाहन विभिन्न पर्यावरणीय मापदंडों को मापने और निगरानी करने के लिए सेंसर और उपकरणों से सुसज्जित होता है. यह वाहन वायु गुणवत्ता, जल गुणवत्ता, ध्वनि प्रदूषण और विकिरण स्तर जैसे विभिन्न कारकों की निगरानी करके डेटा को एकत्र करके विश्लेषण के लिए भेजता है. नौसेना को सौंपी गई वाहन रेडियोलॉजिकल संदूषण निगरानी प्रणाली वाहनों में रेडियोधर्मी संदूषण का पता लगाने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही प्रदूषण को फैलने से रोका जा सके. ये प्रणालियां आमतौर पर वाहनों के माध्यम से गुजरने वाले रेडियोधर्मी पदार्थों का पता लगाने के लिए डिटेक्टरों का उपयोग करके खतरे की स्थिति में अलर्ट जारी करती हैं. गामा विकिरण निगरानी प्रणाली पानी के अंदर गामा विकिरण के स्तर को मापने के लिए एक विशेष प्रणाली है. यह प्रणाली समुद्र, झीलों या अन्य जल निकायों में रेडियोधर्मी प्रदूषण या असामान्य विकिरण स्तरों का पता लगाने में मदद करती है. इस प्रणाली में आमतौर पर एक या एक से अधिक गामा किरण डिटेक्टर होते हैं, जो पानी के भीतर स्थापित किए.

यूक्रेन की प्रधानमंत्री होंगी यूलिया स्विरीडेन्को

कीव। यूक्रेन की अगली प्रधानमंत्री यूलिया अनातोलीवना स्विरीडेन्को होंगी. सोवियत संघ के चेर्निगोव में 25 दिसंबर, 1985 को जन्मीं यूलिया इस समय यूक्रेन की उप प्रधानमंत्री (प्रथम) हैं. वो मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल का स्थान लेंगी. उनके जन्मस्थान का नाम बदलकर चेर्निहीव हो चुका है. चेर्निहीव अब यूक्रेन में है. यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने उनकी नई जिम्मेदारी तय की है. जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैंने प्रस्ताव दिया है कि यूलिया स्विरीडेंको यूक्रेन सरकार का नेतृत्व करें. वह प्रधानमंत्री कार्यालय के कामकाज में महत्वपूर्ण बदलाव लाएं. मैं निकट भविष्य में नई सरकार की कार्ययोजना के प्रस्तुतीकरण की प्रतीक्षा कर रहा हूं.' जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने यूलिया स्विरीडेंको के साथ बैठक की.

डॉ. मोहन यादव ने दुबई में भारत मार्ट का किया दौरा

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी तीन दिवसीय दुबई यात्रा के अंतिम दिन मंगलवार को वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड के उद्योगपतियों से मुलाकात की और प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की. इस अवसर पर उन्होंने दुबई में स्थापित भारत मार्ट का दौरा भी किया, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार को गति देने वाला एक प्रमुख केंद्र है. उन्होंने इसे मध्य प्रदेश के लिए वैश्विक साझेदारी के एक सशक्त मंच के रूप में देखा. 13 से 15 जुलाई तक चले इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कई व्यापारिक बैठकों में भाग लिया और निवेश संवाद कार्यक्रमों में प्रदेश की नीतियों और औद्योगिक अवसरों को प्रस्तुत किया. दौरे के समापन पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने इस यात्रा को ₹विकास यात्रा की एक मजबूत नींव₹ बताते हुए इसे राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई प्रवास के दौरान डीपी वर्ल्ड, जाएफजा (जेबेल अली फ्री जोन) और अन्य प्रमुख औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई. भारत मार्ट जैसी वैश्विक परियोजनाओं को लेकर सहमति बनी, जो मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में सहायक होगी. उन्होंने पीएम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2015 से ही प्रधानमंत्री मोदी ने दुबई की वैश्विक क्षमता को पहचाना है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)